THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 292 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ अमावस्या, 2082 रविवार, 18 जनवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

कांग्रेस विधायक बरैया के बयान पर विवाद

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया के द्वारा महिलाओं को लेकर दिए गए आपत्तिजनक बयान पर विवाद हो गया है। बरैया के बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में बरैया यह दावा करते नजर आ रहे हैं कि भारत में सबसे ज्यादा बलात्कार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की महिलाओं से होते हैं। कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया ने कहा, तो मेरा कहने का मतलब है। बलात्कार की थ्योरी यह है कि कोई आदमी रास्ते में जा रहा है और उसे अगर खूबसूरत लड़की दिखाई दी, सुंदर अति सुंदर। तो उसका दिमाग विचलित हो सकता है।

'टीएमसी घुसपैठियों को वोटर बना रही'

इन्हें बसाकर गरीबों का हक छीना जा रहा, भाजपा इन्हें देश से निकालेगी : पीएम मोदी

कोलकाता/गुवाहाटी, 17 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मालदा में शनिवार को पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल की टीएमसी सरकार बहुत ही निर्दयी है, निर्मम है। केंद जो पैसा भेजता है उस पैसे को ये टीएमसी के लिए लूट लेते हैं। टीएससी के लोग बंगाल के मेरे गरीब भाई-बहनों के दुश्मन बने हैं।

आयुष्मान भारत योजना पर बात करते हुए पीएम ने कहा कि, टीएमसी वालों को आपकी तकलीफ की कोई चिंता नहीं है। वो अपनी तिजोरी भरने में जुटे हैं। मैं चाहता हूं कि देश की तरह बंगाल के गरीबों को 5 लाख का मुफ्त इलाज मिले लेकिन ये योजना लागू नहीं होने दी गई है। ऐसी पत्थर दिल सरकार की बंगाल से विदाई जरूरी है। पीएम ने मालदा में भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का उद्घाटन किया। उन्होंने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह ट्रेन हावड़ा से गुवाहाटी के बीच चलेगी। उन्होंने ट्रेन के ड्राइवर से मुलाकात और उसके बारे में जाना। पीएम ने ट्रेन में मौजूद बच्चों से भी बात की।

पीएम ने पश्चिम बंगाल में 3,250 करोड़ रुपये से ज्यादा की रेल और सड़क परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया। उन्होंने वर्चुअली 4 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। ये ट्रेन उत्तरी बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार को भारत के दूसरे हिस्सों से जोड़ेंगी।

✻ पूर्वी भारत के लोगों का विश्वास भाजपा के नाम :

हमारा देश 2047 तक विकसित होने पर काम कर रहा है। इसलिए लिए पूर्वी भारत का विकास होना जरूरी है। पूर्वी भारत को दशकों तक नफरत करने वालों ने जकड़ रखा था। भाजपा ने नफरत की राजनीति करने वालों से पूर्वी भारत को मुक्त किया है। पूर्वी भारत के लोगों का विश्वास भाजपा के नाम है। उनका विश्वास भाजपा के साथ है।

✻ पत्थरदिल सरकार की बंगाल से विदाई जरूरी :

टीएमसी वालों को आपकी तकलीफ की कोई चिंता नहीं है। वो अपनी तिजोरी भरने में जुटे हैं। मैं चाहता हूं कि देश की तरह बंगाल के गरीबों को 5 लाख का मुफ्त इलाज मिले, यहां आयुष्मान भारत योजना लागू हो। बंगाल देश का एक मात्र ऐसा राज्य है। यहां ये योजना लागू नहीं होने दी गई है। ऐसी पत्थर दिल सरकार, ऐसी निर्मम सरकार की बंगाल से विदाई जरूरी है।

✻ बंगाल की हर दिशा में सुशासन की सरकार :

कुछ दिन पहले बिहार में बीजेपी-एनडीए की सरकार बनी है। यानी बंगाल की हर दिशा में बीजेपी के सुशासन की सरकार है। अब बंगाल की बारी है। इसलिए बिहार चुनाव की जीत के बाद मैंने कहा था- मां गंगा के आर्शीवाद से अब बंगाल में भी विकास की गंगा बहेगी। बीजेपी ये काम करके रहेगी।

✻ बंगाल के सामने एक बड़ी चुनौती घुसपैठ की है :

आप देखिए दुनिया के जो विकसित देश हैं, समृद्ध देश हैं, जिन्हें पैसों की कमी नहीं, वे भी घुसपैठियों को निकाल रहे हैं। प. बंगाल में भी घुसपैठियों को बाहर करना जरूरी है। एक एक घुसपैठिए को निकालना जरूरी है। टीएमसी के रहते ये संभव नहीं है। ये जमीन-हक, बहन-बेटियों की रक्षा नहीं करेंगे। इन्हें सत्ता से बाहर निकालना चाहिए।

✻ बाढ़ पीड़ितों को यहां पैसा तक नहीं मिलता :

पश्चिम बंगाल में बाढ़ राहत में कैसा काम हुआ है, मुझसे ज्यादा आप जानते हैं। मैं मालदा की बाढ़ राहत की सीएजी रिपोर्ट देख रहा था।

टीएमसी के चहेतों के खातों में 40-40 बार बाढ़ राहत का पैसा भेजा गया। जो इसके हकदार नहीं थे, उन्हें लाखों रुपये दिया गया। जिन पर संकट आया उन्हें कुछ नहीं मिला। भाजपा की सरकार बनते ही, टीएमसी के ऐसे सारे काले कारनामें बंद किए जाएंगे।

✻ मुंबई में बीजेपी की ऐतिहासिक जीत :

कल ही महाराष्ट्र में शहरी निकाय के नतीजे आए, इसमें बीजेपी को एतिहासिक जीत हासिल हुई।

खासतौर पर महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में पहली बार बीजेपी को रिकॉर्ड जीत मिली है। जहां कभी बीजेपी के लिए चुनाव जीतना असंभव माना जाता था, वहां भी आज बीजेपी अभूतपूर्व समर्थन मिल रहा है। ये दिखाता है कि देश के वोटर, देश की जेन-जी बीजेपी के विकास मॉडल पर कितना ज्यादा भरोसा करती है।

'कोई भी संधि देशहित को ध्यान में रखकर होनी चाहिए, विदेशी दबाव में नहीं'

> सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले का फैसला सुनाते हुए अहम टिप्पणी की और कहा कि संधियां या समझौते देशहित को ध्यान में रखकर किए जाने चाहिए, न कि विदेशी सरकारों या संस्थाओं के दबाव में। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, भारत को अपनी टैक्स संप्रभुता की रक्षा और निष्पक्षता सुनिश्चित करनी चाहिए। पीठ ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय टैक्स समझौतों में दाखिल होने पर यह ध्यान रखना चाहिए कि उनका दुरूपयोग न होने पाए। जस्टिस जेबी पारदीवाला ने एक फैसले के दौरान ये टिप्पणियां कीं।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने राजस्व विभाग के फैसले को सही ठहराया। राजस्व विभाग ने अमेरिका की निवेशक फर्म टाइगर ग्लोबल के ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट से बाहर निकलने से हुए कैपिटन गेन पर टैक्स लगाने का आदेश दिया था।

जस्टिस पारदीवाला ने अपने आदेश में उन सिद्धांतों का भी उल्लेख किया, जो भारत को अंतर्राष्ट्रीय टैक्स संधि करते समय ध्यान में रखने चाहिए। साथ ही इनसे देश की आर्थिक संप्रभुता, राजस्व आधार और जनहित भी सुनिश्चित हो सकें।

उन्होंने बताया कि टैक्स संधियां, अंतर्राष्ट्रीय समझौते, प्रोटोकॉल पारदर्शी, समीक्षात्मक और ऐसे होने चाहिए, जिन पर मजबूती से सौदेबाजी हो सके। साथ ही इन समझौतों के एग्जिट प्रावधान इतने मजबूत होने चाहिए कि इनमें पक्षपात न हो सके और इनसे देश के रणनीतिक और सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके। जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि संधिया-समझौते देशहित में होने चाहिए न कि किसी विदेशी सरकार दबाव में।

'सिस्टम को दलित का आगे बढ़ना मंजूर नहीं था'

> राहुल गांधी ने रोहित वेमुला को किया याद, बोले-आज 10 साल हो गए

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर रोहित वेमुला को याद किया। अपनी पोस्ट में उन्होंने कहा कि आज रोहित वेमुला को गए 10 साल हो गए। लेकिन रोहित का सवाल आज भी हमारे सीने में धड़क रहा है। क्या इस देश में सपने देखने का हक सबको बराबर है? रोहित पढ़ना चाहता था, लिखना चाहता था। विज्ञान, समाज और इंसानियत को समझकर इस मुल्क को बेहतर बनाना चाहता था, लेकिन इस व्यवस्था को एक दलित का आगे बढ़ना मंजूर नहीं था।

संस्थागत जातिवाद, सामाजिक बहिष्कार, रोज-रोज की बेइज्जती, 'औकात' दिखाने वाली भाषा और अमानवीय व्यवहार-यही वह जहर था, जिसने एक होनहार युवा को उस मुकाम तक धकेल दिया जहां उसकी गरिमा छीन ली गई और उसे अकेला कर दिया गया। और आज? दलित युवाओं की हकीकत क्या बदली है? कैंपस में वही तिरस्कार, हॉस्टल में वही अलगाव, क्लास में वही कमतर समझना, फिर वही हिंसा-और कभी-कभी वही मौत। क्योंकि जाति आज भी इस देश का सबसे बड़ा एडमिशन फॉर्म है।

रोहित वेमुला एक्ट लागू करने की मांग :

रोहित वेमुला एक्ट कोई नारा नहीं, एक जरूरत है। ताकि शैक्षणिक संस्थानों में जातिगत भेदभाव अपराध बने, दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो और किसी भी छात्र को उसकी जाति के नाम पर तोड़ने, चुप कराने और बाहर करने की छूट खत्म हो। यह लड़ाई सिर्फ संसद की नहीं है। यह लड़ाई कैंपस की है, युवाओं की है, हमारी है। दलित युवाओं-आवाज उठाओ, संगठन बनाओ, एक-दूसरे के साथ खड़े रहो। मांग करो: रोहित वेमुला एक्ट अभी लागू करो। एंटी-डिस्क्रिमिनेशन कानून अभी चाहिए।

पुणे-पिंपरी चुनाव में हार के बाद अजित पवार ने बदले सुर

'हार पर चर्चा होगी, भाजपा को दी बधाई'

पुणे, 17 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शनिवार को भाजपा को जीत की बधाई दी। पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम चुनावों में भाजपा ने अजित पवार की एनसीपी और एनसीपी (एसपी) गठबंधन को हरा दिया है। इन चुनावों के नतीजे एक दिन पहले ही आए थे।

चुनाव प्रचार के दौरान अजित पवार ने भाजपा पर काफी तीखे हमले किए थे। उन्होंने भाजपा पर भ्रष्टाचार और विकास रोकने के आरोप लगाए थे। जवाब में भाजपा ने भी उन्हें अपने गिरेबान में झांकने की सलाह दी थी। लेकिन शनिवार को मीडिया से बात करते हुए पवार के सुर बदले हुए थे। पवार ने कहा कि मतदाता सबसे अहम हैं।

हार के कारणों पर होगी चर्चा :

भाजपा ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में यह चुनाव लड़ा और बड़ी सफलता हासिल की। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी हार के कारणों पर चर्चा करेगी। कार्यकर्ताओं को निराश होने के बजाय काम करते रहना चाहिए। विपक्ष के ईवीएम पर सवाल उठाने को लेकर पवार ने कहा कि वे इस पर कुछ नहीं बोलेंगे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि हारने पर आरोप लगाना स्वाभाविक है, लेकिन जीत के बाद कोई सवाल नहीं उठाता।

भाजपा को दी बधाई :

उन्होंने कहा, मतदाता महत्वपूर्ण हैं, और हर राजनीतिक पार्टी को अपने प्रयास जारी रखने चाहिए। भाजपा ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है, और मैं पार्टी को उसके प्रदर्शन के लिए बधाई देता हूं। ये नगर निगम चुनाव मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में भाजपा ने लड़े थे, और दूसरी पार्टियों को हार का सामना करना पड़ा। उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इस हार से निराश नहीं होना है, बल्कि काम करते रहना है। पुणे और पिंपरी चिंचवड़ में हार के संभावित कारणों के बारे में पूछे जाने पर, जो कभी एनसीपी और पवार परिवार का गढ़ था, उन्होंने कहा, नतीजे घोषित हुए अभी सिर्फ 24 घंटे हुए हैं। पार्टी बैठकर नतीजों पर चर्चा करेगी। मीडिया ने भी पार्टी के लिए अनुकूल माहौल का अनुमान लगाया था, लेकिन मीडिया के अनुमान भी गलत साबित हुए।

क्या रहा सीटों का समीकरण :

आंकड़ों की बात करें तो पुणे में भाजपा ने 119 सीटें जीतीं। जबकि अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी 27 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही और उसकी सहयोगी एनसीपी (एसपी) को तीन सीटें मिलीं, जबकि कांग्रेस को 15 सीटें मिलीं। पिंपरी चिंचवड़ में, भाजपा को 128 सदस्यीय सामान्य निकाय में 84 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत मिला।

घर देने का वादा, 600 करोड़ रुपये एकत्रित 2000 लोगों को नहीं मिला आशियाना

रडार पर हरियाणा के पूर्व विधायक

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने फरीदाबाद, पलवल, भिवाड़ी आदि में रियल एस्टेट धोखाधड़ी के संबंध में पीयूष ग्रुप ऑफ कंपनीज और उसके पूर्व प्रवर्तकों के खिलाफ पीएमएलए, 2002 के तहत तलाशी अभियान चलाया है।

तलाशी में पूर्व प्रवर्तकों, वर्तमान समाधान पेशेवरों, निदेशकों और हरियाणा के पूर्व विधायक महेंद्र प्रताप सिंह के परिसर शामिल थे। इन सभी ने मिलकर हजारों लोगों को समय पर घर देने का वादा किया। 600 करोड़ रुपये एकत्रित कर लिए गए। बाद में 2000 से अधिक लोगों को आशियाना नहीं मिला। लोगों को उनके पैसे भी वापस नहीं मिल सके। उक्त रियल एस्टेट कंपनी के संचालकों के अलावा ईडी के रडार पर हरियाणा के पूर्व विधायक महेंद्र प्रताप चौधरी भी हैं। ईडी के मुताबिक, उक्त कंपनी और विधायक, एक संयुक्त उद्यम (जेवी) के माध्यम से वाणिज्यिक परियोजना में भागीदार हैं। संदेह है कि इस परियोजना का निर्माण अन्य परियोजनाओं से निकाले गए गृह खरीदारों के धन से किया गया है। लंबे समय तक देरी होने के बाद भी लोगों को उनकी प्रॉपर्टी का कब्जा नहीं दिया गया। उनका रिफंड भी नहीं किया गया। एफआईआर में दस्तावेजों की हेराफेरी और जालसाजी की बात सामने आई। यह कार्रवाई आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) सहित विभिन्न जांच एजेंसियों द्वारा दर्ज की गई कई एफआईआर पर आधारित है।

इसमें धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, जालसाजी, आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि प्रमोटरों ने निवेशकों और घर खरीदारों को सुनिश्चित रिटर्न और समय पर कब्ज़ा दिलाने का वादा करके विभिन्न परियोजनाओं में निवेश करने के लिए प्रेरित किया।

भारत ने ब्रिक्स नौसैनिक अभ्यास में भाग क्यों नहीं लिया?

> विदेश मंत्रालय ने दिया क्लियर जवाब

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया भर में चल रही उथल-पुथल के बीच एक और अटकलें तब लगने लगीं जब भारत ने 'ब्रिक्स नौसैनिक अभ्यास' में भाग नहीं लिया। अब इस मामले में विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट जवाब दिया है और बताया है कि आखिर भारत ने इस अभ्यास में भाग क्यों नहीं लिया। रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम स्पष्ट करते हैं कि विचाराधीन अभ्यास पूरी तरह से दक्षिण अफ्रीका की पहल थी जिसमें कुछ ब्रिक्स सदस्य देशों ने भाग लिया था। यह कोई नियमित या संस्थागत ब्रिक्स गतिविधि नहीं थी, और न ही सभी ब्रिक्स सदस्य देशों ने इसमें भाग लिया था।

भारत ने पहले भी इस तरह की गतिविधियों में भाग नहीं लिया है। इस संदर्भ में, भारत जिस नियमित अभ्यास का हिस्सा है, वह आईबीएसएएमआर नौसैनिक अभ्यास है, जिसमें भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका की नौसेनाएं भाग लेती हैं। आईबीएसएएमआर का पिछला संस्करण अक्टूबर 2024 में आयोजित किया गया था।

भारत के अलवा ब्राजील ने भी खुद को इस नौसैनिक अभ्यास से अलग रखा :

बता दें कि ब्रिक्स देशों का संयुक्त नौसेना अभ्यास शुरू हो गया है, जिसमें चीन, रूस, दक्षिण अफ्रीका सहित अन्य देश इसमें भाग ले रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका ने इन अभ्यासों को वैश्विक स्तर पर बढ़ते समुद्री तनावों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया बताया है। दरअसल, ब्रिक्स ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के शुरूआती अक्षरों से मिलकर बना है, और दक्षिण अफ्रीका वर्तमान में इसकी अध्यक्षता कर रहा है।

क्यों किया गया था ब्रिक्स देशों का गठन :

बता दें कि ब्रिक्स पांच देशों का एक समूह है और इसका गठन 16 जून 2009 में किया गया था। इस समूह को ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका रूस, भारत और चीन देशों द्वारा मिलकर बनाया था। ब्रिक्स राष्ट्र द्वारा हर साल औपचारिक शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जाता है और इस शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स राष्ट्र के राज्य और सरकार के प्रमुख द्वारा हिस्सा लिया जाता हैं। ब्रिक्स देशों के गठन का मुख्य उद्देश्य था विकासशील देशों के बीच आर्थिक सहयोग और साझेदारी को बढ़ावा देना। इसका उद्देश्य वैश्विक अर्थव्यवस्था में इन देशों की भूमिका को मजबूत करना और विकसित देशों के प्रभुत्व को संतुलित करना था।

ईरान और गाजा में शांति बहाली को लेकर शशि थरूर ने जताई राहत

'सकारात्मक संकेत से जागी आशा'

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ईरान और गाजा में बढ़ते तनाव को लेकर हाल की स्थिति पर अपनी चिंता और उम्मीद व्यक्त की। थरूर ने कहा कि हाल ही में दो सकारात्मक संकेत सामने आए हैं, जो आशा जगाते हैं। उन्होंने बताया कि ईरान में पहले से घोषित 800 से अधिक फांसी की सजा को अधिकारियों ने रद्द कर दिया है। इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिलहाल किसी भी सैन्य हमले को रोकने का निर्णय लिया है। थरूर ने कहा कुछ हद तक यह एक सकारात्मक संकेत है कि तनाव कम हो सकता है। गल्फ देशों में भी भू-राजनीतिक प्रभाव को लेकर कुछ चिंता है, जो स्थिति को नियंत्रण से बाहर होने से रोक सकती है। मेरी आंतरिक भावना है कि हम शायद एक मोड़ पर आ गए हैं, लेकिन हमारे पास 100 प्रतिशत सटीक जानकारी नहीं है।

शशि थरूर ने गाजा की स्थिति पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि गाजा में शांति अब एक 'दूसरे चरण' में प्रवेश कर चुकी है, लेकिन हमले अभी भी जारी हैं और लोग हर दिन मारे जा रहे हैं। थरूर ने कहा अभी तक यह सभी के लिए शांतिपूर्ण स्थिति नहीं है। हम अभी तक हमास के निरस्त्रीकरण की प्रक्रिया पर कोई सटीक जानकारी नहीं पा सके हैं। स्थिति अत्यंत तनावपूर्ण है और इसे सामान्य शांति की स्थिति नहीं कहा जा सकता। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि यह स्थिति सुधरे, क्योंकि गाजा के लोग काफी कष्ट झेल चुके हैं।

बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या

ढाका, 17 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा अपनी चरमसीमा पर पहुंच गई है। ताजा मामले में बांग्लादेश के राजबारी जिले के सदर उपजिला में एक हिंदू व्यक्ति को जानबूझकर गाड़ी से कुचलकर मार दिया गया।

पूरे बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की जो तस्वीरें आ रही हैं, वह काफी परेशान करने वाली है। मरने वाले की पहचान 30 साल के रिपन साहा के तौर पर हुई है। रिपन राजबाड़ी में गोलंदा मोड़ के पास करीम फिलिंग स्टेशन पर काम करता था। बता दें, जिस शख्स ने इस घटना को अंजाम दिया है, उसका बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के साथ गहरा कनेक्शन है।

बांग्लादेशी अखबार ने पुलिस और स्थानीय चश्मदीदों के हवाले से बताया कि यह घटना शुक्रवार को हुई जब तेल के पैसे मांगने पर ड्राइवर ने साहा को कुचल दिया। घटना के बाद रिपन की मौके पर ही मौत हो गई।

भारत-जापान की रणनीतिक साझेदारी

एआई, सेमीकंडक्टर और सप्लाई चेन पर बना नया मास्टर प्लान

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। जापान के विदेश मंत्री मोटेगी तोशिमित्सु ने भारत के टेक प्रोफेशनल्स के लिए बड़ी खुशखबरी दी है। उन्होंने विदेश मंत्री जयशंकर के साथ वार्ता के बाद 500 भारतीय एआई टेक प्रोफेशनल के जापान में आमंत्रित किया है और संयुक्त अनुसंधान में साथ देने की अपील की है। दोनों देश के विदेश मंत्रियों ने एआई क्षेत्र में ठोस सहयोग को बढ़ावा देने के लिए जापान-भारत एआई रणनीतिक संवाद स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की।

मंत्री मोटेगी ने यह भी कहा कि जापान इस वर्ष फरवरी में भारत द्वारा आयोजित होने वाले 'एआई इम्पैक्ट समिट' की सफलता में योगदान देना चाहेगा। इसके अलावा, मंत्री मोटेगी ने कहा कि जापान संयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए 2030 तक भारत से 500 उच्च कुशल एआई पेशेवरों को आमंत्रित करेगा, जिसका मंत्री जयशंकर ने स्वागत किया। दोनों मंत्रियों ने दक्षिण एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका सहित क्षेत्रीय स्थितियों पर चर्चा की।

उन्होंने उत्तर पूर्वी भारत और आसपास के क्षेत्रों की कनेक्टिविटी में सुधार के लिए बौद्धिक संवाद के माध्यम से और जापान-भारत एक्ट ईस्ट फोरम सहित व्यापक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की, और दक्षिण एशिया पर नीतिगत संवाद के लिए एक ढांचा स्थापित करने पर भी सहमति जताई। इसके अलावा, चूंकि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है, इसलिए दोनों मंत्रियों ने जिम्मेदार वैश्विक शासन पर विचारों का आदान-प्रदान किया, जिसमें विश्व व्यापार संगठन में सहयोग और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार शामिल हैं।

गोल्ड मेडलिस्ट एथलीट को भरी सभा में बेइज्जत किया

> ममता बनर्जी पर भड़के भाजपा नेता अमित मालवीय

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। बंगाल में विधानसभा चुनाव के ऐलान से पहले टीएमसी और बीजेपी एक दूसरे को सियासी चक्रव्यूह में फंसाने की कोशिश में लगी हुई है। हर छोटे मुद्दे को सियासी रंग देकर बवाल खड़ा करने की कोशिश की जा रही है। इसी क्रम में बीजेपी नेता अमित मालवीय ने एक बार फिर से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जोरदार हमला बोला है। मालवीय ने ममता बनर्जी पर गोल्ड मेडलिस्ट खिलाड़ी को सार्वजनिक रूप से अपमान करने का आरोप लगाया।

क्या है आरोप :

अमित मालवीय ने कहा कि कल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारत की स्वर्ण पदक विजेता एथलीट स्वप्ना बर्मन का सार्वजनिक रूप से अपमान किया। वहां औपचारिक स्कार्फ (उत्तरीय) की कोई कमी नहीं थी। फिर भी, मुख्यमंत्री ने सिलीगुड़ी के मेयर गौतम देब द्वारा पहले से ही पहने हुए उत्तरीय को उतारकर स्वप्ना बर्मन के गले में डाल दिया। इस बीच बंगाल बीजेपी ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर ममता बनर्जी की करीबी प्रियदर्शनी हकीम पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

इस पोस्ट में लिखा गया है कि कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम की बेटी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की करीबी सहयोगी प्रियदर्शनी हकीम, वार्ड 82 की निवासी होने के बावजूद वार्ड 77 स्थित एसआईआर सुनवाई केंद्र के अंदर क्यों घूमती नजर आईं? वह वहां किस आधिकारिक हैसियत से मौजूद थीं? और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वह एसआईआर सुनवाई के लिए बुलाए गए व्यक्तियों से बातचीत क्यों कर रही थीं? एसआईआर सुनवाई केंद्र पार्क, पिकनिक स्थल या राजनीतिक अड्डा नहीं हैं।

14 साल की नाबालिग पर बुजुर्ग ने डाला तेजाब

तिरुवनंतपुरम, 17 जनवरी (एजेंसियां)। केरल में एक 14 साल की नाबालिग किशोरी पर बुजुर्ग व्यक्ति द्वारा तेजाब डालने की घटना हुई है। इस घटना में पीड़िता बुरी तरह से जल गई है और उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी, पीड़िता का पड़ोसी था। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था, लेकिन पुलिस ने कुछ घंटे बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि वायनाड में एक 14 साल की किशोरी पर उसके पड़ोसी व्यक्ति ने तेजाब डाल दिया।

आरोपी की पहचान राजू जोस (53 वर्षीय) के रूप में हुई है, जो प्रियदर्शी उनाथी, पुलपल्ली इलाके का निवासी है। पुलिस ने बताया कि घटना शुक्रवार शाम की है, जब जोस ने कथित तौर पर पीड़िता महालक्ष्मी पर तेजाब डाल दिया। पीड़िता आठवीं कक्षा की छात्रा है और आरोपी के पड़ोस में ही रहती है।

अमेरिका-पाक के संयुक्त सैन्य अभ्यास पर भड़की कांग्रेस

जयराम रमेश बोले- विदेश नीति विफल

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शनिवार को अमेरिकी और पाकिस्तानी सेनाओं के संयुक्त सैन्य अभ्यास किए जाने के बाद केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस अभ्यास ने भारत की विदेश नीति की विफलता को उजागर किया है।

पाकिस्तान और अमेरिकी सेनाओं ने 'इंस्पायर्ड गैम्बिट-2026' नामक संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया था। रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'स्वयं को विश्वगुरु कहने वाले भारत की आत्मप्रशंसापूर्ण कूटनीति को एक और झटका देते हुए अमेरिकी केंद्रीय कमान ने अभी-अभी एक बयान जारी किया है जिसमें कहा गया है कि अमेरिकी और पाकिस्तानी सेना के सैनिकों ने 'इंस्पायर्ड गैम्बिट' नामक संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास पूरा कर लिया है।'

अपनी पोस्ट में कांग्रेस सांसद ने क्या कहा?

कांग्रेस सांसद ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'जून 2025 में तत्कालीन अमेरिकी केंद्रीय कमान प्रमुख जनरल माइकल कुनिला ने आतंकवाद विरोधी अभियानों में पाकिस्तान को एक 'असाधारण सहयोगी' बताया था। राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के लिए अपनी गहरी प्रशंसा बार-बार जताई, जिनकी भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से उत्तेजक टिप्पणियों ने 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में पाकिस्तान की ओर से रचित आतंकी हमलों की पृष्ठभूमि तैयार की थी। कल ही, राष्ट्रपति ट्रंप ने दोहराया कि उन्होंने 10 मई, 2025 को ऑपरेशन सिंदूर को रुकवाने के लिए हस्तक्षेप किया था।' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक दिन पहले ही भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोकने के अपने दावे को दोहराया।

इसके साथ ही यह भी कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कम से कम 1 करोड़ लोगों की जान बचाने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया था। ट्रंप ने कहा, 'एक साल में हमने आठ शांति समझौते किए और गाजा युद्ध खत्म किया। मध्य पूर्व में शांति कायम है। हमने भारत और पाकिस्तान, दो परमाणु शक्ति संपन्न देशों को आपस में लड़ने से रोका। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने कम से कम 1 करोड़ लोगों की जान बचाई और यह वाकई अद्भुत था।'

डिवाइडर से टकराई तेज रफ्तार कार पांच लोगों की मौत

बठिंडा, 17 जनवरी (एजेंसियां)। बठिंडा जिले में शनिवार को एक भीषण सड़क हादसे में गुजरात की महिला पुलिस कर्मी अमिता सहित पांच युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। सभी एक फॉर्च्यूनर गाड़ी में सवार होकर बठिंडा से गुजरात की ओर जा रहे थे। गुजरात पुलिस में तैनात महिला पुलिस कर्मी अमिता अपने चार दोस्तों- अंकुश, भरत, चेतन और सतीश के साथ फॉर्च्यूनर गाड़ी में यात्रा कर रही थीं। जैसे ही वाहन गांव गुरथड़ी के समीप मैन हाईवे पर पहुंचा, गाड़ी तेज रफ्तार होने के कारण अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और पांचों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रैफिक को नियंत्रित किया गया। एसपी सिटी नरिंदर सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि गाड़ी सवार सभी पांच लोगों की मौत हो चुकी है।

संदिग्ध हालात में घूमते तीन युवक हिरासत में, एक का फोन पाकिस्तान के नंबरों से रहा सक्रिय

कठुआ, 17 जनवरी (एजेंसियां)। राजबाग पुलिस की ओर से जखोल इलाके से हिरासत में लिए गए तीन युवकों से पूछताछ में अहम खुलासा हुआ है। इसमें सामने आया है कि एक युवक की पाकिस्तान के नंबरों पर बात हुई थी। जखोल से सटे संगानू में दो संदिग्ध देखे जाने के बाद सुरक्षाबल लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। इसी बीच सुरक्षा एजेंसियों ने तीन युवकों को संदिग्ध परिस्थितियों में हिरासत में लिया गया था। इनमें दो युवक कश्मीर के अनंतनाग जिले के जबकि एक स्थानीय बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार प्राथमिक जांच में एक युवक के मोबाइल फोन से तीन देशों के नंबर मिले हैं। उसकी पाकिस्तान के नंबरों पर कई बार बात भी हुई है। सेना ने तीनों को संदिग्ध हालात में घूमते हुए पकड़ा और बाद में पुलिस के हवाले कर दिया। सभी के मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए हैं।

फोन में विदेशी नंबर मिले हैं जिसे जांच के लिए साइबर लैब में भेजा गया है। सूत्रों ने बताया कि काजीगुंड के मोहम्मद आरिफ साथी बशारत अहमद के साथ ढोरसी आया था। यहां रिश्तेदार साजिद हुसैन के घर ठहरा। वीरवार को सुरक्षाबलों ने तीनों को संदिग्ध परिस्थितियों में घूमते पाया। एक ने पूछताछ में बताया कि उसे पाकिस्तान के नंबरों से फोन आते थे और बरगलाने का प्रयास करते रहे। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। राजबाग थाना प्रभारी अजय सिंह चिब ने बताया कि जखोल से पकड़े युवाओं से पूछताछ की गई है। उन पर निगरानी रखी जा रही है।

विश्व का सबसे विशाल शिवलिंग केसरिया के विराट रामायण मंदिर पहुंचा

रामनाथ कोविंद ने दी बधाई

पटना, 17 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को एक वीडियो संदेश जारी कर बिहार के चंपारण के केसरिया स्थित विराट रामायण मंदिर परिसर तक विश्व के सबसे विशाल शिवलिंग के पहुंचने पर हर्ष और गर्व व्यक्त किया है। उन्होंने इसे न केवल एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया, बल्कि भारत की आध्यात्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और सामूहिक संकल्प की शक्ति का अद्भुत प्रतीक भी करार दिया। पूर्व राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा, बहनों और भाइयों, यह मेरे लिए अत्यंत हर्ष और गर्व का विषय है कि विश्व का सबसे विशाल शिवलिंग चंपारण केसरिया स्थित विराट रामायण मंदिर परिसर तक सफलतापूर्वक पहुँच चुका है।

यह ऐतिहासिक उपलब्धि हमारी आध्यात्मिक आस्था का अद्भुत प्रतीक है, साथ ही यह हमारी सांस्कृतिक विरासत और सामूहिक संकल्प की शक्ति का भी स्मरण कराती है। इस अवसर पर स्वर्गीय आचार्य किशोर कुणाल को स्मरण करते हुए रामनाथ कोविंद ने कहा कि उन्हें आज भी याद है जब सायन कुणाल के पिता, स्वर्गीय आचार्य किशोर कुणाल ने इस भव्य प्रकल्प के बारे में उन्हें विस्तार से जानकारी दी थी। उन्होंने कहा कि आचार्य किशोर कुणाल का जो संकल्प था, वह आज साकार हो रहा है। वह आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन जहां भी होंगे, इस प्रकल्प को पूर्ण होते देखकर प्रसन्न हो रहे होंगे और इसके लिए अपना आशीर्वाद भी प्रदान कर रहे होंगे।

पूर्व राष्ट्रपति ने इस असाधारण उपलब्धि के लिए महावीर मंदिर न्यास के सचिव सायन कुणाल के कुशल नेतृत्व में कार्यरत पूरी टीम को हृदय से बधाई दी। उन्होंने 17 जनवरी को प्रस्तावित शास्त्र लिंग स्थापना, हवन एवं पीठ पूजन समारोह के सफल आयोजन के लिए भी अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

पूर्व राष्ट्रपति ने बिहार की जनता को विशेष रूप से बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि राज्य की आध्यात्मिक पहचान को वैश्विक पटल पर सुदृढ़ करेगी और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने 'धन्यवाद' और 'जय हिंद' कहा।

गुब्बारे ने ली मासूम की जान, फुलाते समय सांस नली में जाकर अटक गया

खुर्दा, 17 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के बेगुनिया ब्लॉक के निधिपुर गांव से एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। यहां चिप्स के पैकेट में मिले एक छोटे गुब्बारे की वजह से छह साल के मासूम बच्चे की जान चली गई। बता दें कि मृतक बच्चे की पहचान अभय पैकराय के बेटे तापस पैकराय के रूप में हुई है। परिवार के मुताबिक, तापस घर पर चिप्स खा रहा था। इसी दौरान उसे चिप्स के पैकेट के अंदर एक छोटा सा गुब्बारा मिला।

मासूम तापस ने उसे खिलौना समझकर मुंह से हवा भरने की कोशिश की, लेकिन तभी गुब्बारा अचानक उसके मुंह के रास्ते गले में फंस गया। वहीं गुब्बारा गले में अटकते ही बच्चे को सांस लेने में गंभीर दिक्कत होने लगी। इसके बाद घबराए परिजन उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने बच्चे के गले से गुब्बारा निकालने की पूरी कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली।

दिल्ली शराब घोटाला: केजरीवाल ने अवैध लाभ लिया इसका कोई सबूत नहीं, वकीलों ने कोर्ट में रखा पक्ष

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ आरोप तय करने की सुनवाई शनिवार को स्थगित हो गई। विशेष सीबीआई अदालत ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 7 फरवरी की तारीख तय की है। आज सुनवाई के दौरान अरविंद केजरीवाल की ओर से पेश वकीलों ने कोर्ट में जोरदार दलीलें पेश कीं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल के खिलाफ लगाए गए आरोप पूरी तरह बेबुनियाद हैं और इनके समर्थन में कोई ठोस सबूत मौजूद नहीं है। वकीलों ने दावा किया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने यह कभी साबित नहीं किया कि केजरीवाल ने किसी साउथ लॉबी से पैसे लेने की मांग की थी या कोई अवैध लाभ लिया था।

केजरीवाल के वकीलों का कहना था कि मुख्यमंत्री के तौर पर उन्होंने सिर्फ अपनी जिम्मेदारी निभाई और शराब नीति को पारदर्शी बनाने की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि केजरीवाल के खिलाफ दाखिल की गई चार्जशीट में कोई नया या ठोस सबूत नहीं है। यह महज पिछली चार्जशीट की कट एंड पेस्ट कॉपी है, जिसमें कुछ भी नया नहीं जोड़ा गया। इस आधार पर उन्होंने मांग की कि केजरीवाल के खिलाफ आरोप तय नहीं किए जाने चाहिए।

इस मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ आरोप तय करने को लेकर दोनों पक्षों की दलीलें पूरी हो चुकी हैं। कोर्ट अब इस पर फैसला सुना सकता है। हालांकि केजरीवाल के मामले में सुनवाई अभी लंबित है और अगली तारीख पर आगे की कार्यवाही होगी।

दिल्ली शराब नीति घोटाले का यह मामला साल 2022 से चल रहा है। सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) दोनों ही एजेंसियां इसकी जांच कर रही हैं। इस घोटाले में कई बड़े नाम शामिल बताए जा रहे हैं और कई लोग पहले ही जेल में हैं। केजरीवाल इस मामले में जमानत पर बाहर हैं और नियमित रूप से कोर्ट में पेश हो रहे हैं।

आसिया अंद्राबी समेत तीन दोषियों की सजा पर सुनवाई टली, 2 फरवरी को अगली तारीख

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। कश्मीरी अलगाववादी नेता और प्रतिबंधित संगठन दुख्तरान-ए-मिल्लत (डीईएम) की प्रमुख आसिया अंद्राबी समेत दो अन्य दोषियों की सजा पर दिल्ली की एनआईए कोर्ट में शनिवार को सुनवाई टल गई। इस मामले में अब 2 फरवरी को अगली सुनवाई होगी। एनआईए कोर्ट ने आसिया अंद्राबी को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम- यूएपीए के तहत दोषी ठहराया है। अदालत ने उनके साथ उनकी दो सहयोगियों सोफी फहमिदा और नाहिदा नसरीन को भी दोषी करार दिया है। कोर्ट ने तीनों को यूएपीए की धारा 18 (आतंकी साजिश) और धारा 38 (आतंकवादी संगठन की सदस्यता हासिल करने का अपराध) के तहत दोषी माना है।

एनआईए ने आसिया अंद्राबी पर देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने, आतंकी संगठन को संचालित करने और आतंकवादी गतिविधियों के लिए साजिश रचने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। जांच एजेंसी का कहना है कि आरोपी अलगाववादी एजेंडे को आगे बढ़ाने और आतंकी नेटवर्क को समर्थन देने में संलिप्त थे। गौरतलब है कि साल 2018 में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने आसिया अंद्राबी को इस मामले में गिरफ्तार किया था। वह कश्मीर की पहली महिला अलगाववादी नेता मानी जाती है और उसने 1987 में दुख्तरान-ए-मिल्लत नाम का संगठन बनाया था।

यह संगठन हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के महिला विंग के तौर पर काम करता था। इसका मकसद कश्मीर में अलगाववादी विचार फैलाना और महिलाओं को इसमें सक्रिय करना था। बाद में भारत सरकार ने इसे प्रतिबंधित कर दिया। बताया जाता है कि पाकिस्तान का कुख्यात आतंकी हाफिज सईद भी आसिया अंद्राबी को अपनी मुंहबोली बहन मानता है। इससे पहले, एनआईए कोर्ट ने बुधवार को कश्मीरी अलगाववादी नेता आसिया अंद्राबी और उनकी दो सहयोगियों को दोषी ठहराया था।

विजेंद्र गुप्ता बोले- एफएसएल की रिपोर्ट आई सदन की रिकॉर्डिंग में कोई छेड़छाड़ नहीं

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को कहा कि विपक्ष की नेता आतिशी के सिख गुरुओं का अपमान करने वाले कथित बयानों से जुड़े वीडियो की सच्चाई पर फोरेंसिक साइंस लैब की रिपोर्ट में क्लिप को ओरिजिनल और बिना किसी छेड़छाड़ के बताया गया है। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा, 'जिस सदन की वीडियो के ऊपर प्रश्न उठाए गए, विपक्ष की मांग पर उस सदन की रिकॉर्डिंग को फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी यानी एफएलएल को भेजा गया था और एफएलएल की रिपोर्ट आ गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जो ऑडियो-वीडियो है वह एक ही है। उसमें किसी प्रकार की छेड़खानी नहीं की गई है। सदस्यों के समक्ष जब मैंने उस दिन दोनों पक्षों को अपने कमरे में बुलाया था।

वहां पर विपक्ष की तरफ से यह मांग की गई कि इसकी फोरेंसिक जांच होनी चाहिए। सत्ता रूढ़ दल ने भी इस मांग पर अपनी मुहर लगा दी थी। जब जांच के लिए इसे भेजा गया तो अचानक 9 तारीख को ये खबर आती है कि पंजाब सरकार ने पहले ही इसकी जांच करवा ली, रिपोर्ट भी आ गई और एफआईआर भी दर्ज कर ली गई। यह जो नाटकीय घटनाक्रम रहा है, आज उसका दूध का दूध-पानी का पानी हो गया है।'

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा, 'मैं पंजाब सरकार के फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी की भी सीबीआई जांच करवाऊंगा।' उन्होंने आगे कहा, 'शब्दशः 'गुरु' शब्द का इस्तेमाल हुआ है और वो वीडियो में पाया गया है। जो भी घटनाक्रम पंजाब में हो रहा है, उस पूरे घटनाक्रम पर हम निश्चित रूप से सीबीआई की जांच करवाएंगे।

इससे पहले आम आदमी पार्टी शासित पंजाब में पुलिस ने दावा किया था कि उनकी फोरेंसिक जांच में पता चला है कि वीडियो 'छेड़छाड़ किया हुआ' था। इसके बाद दिल्ली विधानसभा में आम आदमी पार्टी के चीफ व्हिप संजीव झा ने मांग की कि स्पीकर गुप्ता मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ सोशल मीडिया पर क्लिप शेयर करने के लिए विशेषाधिकार हनन का मामला चलाएं।

'मैं वापस आना चाहती हूं यहां हालात अच्छे नहीं हैं'; पाक में फंसी सरबजीत कौर ने एक्स-हसबैंड से लगाई गुहार

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय महिला सरबजीत कौर पिछले साल नवंबर महीने में सिख तीर्थयात्रा के लिए पाकिस्तान गई थीं। लेकिन कौर तीर्थयात्रा के बाद पाकिस्तान से वापस नहीं लौटीं और बाद में खबर सामने आई कि उन्होंने वहां इस्लाम धर्म अपनाकर नासिर हुसैन नाम के शख्स से शादी कर ली है। सरबजीत कौर के नाम से सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट वायरल हो रहा है। इस पोस्ट में एक ऑडियो सामने आया है, जिसमें भारतीय महिला मदद की गुहार लगा रही है। अभी इस ऑडियो को प्रमाणित नहीं किया गया है।

सरबजीत कौर नाम की एक भारतीय महिला की आवाज ऑडियो क्लिप में सुनाई दे रही है। कौर ने जब इस्लाम धर्म अपनाकर पाकिस्तानी व्यक्ति से शादी की थी, तब वे सुर्खियों में आई थीं। वहीं इस क्लिप के वायरल होने से उनका मामला फिर से चर्चा में आ गया है। सरबजीत कौर इस ऑडियो क्लिप में कथित तौर पर भारत में अपने एक्स-हसबैंड से बात कर रही हैं और उनसे उन्हें वापस घर लाने की गुहार लगा रही हैं, साथ ही दावा कर रही हैं कि पाकिस्तान में उन्हें परेशान किया जा रहा है। इस क्लिप में कौर को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि पाकिस्तान में हालात अच्छे नहीं हैं, क्योंकि उनका पति और उनका परिवार उन्हें परेशान कर रहा है। उन्होंने कहा कि वह भारत लौटना चाहती हैं और अपने पति से वादा करने को कहा कि लौटने पर वह उन्हें किसी तरह का कष्ट नहीं पहुंचाएंगी। पंजाब के कपूरथला जिले के अमानिपुर गांव की निवासी 48 वर्षीय सिख महिला, गुरु नानक जयंती समारोह में शामिल होने के लिए पिछले साल नवंबर में भारत से वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान में प्रवेश करने वाले 2,000 सिख तीर्थयात्रियों में शामिल थीं।

राहुल गांधी ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की

सीएम मोहन यादव बोले- ये लाशों पर राजनीति है, जनता सब जानती है

इंदौर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आज मध्य प्रदेश के इंदौर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने भागीरथपुरा इलाके में पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और बॉम्बे हॉस्पिटल में भी मरीजों से मिले। गौरतलब है कि इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से कई लोगों की मौत हुई थी। भागीरथपुरा इलाके में पीड़ित परिवारों से मुलाकात करने के बाद राहुल गांधी ने कहा, जो पीड़ित परिवार हैं, उनसे मैं अभी मिला हूं। उनके परिवार में लोगों की डेथ हुई है। लोगों को डराया जा रहा है। सारे के सारे परिवार पानी पीने के बाद प्रभावित हुए हैं। इंदौर में साफ पानी नहीं मिल सकता है, पानी पीकर लोग मरते हैं।

राहुल ने कहा, यह है अर्बन मॉडल, यह सिर्फ इंदौर में नहीं है, यह अलग-अलग शहरों में हो रहा है, जो सरकार की जिम्मेदारी है साफ पानी, यह सब जिम्मेदारी सरकार नहीं निभा रही है। यहां पर जिन लोगों ने ये करवाया है, उसमें सरकार में कोई तो जिम्मेदार होगा । कोई ना कोई जिम्मेदारी सरकार को लेना चाहिए। राहुल ने कहा, आज भी यहां पर साफ पानी नहीं है, मीडिया का ध्यान यहां है, देश का ध्यान यहां है, इसलिए यहां यह चल रहा है। जैसे ही ध्यान हटेगा, यहां से वापस वही हालत हो जाएंगे। यह राजनीति नहीं है। यहां पर मैं विपक्ष का नेता हूं। लोगों की मौत हुई है। लोगों को साफ पानी नहीं मिले तो मदद करने आया हूं। राहुल ने कहा, मैं राजनीति करने नहीं आया हूं, विपक्ष का नेता हूं जिम्मेदारी निभाने आया हूं। मेरी जिम्मेदारी है लोगों को साफ पानी मिले और मैं दिलाकर रहूंगा।

राहुल गांधी के इंदौर दौरे से पहले सीएम मोहन यादव का बयान सामने आया। मोहन यादव ने कहा, राहुल गांधी का भागीरथपुरा आना लाशों पर राजनीति है, यह जनता सब जानती है। राहुल गांधी को भागीरथपुरा में हुई घटना के प्रति कोई सहानुभूति नहीं है। 15 दिन हो गए, आज इस मुद्दे को उठाने का हक नहीं है। मोहन यादव ने कहा, हमने भागीरथपुरा घटना के बाद घायलों की बीमारी का इलाज कराया, जवाबदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की और एएसआई को सस्पेंड किया। राहुल गांधी को विपक्ष का रोल करना हो करें, वह हिमाचल जाएं, कर्नाटक जाएं, जहां-जहां उनकी सरकारे हैं।

कर्नाटक में 2 महीने पहले लोग मारे गए, राहुल गांधी कर्नाटक जाएं, वहां धरना दें। मोहन यादव ने कहा, कांग्रेस लगातार मध्य प्रदेश में सत्ता से बाहर है इसलिए वह (राहुल) अपना आधार ढूंढने आ रहे हैं। उनको भागीरथपुरा में हुई घटना के प्रति कोई सहानुभूति भी नहीं है। बड़े दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ रहा है कि जब सब कुछ सामान्य हो गया, तब राहुल गांधी को समय मिला। आज 15 दिन हो गए, आज राहुल गांधी को इस मुद्दे को उठाने का क्या हक है। मोहन यादव ने कहा, शुद्ध नर्मदा का पानी मिले, इसके लिए हमने कई प्रकार की अलग-अलग एसओपी जारी की हैं और कई प्रकार की जांच की।

कच्छ जिले में 4.1 तीव्रता का भूकंप आया दहशत में आए लोग

अहमदाबाद, 17 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के कच्छ जिले में शुक्रवार एवं शनिवार की दरमियानी रात 4.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। अधिकारियों ने हालांकि बताया कि इस दौरान किसी के हताहत होने की जानकारी अभी नहीं मिली है। गांधीनगर स्थित भूकंपीय अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) के अनुसार, भूकंप शुक्रवार देर रात एक बजकर 22 मिनट पर आया और इसका केंद्र जिले के खावड़ा से लगभग 55 किलोमीटर उत्तर-उत्तरपूर्व में था। जिला आपदा प्रबंधन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की कोई खबर नहीं है।

कच्छ जिला 'अत्यधिक जोखिम' वाले भूकंपीय क्षेत्र में स्थित है और यहां कम तीव्रता के भूकंप नियमित रूप से आते रहते हैं। साल 2001 में कच्छ में आया भूकंप पिछली दो शताब्दियों में भारत का तीसरा सबसे बड़ा और दूसरा सबसे विनाशकारी भूकंप था। कच्छ जिले के भुज में भचाउ के पास 26 जनवरी, 2001 को 7.6 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें 13,800 लोगों की मौत हो गई थी और बड़े पैमाने पर तबाही हुई थी।

'दस करोड़ दो वरना मिट्टी में मिला देंगे'

सिंगर बी प्राक को लॉरेंस गैंग से मिली धमकी

मोहाली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाबी सिंगर बी प्राक को धमकी मिली है। लॉरेंस गैंग ने सिंगर से दस करोड़ की फिरौती मांगी है। पंजाबी सिंगर दिलनूर को 6 जनवरी की दोपहर ऑडियो रिकॉर्डिंग भेजी गई है। इससे पहले सिंगर दिलनूर को ही पांच जनवरी को दो बार फोन भी आया था। लेकिन दिलनूर ने कॉल रिसीव नहीं की थी। छह जनवरी को भी विदेश के नंबर से फोन किया गया था।

एएनआई के अनुसार, पंजाबी गायक दिलनूर ने एसएसपी मोहाली के पास एक शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, उन्हें एक विदेशी नंबर से धमकी भरे कॉल आए हैं। कॉल करने वाले ने खुद को अरजू बिश्नोई बताया और गायक दिलनूर से कहा कि वह अपने दोस्त, बॉलीवुड और पंजाबी गायक बी प्राक के लिए 10 करोड़ रुपये की फिरौती का संदेश दें। कॉल करने वाले ने चेतावनी दी कि यदि एक हफ्ते के अंदर फिरौती की रकम नहीं दी गई तो बी प्राक को गंभीर नुकसान पहुंचाया जाएगा।

विदेशी नंबरों से आए कॉल और वॉइस मैसेज

दिलनूर ने अपनी शिकायत में बताया कि उन्हें 5 जनवरी को एक विदेशी नंबर से दो मिस्ड कॉल आए थे, लेकिन उन्होंने उनका जवाब नहीं दिया। अगले दिन, 6 जनवरी को, उन्हें एक दूसरे विदेशी नंबर से कॉल आया। जब दिलनूर ने फोन उठाया, तो उन्हें बातचीत संदिग्ध लगी और उन्होंने तुरंत कॉल काट दिया। कॉल कटने के कुछ ही देर बाद, उन्हें एक वॉइस मैसेज प्राप्त हुआ जिसमें फिरौती की धमकी दी गई थी। ऑडियो संदेश में, कॉल करने वाले ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि एक हफ्ते के भीतर 10 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया गया तो बी प्राक को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

पुलिस ने शुरू की जांच

इस धमकी भरे कॉल और फिरौती की मांग के बाद, पंजाबी सिंगर दिलनूर ने तुरंत पुलिस से संपर्क किया और मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई। एसएसपी मोहाली ने मामले की गंभीरता को समझते हुए तुरंत जांच के आदेश दे दिए हैं। पुलिस मामले की तह तक जाने के लिए कॉल के स्रोत और धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

सुविचार: वक्त सारे घाव भर देता है पर, सच तो यह है की हम दर्द के साथ जीना सिख लेते है!

सरकार ने शिक्षा और सिंचाई को सर्वोच्च प्राथमिकता दी : रेवंत रेड्डी

सीएम ने महबूबनगर में आईआईटी का शिलान्यास किया

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए शिक्षा और सिंचाई क्षेत्रों को सशक्त बनाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। महबूबनगर में आईआईटी महबूबनगर के शिलान्यास के बाद छात्रों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पहले ही जिले में शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना कर रही है और सिंचाई परियोजनाओं को पूरा कर रही है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि बुर्गुला रामकृष्ण राव के बाद महबूबनगर जिले से मुख्यमंत्री बनने में 75 वर्ष लगे हैं। उन्होंने बताया कि वे अचमपेट विधानसभा क्षेत्र के एक दूरदराज़ गांव से आए हैं और मात्र 17 वर्षों में मुख्यमंत्री बने। उन्होंने कहा कि अपने राजनीतिक जीवन में कभी मंत्री न रहते हुए भी मुख्यमंत्री बनाए जाने के लिए वे जनता के आभारी हैं। मुख्यमंत्री ने छात्रों से प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में तेज़ी से आगे बढ़ने के लिए भाषा कौशल विकसित करने का आह्वान किया और कहा कि शिक्षा सभी समस्याओं का समाधान है। उन्होंने कहा कि लगन, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प जीवन में सफलता की कुंजी हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार 200 करोड़ रुपये की लागत से यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही अवसर मिलते हैं और हर व्यक्ति का भविष्य शिक्षा पर निर्भर करता है।

जिले को सभी प्रकार के शैक्षणिक संस्थान स्वीकृत किए जा रहे हैं। समर्पण के बिना शिक्षा जीवन में बेकार है। मुख्यमंत्री ने समाज में सम्मान पाने के लिए शिक्षा के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि सिविल सेवा परीक्षाओं में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को वित्तीय सहायता दी जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि आईआईआईटी भवन का निर्माण एक वर्ष के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे जनता का भला करने के उद्देश्य से राज्य को आगे बढ़ा रहे हैं। भूमि की अनुपलब्धता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अब सरकार शिक्षा सुविधाओं को बेहतर बना रही है। उन्होंने बताया कि पहले भूमिहीन गरीबों, आदिवासियों और दलितों को भूमि वितरित की जाती थी, लेकिन अब गरीबों को आवासीय भूखंड देने के लिए भी भूमि उपलब्ध नहीं है।

सम्मक्का-सारलम्मा महा जातरा मेला 28 से 31 तक

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुलुगु जिले में आयोजित होने वाली मेडारम सम्मक्का–सारलम्मा महा जातरा इस वर्ष 28 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक संपन्न होगी। यह आदिवासी संस्कृति का सबसे बड़ा और विशिष्ट मेला है, जिसमें केवल तेलंगाना ही नहीं बल्कि पड़ोसी राज्यों आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओड़िशा से भी लाखों श्रद्धालु सम्मिलित होंगे। अनुमानित श्रद्धालुओं की संख्या 1 करोड़ से अधिक है। स्रोतों के अनुसार यह परंपरा 12वीं शताब्दी से चली आ रही है।

तेलंगाना ने डब्लूईएफ दावोस 2026 में 'ग्लोबल एआई प्रोविंग ग्राउंड' का अनावरण किया

रेवंत रेड्डी ने कहा, तेलंगाना ने नवाचार राजधानी के रूप में खुद को स्थापित किया है

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जब वैश्विक नेता डिजिटल अर्थव्यवस्था के भविष्य पर मंथन के लिए विश्व आर्थिक मंच (डब्लूईएफ) की वार्षिक बैठक में एकत्र हो रहे हैं, तब तेलंगाना सरकार वैश्विक प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक क्रांतिकारी पहल का अनावरण करने की तैयारी कर रही है। 20 जनवरी को, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में तेलंगाना को वैश्विक नेतृत्व की दिशा में ले जाने के लिए एक ऐतिहासिक कदम के रूप में, राज्य औपचारिक रूप से तेलंगाना एआई इनोवेशन हब (टीएआईएच) का शुभारंभ करेगा। एक उद्देश्यपूर्ण, स्वायत्त संस्था के रूप में स्थापित टीएआईएच, एआई को अपनाने, नवाचार और प्रभाव को तेज़ी से आगे बढ़ाने के लिए कार्य करेगी। यह उद्यमों और जनसंख्या-स्तर के समाधानों के लिए दुनिया का पहला ग्लोबल एआई प्रोविंग ग्राउंड होगा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा, तेलंगाना ने भारत के प्रौद्योगिकी केंद्र से आगे बढ़कर दुनिया की नवाचार राजधानी के रूप में खुद को स्थापित किया है। उन्होंने कहा, दावोस में हम केवल निवेश नहीं मांग रहे हैं, हम सहयोग की पेशकश कर रहे हैं। हम दुनिया को आमंत्रित कर रहे हैं कि वह तेलंगाना में एआई का भविष्य गढ़े-जहां नवाचार और प्रतिभा का संगम होता है।

जहां एआई पर अधिकांश चर्चाएं इसके सैद्धांतिक संभावनाओं तक सीमित रहती हैं, वहीं टीएआईएच को एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, चिप डिज़ाइन और अन्य अग्रणी तकनीकों जैसे डीप-टेक क्षेत्रों में नवाचार को गति देने वाले उत्प्रेरक के रूप में डिज़ाइन किया गया है। तेलंगाना की प्रगतिशील एआई रणनीति पर आधारित टीएआईएच, नीति-स्तर की मंशा से बड़े पैमाने पर क्रियान्वयन की दिशा में एक निर्णायक कदम है। टीएआईएच एक एकीकृत क्रियान्वयन इंजन के रूप में कार्य करता है- जो देश में पहली बार प्रतिभा, बुनियादी ढांचा, डेटा सेट, स्टार्टअप्स, उद्यम नवाचार, पूंजी, अनुप्रयुक्त अनुसंधान, उत्पाद डिज़ाइन व परीक्षण तथा अन्य क्षमता निर्माण पहलों को एक ही मंच पर एकत्र करता है।

जीएचएमसी चुनाव से पहले झीलों और नदियों की भूमि के लिए टीडीआर का आदेश

एमए एंड यूडी विभाग ने जारी किया जीओ एमएस नंबर 16

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी चुनावों से पहले, नगर विकास को लेकर एमए एंड यूडी विभाग ने शुक्रवार को कोर अर्बन रीजन (सीयूआरई) के अंतर्गत झीलों, नदियों और नालों के फुल टैंक लेवल (एफटीएल), मैक्सिमम फ्लड लेवल (एमएफएल) और बफर जोन से प्रभावित भूमि के लिए हस्तांतरणीय विकास अधिकार (टीडीआर) प्रदान करने संबंधी आदेश जारी किया है। विशेष मुख्य सचिव, कृषि एवं शहरी विकास विभाग, जयेश रंजन द्वारा जारी जीओ एमएस नंबर 16 के अनुसार, झीलों के एफटीएल और नदियों के एमएफएल में आने वाली भूमि के लिए, सरेंडर किए गए क्षेत्र के निर्मित क्षेत्र के 200 प्रतिशत के बराबर टीडीआर (प्रति शेयर मूल्य निर्धारण) दिया जाएगा।

इसके अलावा, झीलों और नदियों के बफर जोन में आने वाली भूमि के लिए, सरेंडर किए गए क्षेत्र के निर्मित क्षेत्र के 300 प्रतिशत के बराबर टीडीआर का मुआवजा प्रदान किया जाएगा। आदेश में यह भी कहा गया है कि बफर जोन के बाहर स्थित, लेकिन जल निकायों के संरक्षण और विकास के सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए आवश्यक भूमि के लिए सड़क चौड़ीकरण के समान ही, सरेंडर किए गए क्षेत्र के निर्मित क्षेत्र के 400 प्रतिशत के बराबर टीडीआर प्रदान किया जाएगा। सरकारी आदेश में निजी भूमि (जो राजस्व अभिलेखों में नाले के रूप में दर्ज नहीं है) पर किए गए नाले के चौड़ीकरण और विकास कार्यों के लिए भी वही नियम लागू किया गया है। इसमें सरेंडर की गई भूमि के निर्मित क्षेत्र के 400 प्रतिशत के बराबर टीडीआर (किराया वापसी दर के आधार पर) प्रदान किया जाएगा। इस आदेश से झीलों, नदियों और नालों के आसपास की भूमि के संरक्षण और विकास में निजी और सार्वजनिक दोनों हितों को संतुलित करने का प्रयास किया गया है।

सोशल मीडिया पर फर्जी लकी ड्रॉ से सावधान रहने की अपील

धोखाधड़ी में शामिल इन्फ्लुएंसर्स पर होगी सख्त कार्रवाई

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने शनिवार को जनता को कुछ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स द्वारा प्रचारित की जा रही धोखाधड़ी वाली लकी ड्रॉ योजनाओं के प्रति सतर्क किया। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग आकर्षक वादों और लुभावनी रीलों के जरिए आम नागरिकों को ठगने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस आयुक्त ने सोशल मीडिया पर जारी अपने संदेश में कहा कि कुछ इन्फ्लुएंसर कार, बाइक, प्लॉट और महंगे गैजेट्स जीतने का लालच देकर लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। ये लोग सुनियोजित तरीके से आकर्षक वीडियो और प्रचार सामग्री का इस्तेमाल कर वित्तीय धोखाधड़ी को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सट्टेबाजी ऐप्स के प्रचार पर कड़ी निगरानी और कार्रवाई के बाद अब कुछ लोग लकी ड्रॉ के नाम पर नई-नई तरकीबें अपनाकर भोले-भाले नागरिकों की उम्मीदों का फायदा उठा रहे हैं। इस तरह की योजनाओं के पीछे ठगी का संगठित नेटवर्क काम कर रहा है। सज्जनार ने स्पष्ट चेतावनी दी कि इस तरह की धोखाधड़ी में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह सेलिब्रिटी हो या सोशल मीडिया पर लोकप्रिय इन्फ्लुएंसर। उन्होंने कहा कि कानून सभी के लिए समान है और प्रभाव या प्रसिद्धि के आधार पर किसी को छूट नहीं दी जाएगी।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, K LATHA, M/O: SEP/AA KARNEWAR SRAVAN, R/o: HOUSE NO.1-1-12/10, SRI RAM COLONY, ADILABAD , TELANGANA- 504001 have changed my name from K LATHA to KARNEWAR LATHA and my DOB is 01-01-1978 vide Affidavit dt.16-01-2026.

I , No.14649294W, Hav, Maruti Tarase,R/o, Dist: Vijayapura, Karnataka, changed my Mother's name from Shantabai to Shantabai Rajaram Tarase, vide Affidavit No. 284345 dt. 16.01.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No.14649294W, Hav, Maruti Tarase, R/o, Dist: Vijayapura, Karnataka, changed my Father's name from Raja Ram to Rajaram Maruti Tarase, vide Affidavit No.284347 dt. 16.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No 14647415N, Hav, Rajkumar, R/o, Dist: Hanumangarh, Rajasthan, changed my Mother's name from Shyar Davi to Shayar Devi vide Affidavit No 284335 dt. 16.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No.14647563Y, NK, Charan Singh, R /o, Dist: Jhunjhunu, Rajasthan, changed my Son's name from Ishant to Ishant Repswal , vide Affidavit No. 284339 dt. 16.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14680236N, Hav, Rajeev Kumar Pandey, R/o, Dist: Satna, Madhya Pradesh, changed my Daughter's name from Jahnvi Pandey to Jahanvi Pandey vide Affidavit No. 284332 dt. 26.01.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Kusum Kali Pandey, Mother of No. 14680236 N, Hav, Rajeev Kumar Pandey, R /o, Dist: Satna, Madhya Pradesh, changed my Mother's name from Kusum Kali Pandey to Kusma Pandey vide Affidavit No. 284333 dt. 16.01.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I , No.14641299A, Hav, Ashok Kumar, R/o, Dist: Samastipur, Bihar, changed my Mother's name from Arhuliya Devi to Arahuliya Devi vide Affidavit No.284341 dt. 16.01.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14649228N, Hav, Ramanjulu S, R/o, Dist : Chittoor,A P, changed my Father's name from Sudumu Krishnappa to Sadum Krishnappa, vide Affidavit No.284343 dt.16.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

एआर रहमान विवाद पर मंत्री मोहम्मद जमा खान का बयान, कहा- प्रतिभा को कोई रोक नहीं सकता

पटना, 17 जनवरी (एजेंसियां)। प्रसिद्ध गायक और ऑस्कर विजेता एआर रहमान के हालिया बयान के बाद देशभर में चर्चा तेज हो गई है। एक इंटरव्यू में एआर रहमान ने कहा था कि पिछले कुछ वर्षों में उन्हें बॉलीवुड में पहले की तुलना में कम काम मिला है। उन्होंने यह भी कहा कि सत्ता में आए बदलाव का असर रचनात्मक माहौल पर सकारात्मक नहीं रहा। रहमान के इस बयान के बाद फिल्म इंडस्ट्री से लेकर राजनीतिक गलियारों तक बहस शुरू हो गई है।

इसी मुद्दे पर बिहार के मंत्री मोहम्मद जमा खान ने पटना में आईएएनएस से बातचीत की। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि किसी भी प्रतिभा को दबाया नहीं जा सकता है। मंत्री जमा खान ने कहा कि भारत ऐसा देश है, जहां सभी समुदायों के लोग मिल-जुलकर आगे बढ़ते हैं। यहां किसी को उसके धर्म या पहचान के आधार पर रोका नहीं जा सकता है।

सच्ची प्रतिभा खुद बना लेती है अपना रास्ता- जमा खान

मोहम्मद जमा खान ने कहा कि जो व्यक्ति मेहनती होता है, जिसके पास साफ योजना, दूरदृष्टि, जुनून और अपने काम के प्रति समर्पण होता है, उसे कोई ताकत पीछे नहीं कर सकती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सच्ची प्रतिभा अपना रास्ता खुद बना लेती है और उसे दबाने की कोशिश कभी सफल नहीं होती है। उन्होंने यह भी कहा कि कला, संगीत और संस्कृति का कोई धर्म नहीं होता है। इन्हें केवल प्रतिभा और मेहनत के आधार पर देखा जाना चाहिए। मंत्री के अनुसार, देश में ऐसा माहौल है जहां हर वर्ग और हर समुदाय के लोगों को आगे बढ़ने के अवसर मिलते हैं।

बीजेपी-आरएसएस पर उपेन्द्र कुशवाहा का बड़ा बयान

बोले– हम उनकी विचारधारा से सहमत नहीं

पटना, 17 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद उपेन्द्र कुशवाहा ने भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को लेकर बड़ा और साफ बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी और वे स्वयं बीजेपी-आरएसएस की वैचारिक सोच से सहमत नहीं हैं। उनके इस बयान के बाद बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है और राजनीतिक गलियारों में इसे कई मायनों में अहम माना जा रहा है। उपेन्द्र कुशवाहा ने कहा कि लोकतंत्र में हर दल और संगठन को अपनी विचारधारा रखने का अधिकार है, लेकिन राष्ट्रीय लोक मोर्चा की सोच बीजेपी-आरएसएस की वैचारिक दिशा से मेल नहीं खाती।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनकी राजनीति सामाजिक न्याय, समानता और समावेशी विकास पर आधारित है, जबकि बीजेपी-आरएसएस की विचारधारा इससे अलग दिशा में जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीति में गठबंधन केवल सत्ता के लिए नहीं, बल्कि विचार और सिद्धांतों के आधार पर होना चाहिए। अगर विचारधाराओं में बुनियादी अंतर हो, तो साथ चलना कठिन हो जाता है। कुशवाहा ने यह संकेत भी दिया कि आने वाले समय में उनकी पार्टी अपने राजनीतिक फैसले पूरी तरह से स्वतंत्र रूप से लेगी। उपेन्द्र कुशवाहा ने जातिगत जनगणना, आरक्षण और पिछड़े-अतिपिछड़े वर्गों के अधिकारों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इन सवालों पर उनकी पार्टी का रुख बिल्कुल स्पष्ट है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था में कमजोर वर्गों के मुद्दों को अक्सर नजरअंदाज किया जाता है, जिसे राष्ट्रीय लोक मोर्चा किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करेगा। उनके इस बयान को आगामी चुनावी समीकरणों से जोड़कर देखा जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कुशवाहा का यह बयान भाजपा-नेतृत्व वाले गठबंधन से दूरी का संकेत भी हो सकता है। इससे बिहार की सियासत में नए समीकरण बनने की संभावना बढ़ गई है। बयान के बाद विपक्षी दलों ने जहां इसे साहसिक कदम बताया है, वहीं भाजपा समर्थक खेमे में इसे लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुल मिलाकर उपेन्द्र कुशवाहा का यह बयान बिहार की राजनीति में नई बहस और चर्चा को जन्म देता नजर आ रहा है।

सांड को बचाने के चक्कर में पटरी से उतरी मालगाड़ी

बदायूं, 17 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में रात एक सांड को बचाने की कोशिश में बड़ा रेल हादसा हो गया। उझानी कोतवाली क्षेत्र के बितरोई रेलवे स्टेशन के पास बरेली से कासगंज जा रही एक मालगाड़ी का डिब्बा पटरी से उतर गया। इस घटना के बाद बरेली-बदायूं-कासगंज रेलखंड पर ट्रेनों का संचालन पूरी तरह ठप है। मिली जानकारी के मुताबिक, मालगाड़ी बरेली से कासगंज की ओर जा रही थी।

जैसे ही ट्रेन उझानी स्टेशन से निकलकर बितरोई के पास पहुंची, अचानक ट्रैक पर एक सांड आ गया। सांड को बचाने के लिए लोको पायलट (ड्राइवर) ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए। ब्रेक के जबरदस्त दबाव के कारण मालगाड़ी का एक डिब्बा पटरी से उतर गया और तेज आवाज के साथ ट्रैक से बाहर हो गया। हादसे के बाद सुरक्षा कारणों से पूरे रूट पर रेल यातायात रोक दिया गया है, जिससे यात्री परेशान हैं। राम नगर-मुंबई बांद्रा एक्सप्रेस (22976): इस ट्रेन को बदायूं के बामियान स्टेशन पर रोकना पड़ा। आगरा फोर्ट-रामनगर एक्सप्रेस (15055): यह ट्रेन भी इस रूट के बाधित होने से सीधे तौर पर प्रभावित हुई है। कई अन्य मालगाड़ियां और पैसेंजर ट्रेनें अलग-अलग स्टेशनों पर खड़ी की गई हैं।

घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी, आरपीएफ और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। आरपीएफ के एसएचओ आरपी सिंह ने बताया कि इलाके में घना कोहरा होने के कारण दृश्यता बेहद कम है, जिससे ट्रैक मरम्मत कार्य में बाधा आ रही है। कासगंज और बरेली से बुलाई गई तकनीकी टीमें डिब्बे को हटाने और ट्रैक को दुरुस्त करने में जुटी हैं।

एआर रहमान के बयान से सियासी सुर गरम, बॉलीवुड से संसद तक छिड़ी बहस

लखनऊ, 17 जनवरी (एजेंसियां)। प्रसिद्ध संगीतकार और ऑस्कर विजेता एआर रहमान के एक हालिया इंटरव्यू के बाद सियासी विवाद खड़ा हो गया है। इंटरव्यू में रहमान ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में उन्हें बॉलीवुड में पहले के मुकाबले कम काम मिला है। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि सत्ता में बदलाव का असर रचनात्मक माहौल पर सकारात्मक नहीं रहा। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है।

जानकारों के अनुसार, एआर रहमान के बयान ने न सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री बल्कि राजनीतिक गलियारों में भी बहस छेड़ दी है। रहमान के बयान को विपक्षी दलों का समर्थन मिल रहा है, जबकि बीजेपी के नेताओं ने इस पर सवाल उठाए हैं। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रहमान के समर्थन में बयान दिया। उन्होंने कहा कि वह एआर रहमान के बहुत बड़े प्रशंसक रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि रहमान के गाने रिलीज से पहले ही म्यूजिक चार्ट में टॉप पर आ जाते थे। उन्होंने कहा कि एआर रहमान देश और दुनिया के बड़े कलाकार हैं और कला, संगीत व संस्कृति को धर्म या भेदभाव के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। वहीं बिहार सरकार के मंत्री दिलीप जयसवाल ने रहमान के बयान को खारिज करते हुए कहा कि कुछ लोगों के दिमाग में बेवजह हिंदू-मुस्लिम की बातें घूमती रहती हैं।

उन्होंने कहा कि देश में ऐसी कोई स्थिति नहीं है और यहां सबका साथ, सबका विकास की नीति पर काम हो रहा है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने इस मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि अगर ऑस्कर विजेता कलाकार यह कह रहा है कि उसे काम नहीं मिल रहा, तो यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि अगर किसी को धर्म के कारण काम से वंचित होना पड़ रहा है, तो यह पूरे देश के लिए गंभीर सवाल खड़ा करता है।

मधेपुरा-वीरपुर हाईवे पर भीषण सड़क हादसा ट्रक-कार की टक्कर में 4 लोगों की मौत

मधेपुरा, 17 जनवरी (एजेंसियां)। जिला मुख्यालय में एनएच 106 पर शनिवार अलसुबह हाईवा और कार में आमने-सामने की टक्कर हो गई, जिसमें कार सवार चार लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। चारों मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लाया गया है।

मधेपुरा-वीरपुर एनएच 106 पर बीएन मंडल यूनिवर्सिटी से समीप पावर ग्रिड के ठीक सामने यह दुर्घटना हुई है। मौके से हाईवा चालक फरार बताये जा रहे हैं। कार पर मस्जिद चौक लिखा हुआ है। कार का आधा हिस्सा हाईवा के अंदर चला गया था, जिस कारण कार सवार चारों युवकों का चिथड़ा उड़ चुका था। सदर थानाध्यक्ष विमलेंदु कुमार के अनुसार शव को पोस्टमार्टम के लिए लाया गया है।

नीतीश के बाद लालू को भारत रत्न देने की मांग

पटना में राजद कार्यालय के बाहर पोस्टर लगाया लिखा-लालू गरीबों के मसीहा और हमारे भगवान

पटना, 17 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की मांग होने के बाद अब राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को भारत रत्न देने की मांग उठने लगी है। पटना में राजद कार्यालय के बाहर बड़ा पोस्टर लगाकर भारत रत्न देने की मांग की गई है। इस पोस्टर में एक तरफ लालू प्रसाद यादव तो दूसरी तरफ भीमराव अंबेडकर की तस्वीर लगाई गई है। बीच में भारत रत्न की तस्वीर छापी गई है। यह पोस्ट आरजेडी के सचिव रणजीत रजक ने लगाई है। ऑलरेडी कार्यालय के बाहर लगे पोस्टर में लालू प्रसाद यादव को गरीबों के मसीहा और हमारे भगवान बताया गया है इस पोस्ट में लिखा गया है कि भारत सरकार से अपने आदरणीय नेता के लिए एक मांग रखी गई है सामाजिक न्याय के नेता और बिहार की आवाज पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को भारत रत्न से सम्मानित किया जाए।

लैंड फॉर जॉब मामले में घिरे हैं लालू यादव

लैंड फॉर जॉब मामले में कोर्ट के द्वारा चार्ज फ्रेम होने के बाद लालू प्रसाद यादव की मुश्किलें बढ़ गई है। पिछले दिनों दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान लैंड फॉर जॉब मामले में केस चलाने के लिए अनुमति दी साथी इस मामले में लालू प्रसाद यादव सहित राबड़ी देवी तेजस्वी यादव मिश्र भारती सहित पूरे परिवार पर चार फ्रेम किया गया।

सीएम नीतीश को भारत रत्न देने की मांग के बाद गरमाई थी सियासत

जदयू के पूर्व सांसद और सलाहकार केसी त्यागी ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर सीएम नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की मांग की थी। जिसके बाद काफी चर्चा का बाजार गर्म रहा। इस मांग के बाद जदयू ने इसे के सी त्यागी का व्यक्तिगत मांग बताया है और कहा गया कि यह पार्टी की मांग नहीं है।के सी त्यागी के जदयू की मांग नहीं बताए हुए पार्टी ने सफाई दी।

एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया डॉक्टरों ने किया क्रिटिकल ऑपरेशन

किशनगंज, 17 जनवरी (एजेंसियां)। किशनगंज के माता गुजरी मेडिकल कॉलेज में एक महिला ने एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया है। डॉक्टरों की विशेषज्ञ टीम ने जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया, जिसके बाद जच्चा और चारों नवजात पूरी तरह स्वस्थ हैं। महिला की पहचान जुली देवी के रूप में हुई है, जो टेढ़ागाछ प्रखंड की भोरहा पंचायत की निवासी हैं। जुली देवी के पहले से एक बेटा और एक बेटी है। अब चार और बच्चों के जन्म के बाद उनके घर में कुल छह बच्चे हो गए हैं। यह चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन डॉ. चांदनी सहगल के कुशल नेतृत्व में डॉक्टरों की एक विशेषज्ञ टीम द्वारा किया गया। ऑपरेशन के दौरान चिकित्सकों ने पूरी सतर्कता और दक्षता बरती, जिससे यह सफल हो सका।

चिकित्सकों के अनुसार, जन्म लेने वाले चारों बच्चों का वजन कम है, इसलिए उन्हें गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में रखा गया है। अस्पताल उनके स्वास्थ्य की देखभाल के लिए विशेष उपचार सेवाएं प्रदान कर रहा है। फिलहाल सभी नवजात चिकित्सकीय निगरानी में हैं और उनकी स्थिति संतोषजनक बताई जा रही है।

बच्चों के नाना ने इस सुखद क्षण पर खुशी व्यक्त करते हुए इसे ईश्वर का अनुपम उपहार बताया। परिवार ने डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की मेहनत व समर्पण को इस चमत्कार का श्रेय दिया है।

किशनगंज मेडिकल कॉलेज में हुए इस सफल ऑपरेशन ने न केवल परिवार में खुशी लाई है, बल्कि यह संस्थान की चिकित्सा क्षमता और डॉक्टरों की कार्यकुशलता का भी प्रमाण है। अस्पताल में एक ही समय में चार बच्चों के जन्म पर खुशी का माहौल था, और परिजनों ने डॉ. चांदनी सहगल व पूरी टीम को इस सफलता के लिए बधाई दी।

5 हजार की रिश्वत लेते पशुपालन विभाग का बाबू रंगेहाथ गिरफ्तार

बागपत, 17 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बागपत में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एंटीकरप्शन (विजिलेंस) टीम ने पशुपालन विभाग के एक बाबू को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। विजिलेंस मेरठ की टीम ने विकास भवन बागपत में तैनात बाबू अश्वनी कुमार को पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा। मामला बरनावा गांव निवासी बकरी पालक सतीश वाल्मीकि से जुड़ा है। पीड़ित ने पशुपालन विभाग की बकरी पालन योजना के तहत 49 हजार रुपये का अनुदान प्राप्त किया था। अनुदान मिलने के बाद उसने पूरी राशि से बकरियां खरीद लीं, लेकिन इसके बावजूद विभाग में तैनात बाबू अश्वनी कुमार द्वारा उससे रिश्वत की मांग की जाने लगी। पीड़ित के अनुसार, शुरुआत में बाबू ने 15 हजार रुपये की मांग की, बाद में रकम घटाकर 12 हजार रुपये कर दी गई।

नीट छात्रा मौत मामला: पप्पू यादव ने की सीबीआई जांच की मांग

बोले- 'पटना में बड़ा सेक्स रैकेट चल रहा'

पटना, 17 जनवरी (एजेंसियां)। सांसद पप्पू यादव ने नीट छात्रा की मौत के बाद सीबीआई जांच की मांग की है। उन्होंने गंभीर आरोप लगाए कि पटना में एक बड़ा सेक्स रैकेट चल रहा है, जिसमें लॉज, नेता और अधिकारी शामिल हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि वे पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हाईकोर्ट जाने के लिए भी तैयार हैं। सांसद पप्पू यादव ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि पिछले दिनों कई मंत्री और नेता जहानाबाद में मौजूद थे, लेकिन कोई भी पीड़ित परिवार के आंसू पोंछने के लिए नहीं गया। सभी नेता सियासत के गंदे खेल में लगते रहे हैं। यह सिर्फ हिंदू-मुसलमान की राजनीति करते हैं।

पप्पू यादव ने गंभीर आरोप लगाया कि छात्रा के साथ रेप हुआ था, जिसे बाद में एक निजी अस्पताल ने आरोपियों के साथ मिलकर मारा है। उन्होंने कहा, मेरी चिंता सिर्फ अपराध को लेकर नहीं है, बल्कि यह भी है कि इसके पीछे कौन है और कितने प्रभावशाली लोग इसमें शामिल हैं। गलत रिपोर्ट देने वाले डॉक्टर पर अभी तक एफआईआर क्यों नहीं हुई? उन्होंने स्थानीय पुलिस अधिकारियों पर पीड़ित परिवार के सदस्यों को धमकी देने का आरोप लगाया। पप्पू यादव ने कहा कि पुलिस अधिकारियों ने कथित तौर पर आरोपियों के साथ मिलकर परिवार को पैसे देकर चुप रहने के लिए कहा था।

कांग्रेस नेता ने कहा कि पटना में अनेकों लॉज में बड़ा सेक्स रैकेट चल रहा है, जिसमें नेता और अधिकारी शामिल हैं। कोई निगरानी या जवाबदेही नहीं है। छात्रा की मौत के बाद पप्पू यादव ने कहा कि आरोपी तमाम मंत्रालयों में घुसकर फाइलें चेक करता है, जिसके सबूत उनके पास हैं। उन्होंने कहा कि कई मंत्री और अधिकारी मामले में शामिल हैं। पप्पू यादव ने कहा कि मैं सीबीआई जांच की मांग करता हूं और अगर जरूरत पड़ी, तो न्याय दिलाने के लिए मैं हाईकोर्ट जाने को भी तैयार हूं।

संसद में मजबूत आवाज बने डॉ. आलोक कुमार सुमन, प्रदर्शन में चौथे स्थान के सांसद

गोपालगंज, 17 जनवरी (एजेंसियां)। गोपालगंज लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ आलोक कुमार सुमन ने संसदीय कार्यों के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर जिले और बिहार का नाम रोशन किया है। एसडीओटी संसद प्रदर्शन सूचकांक में उन्हें देशभर के सांसदों की सूची में चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। यह रैंकिंग संसद में उनकी सक्रियता, जिम्मेदार भूमिका और जनहित के मुद्दों पर लगातार हस्तक्षेप को दर्शाती है। संसद प्रदर्शन सूचकांक सांसदों के कामकाज का आकलन करने का एक महत्वपूर्ण पैमाना है।

इसमें सांसदों की उपस्थिति, प्रश्न पूछने की संख्या, संसद की बहसों में भागीदारी, संसदीय समितियों में योगदान और समग्र संसदीय सक्रियता जैसे बिंदुओं को आधार बनाया जाता है। इन सभी मानकों पर डॉ. आलोक कुमार सुमन का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा, जिसके चलते उन्हें यह प्रतिष्ठित स्थान मिला। डॉ. सुमन ने संसद के भीतर गोपालगंज सहित बिहार से जुड़े कई अहम मुद्दों को प्रमुखता से उठाया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय विकास से जुड़े सवालों को उन्होंने बार-बार सदन में रखा। विशेष रूप से ग्रामीण विकास, किसानों की समस्याएं, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर और सामाजिक समानता से जुड़े विषयों पर उनकी सक्रियता उल्लेखनीय रही है। सांसद की नियमित उपस्थिति और प्रश्नकाल में प्रभावी भागीदारी ने उन्हें अन्य सांसदों से अलग पहचान दिलाई है। संसद की विभिन्न समितियों में भी उनका योगदान सराहनीय माना जा रहा है।

जानकारों के अनुसार, देश के सैकड़ों सांसदों के बीच चौथा स्थान हासिल करना यह साबित करता है कि डॉ. सुमन केवल नाम मात्र के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि जनता की आवाज को संसद तक मजबूती से पहुंचाने वाले जनप्रतिनिधि हैं। इस उपलब्धि को लेकर गोपालगंज संसदीय क्षेत्र में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों, सामाजिक संगठनों और समर्थकों ने इसे पूरे जिले के लिए गर्व की बात बताया है। उनका कहना है कि सांसद की इस सक्रियता से क्षेत्र की समस्याएं राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक प्रभावी ढंग से उठती रहेंगी।

सोनू कश्यप की मौत कैसे हुई?

मंत्री नरेंद्र कश्यप ने पुलिस अधिकारियों के साथ की बैठक

मेरठ, 17 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मेरठ में सरधना के सोनू कश्यप हत्याकांड की जांच को सुलझाने के लिए भाजपा सरकार ने स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप को जिम्मेदारी सौंपी है। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने हाल ही में सोनू कश्यप के परिजनों से मुलाकात कर उनका दर्द सुना था। इसके बाद श उन्होंने मेरठ के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर पूरे मामले की जानकारी ली और परिजनों का पक्ष अधिकारियों के सामने रखा।

इस हत्याकांड में अब भी सबसे बड़ा सवाल यह बना हुआ है कि सोनू कश्यप की मौत आखिर कैसे हुई? पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, आरोपी नाबालिग थ्री-व्हीलर टेंपो चालक ने पहले सोनू कश्यप की पिटाई की, फिर उसकी हत्या कर शव को मोबिल ऑयल डालकर जला दिया।

मृतक के परिजनों का आरोप है कि सोनू कश्यप को जिंदा जलाया गया, और इस वारदात में नाबालिग आरोपी के अलावा अन्य लोग भी शामिल हैं। परिजनों का कहना है कि घटना के इतने दिन बीत जाने के बावजूद उन्हें अब तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं सौंपी गई, जिसके चलते सोनू कश्यप की मौत के असली कारण पर अभी भी रहस्य बना हुआ है।

मंत्री नरेंद्र कश्यप ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की जाए। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि जांच में इस हत्याकांड में किसी अन्य आरोपी की संलिप्तता सामने आती है, तो उसके खिलाफ भी कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट के माध्यम से मौत के वास्तविक कारणों को स्पष्ट किया जाएगा।

मंत्री ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना सरकार की प्राथमिकता है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। उधर इस मामले में विपक्षी दलों ने प्रदेश सरकार पर लीपापोती का आरोप लगाया है। यही नहीं पीड़ित परिवार से मिलने को लेकर स्थानीय पुलिस-प्रशासन और विपक्ष के नेताओं में नोंक झोंक भी हुई।

तो क्या अपनी मां को राज्यसभा भेजना चाहते हैं चिराग पासवान? पार्टी में असल में क्या चल रहा है

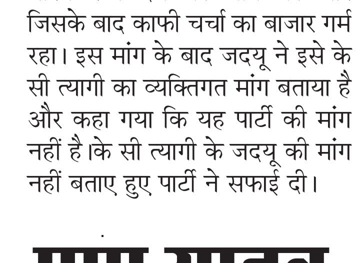

पटना, 17 जनवरी (एजेंसियां)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने संकेत दिया है कि बिहार में अप्रैल में खाली हो रही पांच राज्यसभा सीटों के लिए होने वाले आगामी चुनाव में पार्टी अध्यक्ष चिराग पासवान अपनी मां रीना पासवान के लिए, कोई दावा नहीं पेश करेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस मुद्दे पर चल रही चर्चा का वास्तविकता से कोई संबंध नहीं है। चिराग पासवान के पिता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान का निधन 2020 में हुआ था। उनके बाद से लगातार ऐसी अटकलबाजियां लगती रही हैं कि चिराग अपनी मां को राज्यसभा भेजने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, पार्टी के शीर्ष स्तर के सूत्रों का कहना है कि न तो पार्टी ने कभी इस तरह की मांग की, न ही इस दिशा में कोई दबाव बनाया गया। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि विधानसभा चुनाव से पहले सीटों के बंटवारे को लेकर जो बातचीत हुई थी, उसमें भी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने किसी राज्यसभा सीट की मांग नहीं रखी थी।

संभावना है कि बिहार की पांच सीटों के लिए मार्च में चुनाव होंगे। सूत्रों के मुताबिक, चिराग पासवान का मानना है कि राज्यसभा सीट की मांग करने के बजाय पार्टी कार्यकर्ताओं और विधायकों को बिहार सरकार में विभिन्न जिम्मेदारियों में समायोजित करना ज्यादा अहम है। इससे संगठन को मजबूत किया जा सकेगा और उसके विस्तार में मदद मिलेगी। एक सूत्र ने तो यह भी बताया कि रीना पासवान स्वयं भी इस प्रस्ताव के पक्ष में नहीं हैं। अप्रैल में जिन सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, उनमें आरजेडी के प्रेमचंद गुप्ता और ए. डी. सिंह, जेडीयू के हरिवंश और रामनाथ ठाकुर, तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा के उपेंद्र कुशवाहा शामिल हैं। इन सीटों के लिए मार्च में चुनाव होने की संभावना है।

3 दिन के गुजरात दौरे पर केजरीवाल

20 हजार वॉलिंटियर्स को दिलाएंगे शपथ, कार्यकर्ताओं में भरेंगे जोश

अहमदाबाद, 17 जनवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के गुजरात अध्यक्ष इसुदान गढ़वी ने बताया कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल 17 जनवरी से 19 जनवरी तक तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर रहेंगे। यह दौरा सिर्फ औपचारिक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं है, बल्कि गुजरात में आम आदमी पार्टी के लगातार मजबूत होते संगठन, बढ़ते जनसमर्थन और जमीनी स्तर पर तैयार हो रही नई राजनीतिक ताकत को दर्शाता है।

इसुदान गढ़वी ने कहा कि इस दौरे के दौरान अरविंद केजरीवाल पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलनों में शामिल होंगे और अहमदाबाद तथा वडोदरा में पार्टी पदाधिकारियों व बूथ स्तर के 20 हजार वॉलिंटियर्स को शपथ दिलाएंगे। यह आयोजन आम आदमी पार्टी की उस संगठनात्मक सोच को दिखाता है, जिसमें हर कार्यकर्ता को अहम भूमिका और साफ जिम्मेदारी दी जाती है। 18 जनवरी को अहमदाबाद में सेंट्रल जोन का बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित होगा। इसमें अहमदाबाद, गांधीनगर, खेड़ा और सुरेंद्रनगर लोकसभा क्षेत्रों के करीब 9 हजार से ज्यादा बूथ वॉलिंटियर्स शपथ लेंगे। यह सम्मेलन पार्टी के संगठन को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है, जहां बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को सीधे जोड़कर संगठन की रीढ़ को मजबूत किया जा रहा है।

वडोदरा में ईस्ट जोन का सम्मेलन

इसके अगले दिन, 19 जनवरी को वडोदरा में ईस्ट जोन का बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन होगा। इस सम्मेलन में आनंद, वडोदरा, दाहोद, छोटा उदेपुर और पंचमहल लोकसभा क्षेत्रों के 9 हजार से अधिक बूथ वॉलिंटियर्स को शपथ दिलाई जाएगी। इतनी बड़ी संख्या में बूथ वॉलिंटियर्स की भागीदारी यह साफ दिखाती है कि गुजरात में आम आदमी पार्टी की पकड़ लगातार गहरी हो रही है।

बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने की रणनीति

बूथ स्तर पर इस तरह के बड़े और सुव्यवस्थित कार्यक्रम आम आदमी पार्टी की कार्यशैली की पहचान बन चुके हैं। पार्टी मानती है कि मजबूत संगठन की शुरुआत बूथ से होती है, और जब बूथ मजबूत होता है, तो जनता की आवाज सीधे नेतृत्व तक पहुंचती है। यही वजह है कि पार्टी गुजरात में भी उसी मॉडल पर काम कर रही है, जिसने दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी को मजबूती दी। अरविंद केजरीवाल का कार्यकर्ताओं के साथ सीधा संवाद, उन्हें शपथ दिलाना और संगठन के अहमियत पर जोर देना, कार्यकर्ताओं में नया जोश और आत्मविश्वास भरने वाला है। यह संदेश साफ है कि पार्टी का नेतृत्व जमीनी कार्यकर्ताओं के साथ खड़ा है और बदलाव की इस लड़ाई में हर वॉलिंटियर को बराबर का भागीदार मानता है।

गुजरात में पार्टी की बढ़ती ताकत

गुजरात में आम आदमी पार्टी की यह बढ़ती ताकत अब सिर्फ चर्चाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि बूथ स्तर पर तैयार हो रही यह मजबूत टीम आने वाले समय में पार्टी की राजनीतिक मौजूदगी को और मजबूत करेगी। यह दौरा गुजरात में आम आदमी पार्टी के संगठनात्मक विस्तार और जनता से जुड़ाव की दिशा में एक अहम पड़ाव के रूप में देखा जा रहा है।

बिल्डर को नशा सप्लाई करने वाला पकड़ाया: युवतियों के साथ मिलकर करता था तस्करी; 15 ग्राम एमडी ड्रग जब्त

इंदौर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर की कनाडिया पुलिस ने शनिवार को भोपाल के बिल्डर अवाक को पकड़ा था। उसने बाबा का नाम कबूला था। जिसे पुलिस ने दो युवतियों के साथ पकड़ा है। आरोपियों से एमडी ड्रग जब्त हुई है। आरोपी नए लड़कों को फंसाकर उन्हें एमडी ड्रग की आदत डालते थे। एसीपी अमरेंद्र सिंह की टीम ने वैभव उर्फ अरुण उर्फ बाबा शर्मा, निवासी महालक्ष्मी नगर और उसके साथ कार में बैठी दो युवतियों रिशु झा और अलीशा मसीह को पकड़ा। आरोपियों के पास से करीब 15 ग्राम एमडी ड्रग मिली है। रिशु झा उर्फ नेहा, पुत्री अजय झा ने बताया कि वह मूलतः अंधेरी ईस्ट, मुंबई की रहने वाली है और आरोपी बाबा के साथ बड़े-बड़े क्लब और बार की पार्टियों में जाकर अवैध एमडी ड्रग्स की सप्लाई करती है।

आटे के पेड़े में गायों को दिया जहर, दो की मौत अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज

गुरदासपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। पुलिस थाना करतारपुर कारिडोर के अधीन आते गांव शाहपुर गोराया पत्ती झंग्गियां में शरारती तत्वों द्वारा आटे के पेड़े में कोई जहरीला पदार्थ देने से दो गायों की मौत हो गई जबकि एक गाय की हालत गंभीर बनी हुई है। गांव के पशु पालक गुरमीत सिंह ने बताया कि सुबह जब उन्होंने हवेली में जाकर पशुओं को देखा तो उनकी दो गाय मृत हालत में पाई गई जबकि एक की हालत गंभीर बनी हुई थी।

उन्होंने बताया कि गत दिनों उन्होंने कुछ गायें खरीदी थीं। इनमें से एक दुधारू गाय की कीमत 75 हजार रुपये और दूसरी गर्भवती गाय की कीमत 65 हजार रुपये थी। उन्होंने बताया कि किसी शरारती तत्वों ने आटे के पेड़े में कोई जहरीला पदार्थ देकर इन दोनों गायों को मौत के घाट उतारा है। उधर, थाना करतारपुर कारिडोर के एसएचओ गुरदर्शन सिंह ने घटना के बाद मौके का जायजा लिया है।

कबड्डी प्रमोटर की हत्या के मामले में बड़ा मोड़, पुलिस एनकाउंटर में शूटर की मौत

चंडीगढ़, 17 जनवरी (एजेंसियां)। कबड्डी प्रमोटर और खिलाड़ी कंवर दिग्विजय सिंह उर्फ राणा बालाचौरिया की हत्या में शामिल एक शूटर की पुलिस के साथ मुठभेड़ में मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, करन पाठक नाम का शूटर मोहाली में पुलिस की हिरासत से भागने की कोशिश कर रहा था। बता दें कि 30 वर्षीय राणा बालाचौरिया को पिछले साल 15 दिसंबर 2025 को मोहाली के सोहना इलाके में एक कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हत्या में शामिल शूटरों में से एक अमृतसर निवासी करन पाठक उर्फ करन डिफॉल्टर भी था, जो आज एनकाउंटर में ढेर हो गया।

करन डिफाल्टर और उसके साथी तरनदीप सिंह को कुछ दिन पहले पंजाब पुलिस की एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने गिरफ्तार किया था। इनके साथ पश्चिम बंगाल के हावड़ा से एक और साथी भी पकड़ा गया था। मोहाली के एसएसपी हरमनदीप सिंह हंस ने शनिवार को कहा कि करन पाठक पुलिस की क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की हिरासत में था। शुक्रवार रात को पाठक ने सीने में दर्द की शिकायत की। पुलिस उसे अस्पताल ले जा रही थी, लेकिन धुंध भरे मौसम की वजह से उनकी गाड़ी रात करीब 11:30 बजे एक रोड डिवाइडर से टकरा गई। इसी हादसे का फायदा उठाकर पाठक भाग निकला।

एसएसपी हंस ने आगे बताया कि पाठक के भागने के बाद पूरे जिले में उसकी तलाश शुरू कर दी गई। चंडीगढ़, रूपनगर और फतेहगढ़ साहिब की पुलिस को भी अलर्ट कर दिया गया। कई जगहों पर चेकपॉइंट लगाए गए ताकि आरोपी को जल्दी पकड़ा जा सके। शनिवार सुबह करीब 6:30 बजे मोहाली के खरार इलाके में एक पुलिस टीम ने पाठक को देखा। पुलिस ने उसे रुकने के लिए कहा, लेकिन वह भागने की कोशिश करने लगा। पाठक ने पुलिस पर 6 से 7 गोलियां चलाईं। जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिससे वह घायल हो गया।

हार के बाद ठाकरे बंधुओं की आई प्रतिक्रिया; मनसे प्रमुख बोले- महाराष्ट्र-मराठी पहचान के लिए संघर्ष

मुंबई, 17 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने बीएमसी चुनाव के बाद मराठी समाज और मराठी पहचान के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने कहा कि चाहे चुनाव में उम्मीद के मुताबिक सफलता न मिले, उनका संघर्ष मराठी भाषा, मराठी लोगों और समृद्ध महाराष्ट्र के लिए हमेशा जारी रहेगा। राज ठाकरे ने अपने संदेश में कहा सबसे पहले, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और शिवसेना के सभी निर्वाचित पार्षदों को हार्दिक बधाई। यह चुनाव आसान नहीं था। यह पैसों और सत्ता की ताकत के खिलाफ शिवशक्ति की जंग थी। फिर भी, हमारे कार्यकर्ताओं ने बेहतरीन संघर्ष किया। उनका यह योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।

उन्होंने मनसे की कमी को स्वीकार किया, लेकिन जोर देते हुए कहा कि चुनाव हारने का मतलब यह नहीं कि हिम्मत हार जाए। निर्वाचित पार्षद मराठी लोगों के हितों की रक्षा करेंगे और अगर मराठी समाज के खिलाफ कोई कार्रवाई होती है, तो उन्हें जवाब देंगे। राज ठाकरे ने आगे कहा हमारा संघर्ष मराठी लोगों, मराठी भाषा, मराठी पहचान और समृद्ध महाराष्ट्र के लिए है। यह संघर्ष ही हमारी असल पहचान है। जो भी गलत हुआ, जो अधूरा रह गया, उसे मिलकर हम सुधारेंगे और आगे की रणनीति बनाएंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि महाराष्ट्र में सत्ता में बैठे लोग और उनके समर्थक हमेशा मराठी लोगों को कमजोर करने की कोशिश करेंगे। ऐसे में मनसे और मराठी लोग एकजुट रहेंगे। उन्होंने संगठन और पार्टी को फिर से मजबूत करने का आह्वान किया। राज ठाकरे ने संदेश समाप्त करते हुए कहा चुनाव आते-जाते रहेंगे, लेकिन हमारा हर सांस मराठी के लिए है। चलिए फिर से काम शुरू करें और पार्टी को नई दिशा में ले जाएं।

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने बीएमसी चुनावों में हार के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया दी। पार्टी ने साफ संदेश दिया कि महाराष्ट्र में राजनीतिक लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है और यह तब तक जारी रहेगी जब तक मराठी समाज को उसका हक, अधिकार और सम्मान नहीं मिलता। शिवसेना (यूबीटी) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा 'यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है।।। यह तब तक चलती रहेगी जब तक मराठी व्यक्ति को उसका उचित सम्मान नहीं मिलता!'

900 किलो प्रतिबंधित विस्फोटक जब्त

पुलिस को देखते ही फरार हुए तीन आरोपी; सर्च ऑपरेशन जारी

नूंह, 17 जनवरी (एजेंसियां)। बिछौ थानार क्षेत्र के गांव बीसरु से पुलिस ने 900 किलो प्रतिबंधित विस्फोटक सामग्री बरामद की है। यहां बनी बीपीएल कालोनी के पास खेतों में बने टीनशेड से यह विस्फोटक सामग्री मिली है। छापेमारी करने पहुंची पुलिस टीम को देखकर मौके पर मौजूद तीन युवक फरार हो गए।

पुलिस ने तीन आरोपितों के विरूद्ध मामला दर्ज कर कार्रवाई करते हुए विस्फोटक सामग्री का नमूना जांच के लिए भेजा है। जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव बीसरु निवासी तीन भाई ईसा, इस्राइल और जुल्ली अपने खेतों में अवैध रूप से बारूद के पटाखे बनाकर बेच रहे हैं और उन्होंने पीएचसी के सामने स्थित बीपीएल कालोनी में एक टीन शेड में विस्फोटक सामग्री छिपा रखी है। सूचना को लेकर पुलिस ने तुरंत रेड टीम गठित की।

मौके पर पहुंचते ही पुलिस की सरकारी गाड़ी देखकर तीनों आरोपित खेतों की ओर भाग निकले, जो सरसों और गेहूं की फसल का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस ने जब टीन शेड की तलाशी ली तो अंदर से 18 प्लास्टिक कट्टे बरामद हुए। जिनमें हल्के पीले रंग की विस्फोटक सामग्री भरी हुई थी।

पुलिस ने जब्त की विस्फोटक सामग्री

प्रत्येक कट्टे का वजन करीब 50 किलो पाया गया। कुल मिलाकर मौके से 900 किलो विस्फोटक सामग्री बरामद की गई। पुलिस द्वारा सभी सामग्री को जब्त कर लिया गया है। वहीं उक्त तीनों आरोपितों के विरूद्ध विस्फोटक अधिनियम के तहत थाना बिछौर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने सीन आफ क्राइम टीम को भी मौके पर बुलाया है और फरार आरोपितों की तलाश की जा रही है।

गोवा में 2 रशियन महिलाओं की बेरहमी से हत्या, चाकू से रेता गला, मच गया हड़कंप, एक गिरफ्तार

पणजी, 17 जनवरी (एजेंसियां)। गोवा से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां 2 रशियन महिलाओं की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। मामले में पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। मामला उत्तरी गोवा के अरम्बोल और मोरजिम गांवों का है। यहां 14 और 15 जनवरी को रूस की दो महिलाओं की हत्या हुई। इस हत्याकांड के आरोप में एक रूसी व्यक्ति एलेक्सी लियोनोव को गिरफ्तार किया गया है। मांड्रेम थाने के एक अधिकारी ने बताया, आरोपी ने 14 जनवरी को मोरजिम स्थित उसके कमरे में दोस्त एलेना वानीवा (37) की चाकू से गला काटकर हत्या कर दी।

वानीवा की मकान मालकिन की शिकायत के अनुसार, यह घटना रात 11 बजे के बाद हुई। मोरजिम थाने के अधिकारी ने बताया, इसके बाद 15 जनवरी की शाम आरोपी, आठ किलोमीटर दूर स्थित अरम्बोल गांव में अपनी दोस्त एलेना कास्थानोवा (37) से मिलने गया। उसने उसे रस्सी जैसी सामग्री से बांध दिया और बाद में उसका गला रेत दिया।

इंदौर में भागीरथपुरा त्रासदी पर मंत्री-महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष आमने-सामने

मंत्री सिलावट बोले- 20 दिन बाद क्यों आए राहुल गांधी? रीना बोरासी का पलटवार तब तक आप कहां थे?

इंदौर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। भागीरथपुरा क्षेत्र में गंदा पानी पीने से हुई मौतों के बाद इंदौर सियासी अखाड़ा बनता जा रहा है। एक ओर भाजपा सरकार अपनी त्वरित कार्रवाई को संवेदनशील उदाहरण बता रही है, तो दूसरी ओर कांग्रेस इसे राजनीतिक प्रचार बताते हुए सरकार पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। दोनों पक्ष आमने-सामने हैं और आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। डायरिया से मौतों के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव खुद प्रभावित क्षेत्र में पहुंचे, पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और स्वास्थ्य, स्वच्छ पेयजल, निःशुल्क इलाज और सेनिटेशन व्यवस्था को तत्काल मजबूत करने के निर्देश दिए। सरकार का दावा है कि समय पर हस्तक्षेप के चलते हालात पर नियंत्रण पाया गया है। जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 20 दिन बाद इंदौर दौरे पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब हालात सबसे गंभीर थे, तब न वे न कांग्रेस कहीं नजर नहीं आई। अब हालात सामान्य होने के बाद दौरा किया जा रहा है। सिलावट ने दावा किया कि जब लोग संकट में थे, तब सरकार जमीन पर थी। 20 दिन बाद का यह दौरा संवेदना नहीं, राजनीति का संदेश देता है।

भाजपा के इन आरोपों पर प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बोरासी ने जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के दौरे पर सवाल उठाने से पहले भाजपा यह बताए कि भागीरथपुरा त्रासदी के बाद बीते 20 दिनों तक खुद सरकार के कई मंत्री और जनप्रतिनिधि कहां थे। बोरासी ने कहा कि संकट के समय केवल एक दिन का दौरा और फोटो खिंचवाना संवेदना नहीं होता। उन्होंने आरोप लगाया कि कई दिनों तक पीड़ित परिवार मदद के लिए भटकते रहे, जबकि सरकार अब अपनी पीठ थपथपा रही है।

डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड का चौंकाने वाला खुलासा शिक्षक को बनाया निशाना, महिला बैंक कर्मी गिरफ्तार

अखनूर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। देशभर में फैले बड़े डिजिटल अरेस्ट साइबर फ्रॉड में मध्य प्रदेश (एमपी) पुलिस ने अखनूर की एक बैंककर्मी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई एमपी साइबर पुलिस की विशेष टीम ने अखनूर पुलिस के सहयोग से की है। गिरफ्तार बैंककर्मी पर एमपी के एक शिक्षक से 1.35 करोड़ रुपये की साइबर ठगी में सक्रिय भूमिका निभाने का आरोप है। पुलिस के अनुसार युवती की पहचान अखनूर के आर्य समाज की रहने वाली सिमरन शर्मा के रूप में हुई है।

सिमरन वर्तमान में अखनूर में एक निजी बैंक में कार्यरत है। बीते वीरवार को एमपी साइबर पुलिस की टीम ने इंस्पेक्टर लिलियन मालवीय के नेतृत्व में अखनूर में दबिश देकर सिमरन शर्मा को गिरफ्तार किया। टीम में एसआई परवीन वास्कल्याण, दो महिला कांस्टेबल और एक कांस्टेबल शामिल थे। अखनूर पुलिस भी मौके पर मौजूद रही। पुलिस के अनुसार, तलाशी के दौरान आरोपी युवती के कब्जे से एक लैपटॉप, तीन मोबाइल फोन और चार सिम कार्ड बरामद किए गए हैं।

'बेटियां देवी समान हैं'

शिवराज सिंह चौहान ने लड़कियों पर कांग्रेस विधायक के बयान की कड़ी निंदा की

भोपाल, 17 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लड़कियों को लेकर दिए कांग्रेस के विधायक फूल सिंह बरैया के बयान की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि ऐसे शर्मनाक बयान कभी नहीं देने चाहिए। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत दुखद है। कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया ने अपने एक बयान में कहा कि 'खूबसूरत लड़की दिख जाए तो दिमाग विचलित हो सकता है, रेप हो सकता है।' भोपाल में मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, बेटियां मेरे लिए देवी जैसी हैं। हम बेटियों को जाति और समाज के आधार पर बंटते हुए नहीं देख सकते। उन्होंने कहा कि हमारी परंपरा में कहा गया है कि अगर मां दुर्गा, लक्ष्मी या सरस्वती का कोई रूप है,

तो वह हमारी बेटियां हैं। इसलिए, चाहे कोई नेता हो या अन्य कोई व्यक्ति, किसी भी जाति या समुदाय की बेटियों को आप कितना बांटेंगे? क्या आप बेटियों को भी बांटेंगे? शिवराज सिंह चौहान ने दोहराया कि बेटियां पूजा करने के लिए हैं, उन पर टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

इसी बीच, शिवराज सिंह चौहान ने जानकारी दी कि पिछले दिनों एक बेटी के साथ दुष्कर्म हुआ था। एक समय समाज आक्रोशित होता है, लेकिन बाद में वह फूल जाता है। आज उस बेटी के खाते में हम 10 लाख रुपए जमा करेंगे और उसकी पहचान सार्वजनिक नहीं की जाएगी।

लड़की के बड़े होने पर उसको 28 लाख रुपए दिए जाएंगे, ताकि उसका बेहतर भविष्य बन सके। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भी कांग्रेस विधायक के बयान की आलोचना की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, मध्य प्रदेश में कांग्रेस विधायक का बयान चौंकाने वाला है। फूल सिंह बरैया ने रेप को धार्मिक ग्रंथों से जोड़कर विवाद खड़ा कर दिया है। वह कहते हैं कि 'रेपिस्ट सोचता है, अगर मैं उस जाति की किसी महिला या लड़की का रेप करूंगा, तो मुझे आध्यात्मिक फल मिलेगा।' प्रियंका वाड्रा कहां हैं? क्या वह इस गलत बयान को मानती हैं?

क्रूरता की हद पार, पति ने पत्नी को जलता देखा तो बचाने की बजाय बनाया वीडियो, एफआईआर दर्ज

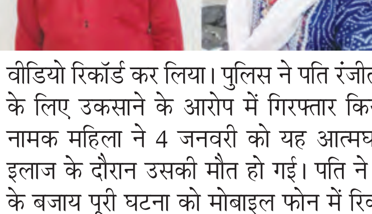

सूरत, 17 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। पारिवारिक विवाद की वजह से 31 वर्षीय महिला ने घर में आत्मदाह कर लिया, लेकिन मौके पर मौजूद पति ने उसे बचाने के बजाय घटना का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। पुलिस ने पति रंजीत साहा (33) को क्रूरता और आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि प्रतिमादेवी नामक महिला ने 4 जनवरी को यह आत्मघाती कदम उठाया और 12 जनवरी को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पति ने घटना के समय अपनी पत्नी को बचाने के बजाय पूरी घटना को मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया था।

पुलिस निरीक्षक एससी गोहिल ने बताया कि इच्छापुर पुलिस थाने में 14 जनवरी को साहा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 85 (पति/रिश्तेदार द्वारा क्रूरता) और 108 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत मामला दर्ज किया गया। गोहिल ने बताया कि मौत से एक दिन पहले 11 जनवरी को पुलिस को दिए बयान में महिला ने कहा था कि उसने आत्मदाह की कोशिश की थी। हालांकि, महिला के भाई को उसके पति की संलिप्तता का संदेह था और उसने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस निरीक्षक ने कहा, मामले की जांच के दौरान हमें साहा के मोबाइल फोन में एक वीडियो क्लिप मिली जिससे जानकारी मिली कि वह अपनी पत्नी को बचाने के बजाय घटना रिकॉर्ड कर रहा था। पुलिस ने बताया कि दंपति मूल रूप से बिहार का रहने वाला है और पति-पत्नी के बीच बच्चों से जुड़े एक मामूली विवाद को लेकर झगड़ा हुआ था जिसके बाद यह घटना घटी। झगड़े के दौरान साहा ने कथित तौर पर अपनी पत्नी से कहा कि वह तेल छिड़क कर खुद को आग लगा ले। पुलिस ने शुरुआती जांच के आधार पर बताया कि पत्नी ने घर में रखा डीजल खुद पर डालकर आत्मदाह कर लिया।

'प्रोफेशनल पॉलिटिक्स करती है बीजेपी, बहुत कुछ सीखने की जरूरत'; अखिलेश यादव का बड़ा बयान

भुवनेश्वर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा डाटा चोरी की राजनीति करती है और इसमें ईडी, सीबीआई व इनकम टैक्स जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियां उसकी सहयोगी दल की तरह काम कर रही हैं। अखिलेश यादव ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश के चुनाव आयोग और भारत निर्वाचन आयोग के आंकड़ों में करीब पांच करोड़ मतदाताओं का अंतर है, जबकि बीएलओ एक ही है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का समर्थन करते हुए कहा कि बंगाल में एक बार फिर ममता बनर्जी की सरकार बनने जा रही है, इसी वजह से भाजपा बौखलाई हुई है।

भाजपा पर बंटवारे की राजनीति का आरोप

सपा सुप्रीमो ने कहा कि भाजपा का एजेंडा पूरी तरह सांप्रदायिक है। जब-जब उसे अपनी कमजोरी महसूस होती है और वह जनता से किए वादों को पूरा नहीं कर पाती, तब वह सांप्रदायिकता का सहारा लेती है। समाजवादी पार्टी विभाजन की राजनीति में विश्वास नहीं करती, बल्कि सभी को जोड़कर राजनीति करती है।

इसी उद्देश्य से देशभर में कार्यक्रम किए जा रहे हैं ताकि डिवीजन की राजनीति खत्म हो। अखिलेश यादव ने कहा कि वह एक साल में तीसरी बार ओडिशा आए हैं और यहां पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) को मजबूत करने के लिए आए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा को पूरे देश में बेनकाब करना जरूरी है, तभी वह केंद्र में कमजोर होगी।

भाजपा से सीखने के लिए बहुत कुछ है: अखिलेश

उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि भाजपा से सीखने को बहुत कुछ है, क्योंकि वह केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राजनीति को पेशेवर तरीके से करती है। ऐसे में अगर भाजपा को हराना है, तो अन्य राजनीतिक दलों को भी उसी की तरह पेशेवर राजनीति करनी होगी। पांच साल पहले किसी ने नहीं सोचा था कि कोई पार्टी चुनाव के दौरान एजेंसियों के माध्यम से डाटा चोरी कर राजनीति करेगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा डाटा के आधार पर एक-एक बिंदु जोड़कर राजनीति करती है। ऐसे में जो भी भाजपा को हराना चाहता है, उसे उसी स्तर की तैयारी करनी होगी। अखिलेश यादव ने कहा कि ओडिशा प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है, लेकिन इन संसाधनों का उपयोग जनता के कल्याण के बजाय भाजपा अपने राजनीतिक हितों के लिए कर रही है।

उत्तर प्रदेश में ब्राम्हण नेता बीजेपी से नाराज: अखिलेश

उत्तर प्रदेश की राजनीति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि योगी सरकार से ब्राह्मण नेता नाराज हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ब्राह्मण विधायक कभी लिट्टी-चोखा की पार्टी किए थे। हम इंतजार कर रहे हैं कि वे नेता कब खुलकर सामने आएंगे। कहीं ऐसा न हो कि सरकार के खिलाफ आंदोलन करने वाले नेता अब प्रतिमा बनकर रह गए हों—जो न हिलते हैं, न बोलते हैं।

इस दौरान अखिलेश यादव ने बीजद सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से भी मुलाकात की। उन्होंने ओडिशा में समाजवादी पार्टी को मजबूत करने का दावा करते हुए कहा कि पार्टी पीडीए को एकजुट करने के लिए लगातार काम कर रही है।

हम कभी भी तख्तापलट कर सकते हैं... नतीजों पर बोले संजय राउत

मुंबई, 17 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र बीएमसी चुनावों के नतीजे सामने आ चुके हैं। मुंबई महानगर पालिका से ठाकरे परिवार का सालों पुराना राज खत्म हो गया है। इस बार बीजेपी अपना मेयर बना सकती है। चुनावों के नतीजों पर अब शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत का बयान सामने आया है। इसमें उन्होंने कहा कि यह नतीजे जयचंदों के कारण आए हैं। हालांकि हम तख्तापलट कर सकते हैं। संजय राऊत ने कहा है कि उनके पार्टी में कुछ जयचंद थे, जिस कारण बीजेपी का मेयर बन पा रहा है।

उन्होंने दावा किया है कि उनके पास इतना नंबर है कि वे कभी भी तख्तापलट कर सकते हैं। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव परिणाम 2026 पर कहा, "एमएनएस को 6 सीटें मिलीं और वे बहुत सारी सीटें बहुत कम मार्जिन से हार गए। शिवसेना की लगभग 12-13 सीटें ऐसी हैं, जहां पर हम बहुत कम मतों से हार गए हैं। यदि हम वहां जीत जाते तो आपको आज मुंबई में जो तस्वीर दिख रही है वह नहीं दिखती। फिर भी भाजपा-शिंदे के पास आज केवल 4 का बहुमत है।

कथा तपस्वी : ज्ञान रंजन

अतुल कुमार

हिंदी के मूर्धन्य कथाकार और संपादक ज्ञान रंजन का 7 जनवरी को निधन हो गया . उनका जाना एक युग का अंत है . अपनी लिखी कई कथाओं से पाठकों का दिल जीता . साहित्य जगत की यह अपूर्णीय क्षति है . कविताओं की भरमार में जब कहानियां कम लिखी जा रही हों और कहानियों का कथ्य महानगरों और नगरों के रहन सहन तथा उसकी जीवन शैलियों के अतराफ घूम रहा हो . ज़िंदगी जीने की मशक्कत में आदमियत खो रही हो , इंसान अकेलेपन से जूझ रहा हो और लाइफ को कैलकुलेशन के रूप में देखा जा रहा हो तब यशस्वी कथाकार ज्ञान रंजन का जाना दुखद है . उनकी कहानियों में ज़िम्मेदारी की थीम होती जो कथा के ताने बाने को मज़बूती देती और चरित्रों को सशक्त बना समस्याओं से जूझने के लिये प्रेरित करतीं . लगभग 35 वर्षों तक लोकप्रिय साहित्यिक पत्रिका " पहल " का संपादन किया . उनकी रचनाएं खोते इंसानी रिश्तों की जटिलताओं , इस्तेमाल के लिये बनते रिश्ते , रिश्तों की चालबाज़ियों और सामाजिक विडंबनाओं को गहराई से उकेरती हैं .जिसमें पाठक खुद को उनमें झांकता हुआ पाते .

छठवे दशक के बाद जिन प्रमुख लेखकों का उदय हुआ उनमें एक प्रमुख नाम ज्ञान रंजन का है जिन्होंने साहित्य में आधुनिकता और विद्रोही स्वर को नये तेवर दिये . साहित्य को कभी मनोरंजन का माध्यम नहीं माना और न बनने दिया .उनकी बहुचर्चित कहानी " पिता " और " कबाड खाना " को साहित्य जगत में खूब सराहा गया . उनकी लिखी कहानियां देश विदेश के कई विश्वविद्यालयों के उच्चतर पाठ्यक्रमों में पढाई जाती हैं . उनकी कथाएं चैन नहीं लेने देतीं और सवाल करती हैं कि मनुष्य कैसे अपने ही भीतर धीरे धीरे विस्थपित हो रहा है . वह बिना शोर मचाए उन सारी बातों का चिट्ठा खोलती हैं जिनकी वास्तविकता को कह पाना मुश्किल होता है वह कहना चाहता है पर शब्द और भाव बीच में रुक जाते हैं ज्ञान रंजन ने उसी रुकावट को साहित्य का रूप दिया

उनके साहित्य में कोई रुमानी निराशा या ट्रैजेडी नहीं है ,बल्कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद एक एक कर जो सपने टूटते गये उनका मार्मिक आख्यान है .वह उसी पीढी के साहित्यकार थे . कथाओं में अजीब सी ज़िद है कि कि सच को देखा जाए चाहे वो कितना भी असुविधाजनक हो . चाहते तो उसे इंटर्टेनमेंट की अदा में लिख सकते थे . स्टोरी टेलर अपनी किस्सा गोई में इसका सहारा ले कहानी को दिलचस्प बनाते हैं , ताकि रीडर को बांधे रख सके लेकिन ऐसा किये बिना अपनी रचनाओं को यथार्थ की ज़मीन पर खडा किया जिसमें कामन मैन अपनी परछाइयों को देख उसे दिल के करीब मानने लगा .उनके पात्र थके हारे बेचैन ,कमज़ोर और आज की दुनियादारी की बातों में भ्रमित , कुंठित और व्यथित हैं जो समय की धूल में चलते साधारण लोग हैं जो हैसियत, सिफारिश और पहुंच जैसे शब्दों से कोसो दूर हैं .आराम देह बहस मुबाहिसों से उनका कोई नाता नहीं ऐसे लोगों की पीडा को ज्ञान रंजन की कलम ने सोसायटी के पटल पर रखा .

सामाजिक यथार्थ को लिखना ,बोलना और सोचना आज जब केवल वैचारिक मंथन भर बन गया हो तब उनकी लिखी बेबाक कथाओं ने पाठकों के बीच हलचल मचायी . कई यादगार कहानियों से अपने पीछे दमदार रचनाओं को छोड गये . घूमते फिरते परेशान, बेचैन लोगों के मन और चेहरे पर आते जाते भावों को पढते और उसके अंदर मची अशांत बातों की टीस को पहचान उसे कथा के रूप में बांधते .जो इमैजिनेटिव कहानियों से काफी दूर का सच होतीं . उनका जाना एक बेचैन आंख का बंद होना है . वह नज़रें चमक दमक के नेपथ्य में खडी हो रहीं दरारों को खूब पढती थी .

" उपग्रह " रचना में उन एन आर आई लोगों की पडताल की जो यहां की परेशानियों को बेच चर्चा में रह यहां आ सैर सपाटा कर चल देते हैं .यह हिप्पोक्रेसी क्यों ? के प्रश्न को गंभीरता और गहराई से उठाया . उनकी कलम चलते हुए को रोक कहतीं देखो पीछे कुछ छूट गया है .कंधे पर हाथ रख कहते कि जीवन जीने की उहा पोह में क्या ? क्यो? और कैसे ? छूट गया . कही वो अनदेखी तो नहीं .मानते थे कि मनुष्य कोई पूर्ण इकाई नहीं है बल्कि लगातार बनता ,बिग़डता टूटता जुडता हुआ प्राणी है .इसलिये उनके कैरेक्टर्स कभी एक जैसे नहीं रहे . उनको न कभी नायकत्व दिया और न खलनायकी की शक्ल दी. बल्कि जो जैसा है उसे उसी तरह दर्ज किया .

ज्ञान रंजन का जन्म 21 नवंबर 1936 को अकोला महाराष्ट्र में हुआ था .प्रमुख कहानी संग्रह हैं " फैंस के इधर उधर " " क्षण जीवि " " यात्रा " " सपना नहीं " और " प्रतिनिधि कहानियां " आदि हैं . उनके बहुचर्चित रेखा चित्र का प्रकाशन भी हुआ . उनकी भाषा में कहीं कोई दिखावट ,सजावट और बनावट नहीं थी . " पहल ' उनके संपादन में प्रकाशित प्रसिद्ध साहित्यिक लघु पत्रिका थी जिसके माध्यम से नये रचनाकारों को प्रकाशित कर प्रोत्साहित किया . रचनाकारों की नयी और युवा पीढी को बढावा दिया और उनको स्थापित किया . जबलपुर विश्वविद्यालय से संबद्ध जी एस कालेज जबलपुर मध्य प्रदेश में हिंदी के प्रोफेसर रहे . 34 वर्षों तक अध्यापन का कार्य किया . वहां से सेवा निवृत्त होने के बाद पूरी तरह से साहित्य के प्रचार प्रसार और लेखन से जुड गये और उसमें यादगार योगदान दिया . कई प्रतिष्ठित साहित्यिक पुरस्कारों तथा सम्मानों से नवाज़े गये

साहित्य में उनके असरदार और दूरगामी योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता क्यों कि वह जन मानस के लेखक और संपादक थे जो अपनी स्टोरीस में आदमी की तकलीफों का बयान करते जिससे बडा पाठक वर्ग उनकी कथाओं का प्रशंसक बना.

बीती 7 जनवरी को 90 वर्ष की आयु में जीवन की अंतिम सांस ली . अपने पीछे विरासत के रूप में जिस कथा संसार को छोडा , वह साहित्य की अमूल्य निधि है वास्तव में वह कथाओं के तपस्वी थे .

काव्य कुंज

भारत में महाभारत

डॉ टी महादेव राव

आज फिर महाभारत हो रहा है
नैतिकता अपना वजूद खो रहा है
सबको जागते रहो कहते कहते
द्वारपाल गहरी नींद सो रहा है
आजकल हर जगह चीर हरण
दोहराया जा रहा है
धृतराष्ट्र मोह में सिंहासन के
तटस्थ देखा जा रहा है
कौरव लगातार बढ़ रहे हैं
पांडवों की गिनती पांच से घट रही है
कुरुक्षेत्र बना जग सारा
शकुनियों के चंगुल में
अश्वत्थामाओं के अंध क्रोध में
अपना अस्तित्व बचाने की कोशिश में है
द्रौपदियां कृष्ण की प्रतीक्षा में
सरे आम नग्नता ओढ़े बेसुध पड़ी हैं
अभिमन्यु चक्रव्यूह भेदना छोड़
लक्ष्य की तलाश में भटक रहा है
हर जगह दुश्शासन के हाथ
हुए जा रहे है लंबे
दुर्योधन का विकटाट्टहास गूंज रहा है
अपनी प्रतिध्वनियों के जंगल में
युद्ध नहीं, रचा जा रहा है षडयंत्र
उचार रहे हैं सभी नैतिकता का मंत्र
त्रिशंकु सा लटकता जनमानस
प्रतीक्षित है आशावादी परिणामों पर
न जाने कब द्वारपाल की तंद्रा टूटेगी?
कब धृतराष्ट्र का सिंहासन मोह छूटेगा?
कब बढ़ेगी पांडवों की संख्या?
कौरव सारे कब युयुत्सु बनेंगे?
कब छूटेगा कुतंत्रों भरा दुर्योधनीय शासन?
कब मारा जाएगा भीम के हाथों दुश्शासन?

बसंत ऋतु

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

बसंत ऋतु सबकी मनभावन,
रग रग में भरे उल्लास।
शरद से मिले निजात,
दक्षिण सुखद समीर बने खास।।
पात पात पर छाये मदहोशी,
ऐसा बसंत मौसम निराला,
रंगीन मिजाज फुलवारी डोले,
भंवरा मदमस्त मतवाला,
रंग बिरंगी तितलियाँ उड़ें, मधुमक्षिका मधु रस समेटे
सुमन सुगंध ने हृदय में रोमांचित आनंदम भर डाला,
प्रफुल्लित चंचल प्रिय ऋतु रानी होने न दे उदास।
बसंत ऋतु सबकी मनभावन,रग रग में भरे उल्लास।।
प्रकृति में बढ़ रही सक्रियता,पृथ्वी पर नवजीवन संचार,
भोर चिरैया मधुर स्वर गूँजे,स्वर्ग सा प्रतीत सुंदरम संसार,
खेतों में फैली पीली सरसों,ज्यों हो नवयौवन श्रृंगार
स्वच्छ क्षितिज,ताजा अनिल,दे रहे अनुपम उपहार,
मौसम की तरुणाई देखो जन-जन में भरे विश्वास।
बसंत ऋतु सबकी मनभावन,रग रग में भरे उल्लास।।
अब तो पक गई फसलें, कटने को हो रही तैयार हैं,
सरोवर में खिल रहे कमल, ढक रहे जल की धार हैं,
कोयल की मीठी बोलियाँ, घोल रही खुमार हैं ,
दुख न टिक पाएँगे अब, सुख के खुल रहे द्वार हैं,
फलों में फल आम राजा, प्रतीत हो रहे आसपास।
बसंत ऋतु सबकी मनभावन रग रग में भरे उल्लास।।
कवि की कल्पना में बसंत रितु की ही लेखन रचनाएँ,
सुंदरतम दृश्यों को अंकित करती लेखक भावनाएँ,
संवेदनशील मौसम की नाजुकता सिरमौर है
बीमारियाँ पनपेगी,सावधानी से अच्छा स्वास्थ्य पाएँ!
चित्रकार की भाव भंगिमा में वास्तविक रंग के आभास।
बसंत ऋतु सबकी मनभावन रग रग में भरे उल्लास।।

देश आगे बढ़ रहा है

कुमुद बाला,
हैदराबाद

है समस्याओं का चक्रव्यूह पर
देश देखो आगे बढ़ रहा है
समझते-सुलझाते उलझनों को
सबसे आगे निकल रहा है
देश आगे बढ़ रहा है।।
हवाओं को तुम करो न दूषित,
मुरझा जायेंगे फूल सभी
हरियाली बगिया की हरी रहे,
आओ हम मिल प्रण लें अभी
दिलों की मैल जब होगी दूर , देश साँस तभी ले सकेगा
चाणक्य बन और ढूँढ रास्ता, इस वक्त यही है ज़रुरत बड़ी
प्रदूषण गर हो जाय नियंत्रित,समझो अब देश मुस्कुरा रहा है
है समस्याओं का चक्रव्यूह , पर देश देखो आगे बढ़ रहा है
समझते- सुलझाते उलझनों को , सबसे आगे निकल रहा है
देश आगे बढ़ रहा है।।
सुलझ गयी है खूबसूरती से , विशाल देश की शिक्षानीति
स्त्रियों की प्रगति से सुधर रही है,अब देशआँगन की अनीति
संपूर्ण समाज है तब सुरक्षित,जब हो शिक्षा हर घर की शान
जिस घर में शिक्षित हो नारी,जन्म उस घर में है लेती सुनीति
नवजागृति की हुँकारित मशाल,अब देश करवट बदल रहा है
है समस्याओं का चक्रव्यूह , पर देश देखो आगे बढ़ रहा है
समझते - सुलझाते उलझनों को , सबसे आगे निकल रहा है
देश आगे बढ़ रहा है।।
अडिग हिमालय सी सरहद पे है ,सतर्क सैनिकों की टोली
चौड़ी छाती , अजेय बाहू , बुलंद हुँकार व प्रेम की बोली
आँखें गर टेढ़ी हुई दुश्मन की,घर में घुस कर चलती गोली
हर मौसम सैनिक पलकों पे निरखते , आज़ादी की डोली
सभी सैनिकों के त्वरित कदमताल पर,देश गर्व कर रहा है
है समस्याओं का चक्रव्यूह पर , देश देखो आगे बढ़ रहा है
समझते-सुलझाते उलझनों को , सबसे आगे निकल रहा है
देश आगे बढ़ रहा है।।
सबसे प्यारा देश हमारा , करें हम मिलकर इसका सम्मान
विविधता भाषाओं , त्यौहारों की , जिससे है भारत महान
हिमालय-सागर से सुरक्षित ,है अनेकता में एकता पहचान
हर धर्मों का आदर करता , तिरंगा झंडा है देश की शान
नई नीतियों की पुरवाई संग , बदलाव का शंख बज रहा है
है समस्याओं का चक्रव्यूह पर , देश देखो आगे बढ़ रहा है
समझते-सुलझाते उलझनों को , सबसे आगे निकल रहा है
देश आगे बढ़ रहा है।।
अब सरोजिनी नायडू की शिक्षित समाज में,झलक मिलती है
महादेवी वर्मा के दीपक की ज्योति , घर - घर में खिलती है
शिवानी के औपन्यासिक पात्र , जीवित हो मिलने आते हैं
कविताएँ सुभद्रा कुमारी की , हुँकारित हो गुंजित चलती हैं
अद्भुत शिक्षा की थाल सजी विश्वगुरू बन भारत चहक रहा है
है समस्याओं का चक्रव्यूह पर , देश देखो आगे बढ़ रहा है
समझते - सुलझाते उलझनों को , सबसे आगे निकल रहा है
देश आगे बढ़ रहा है।।

मेरा भारत महान...

डॉ डी डी देसाई

गरीबों के चावल पर हाथ अमीरों का,
निम्न जाति के आवास पर कब्ज़ा अमीरों का,
चुनाव में कौड़ियों के दाम बिकती हैं जनता,
जताते हैं देश पर अपना एहसान...
और..... मेरा भारत महान
तम्बाकू -शराब बेचने खरीदने पर पाबंदी,
और..बनाने में सरकार देती हैं मजूरी
करोड़पतियों के कर्जे होते हैं सम्मान,
और किसानों के घर होते हैं नीलाम..
और..... मेरा भारत महान
निशुल्क बुनियादी शिक्षा सरकार की योजना,
और नीजी संस्थानों का शिक्षा व्यापार
भ्रष्टाचार रोकथाम विभाग में नौकरी हेतु,
नौजवानों को बेचने पड़े हैं खेत खलिहान
और..... मेरा भारत महान ।।

हम कौन थे क्या हो गए

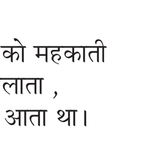

संजीव ठाकुर,
रायपुर

हम कौन थे ?
यह सवाल कभी
आग की तरह जलता
हमारी नसों में, तब
हथेलियों में मिट्टी
और आँखों में सपना,
शब्द झूठ नहीं बोलते
और मौन भी
सच के पक्ष में खड़ा रहता था।
हम कौन थे?
तब रोटी की खुशबू पूरे घर को महकाती
पसीने का स्वाद इज्जत कहलाता ,
और मनुष्य मनुष्य के काम आता था।
फिर हम क्या हो गए?
यह सवाल अब आईनों से डरता ।
हमने समय के साथ भागने लगे,
पर संवेदना को पीछे दूर छोड़ आए।
भीड़ बढ़ी, पर रिश्ते घटते चले गए,
नाम ऊँचे हुए और आत्माएँ बौनी।
हम क्या हो गए?
हमने भोग-विलास को ईश्वर बना लिया,
और मनुष्यता को एक विकल्प।
हमने शब्दों को सजाया, पर अर्थ गिरवी रख दिए,
हम हँसते रहे और किसी को रोते हुए स्क्रोल कर दिया।
हम क्या हो गए?
जहाँ भूख खबर बन गई, दर्द टीआरपी,
और युद्ध एक बहस।
जहाँ बच्चे खिलौनों से पहले डर पहचानने लगे,
और बूढ़े अपने ही घरों में पराये हो गए।
और अब क्या होना है? यह सवाल सबसे कठिन है।
क्योंकि इसके लिए हमें लौटना होगा अपने भीतर।
हमें फिर से मनुष्य होना सीखना होगा
कम बोलकर ज़्यादा समझना, कम जीतकर।
ज़्यादा बाँटना, और सच के साथ
खड़ा होने का साहस फिर से जुटाना होगा।
हमें याद करना होगा हम वही जो गिरते को थाम लेते थे,
जो हार में भी आदमी बने रहते थे।
अगर हम फिर से वही हो सकें तो शायद
आने वाला कल हमसे शर्मिंदा नहीं होगा।
क्योंकि इतिहास यही पूछेगा जब सब कुछ था,
तब तुम मनुष्य क्यों नहीं थे?

हताश मन

मोनिका डागा,
चेन्नई

चुभती है शूल सी दर्द भरी सर्द रातें,
किसको कहें हम अपनी सारी बातें,
जिंदगी का वो सुकून सारा है खोया,
उदास मन भीतर ही भीतर घंटों रोया ।
तिनका-तिनका हुए सुनहरे ख़्वाब सारे,
देखे थे जो मिलकर हमने संग में तुम्हारे,
तक़दीर में नहीं लिखा था अपना मिलना,
बाहर सर्द मौसम और भीतर यूँ जलना ।
सूख गई मन की ₹आनंद₹ मधुमय धारा,
जीवन ने हमें दिया पीने को जहर खारा,
जिंदगी कहती काँटों में ही गुलाब खिलते,
बिछुड़ने वाले फिर उस तरह नहीं मिलते ।
पर संभाले किस तरह इस हताश मन को,
ये समझना ही नहीं चाहता नए जीवन को,
अकेलेपन ने रातों को किया लम्बा बहुत,
हो गई अब से जिंदगी उबाऊ और सुस्त ।

कभी तो...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

बढ़ जाता हूं अक्सर उस राह पर
जिससे हर रोज कोई लौट आता है
देख, मेरे इन टूटे दिलों को
मेरा दिल घबराता है
न चंद शब्दों में
मेरा हाल ए दिल बयां होगा
न जाने कितने कागज के टुकड़ों में
मेरा दास्तान ए दिल फना होगा
चलो छोड़ो भी शिकवा शिकायतें
प्यासी नैना ,इकरार करे
कभी तो चौंक के देखें कोई हमारी तरफ़
किसी की आंख में हमको भी इंतजार दिखे
यूं ही हर शाम दिल को तड़पा जाती है
बस इक उम्मीद की लौ दिल में थरथराती है
मेरे अंजान हमसफ़र तेरी तलाश में अब
जिंदगी दूर की आवाज हुई जाती है
एक ही तमन्ना, इज़हार करे
कभी तो...

सतरंगी सपने बहारों के

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

सतरंगी सपने तो सदाबहार हैं,
हर किसी को इन्हें चुनने -बुनने
का अधिकार है,
क्योंकि, सुमधुर सरगम में भी
सात सुरों का मेला है,
इंद्रधनुष में भी सप्त रंगों का पहरा है,
सप्तर्षि मंडल की आभा का
समा अलबेला है,
सात जन्मों का होता है संबंध और
परिणय बंधन में भी सात फेरों का घेरा है,
साजन और सजनी के मन में सतरंगी प्रेम का बसेरा है।
आती रहें बहारें हर एक जीवन में,
सजते रहें बहारों के मेले हर मन में,
ऊंच-नीच की जंजीरों से उन्मुक्त हों हम सब,
स्वच्छंद प्राणवायु का स्पंदन होता रहे जन-जन में।
सृष्टि का कण-कण हो आल्हादित,
जीवन में आती रहें उमंग और तरंग पल-पल में।
बहारों के सपने सजते रहें हर आंगन में,
बहारों की मंज़िले लाती रहें रंग हर जीवन में।।
न बिखरे सपने किसी के,
न टूटे ख्वाब सुनहरे किसी के,
मार्ग किसी का अवरुद्ध न हो,
प्रयत्न यही हो हर सांझ सवेरे ।।

मैं छिहत्तर का हुआ

पी एन गुप्ता
हैदराबाद

मैं छिहत्तर का हुआ
फिर भी अभी शुरुआत है
मंजिलें जो कर लीं हासिल
उसका मुझको हर्ष है,
यह तो है गणतंत्र की आयु,
नहीं है देश की
देश मेरा है सनातन नाम भारतवर्ष है।
जग गया मेरा सनातन
अब नहीं यह सोयेगा
अपना हक़ लेकर रहेगा फिर नहीं यह खोयेगा
बहुत रोया गिड़गिड़ाया वक्त के दरबार में
पहचान ली है अपनी ताक़त अब नहीं यह रोयेगा।
जवानों देश के जागो तुम्हीं से आस बाकी है
मैं हूं गणतंत्र,खोया गण मेरा,बस तंत्र बाकी है
सहारा देने की क्षमता तुम्हारे पास ही है अब
अभी भी तोड़ने का देश को षडयंत्र बाकी है।
भले मैं हूं छिहत्तर का अभी बाकी कहानी है
रगों में दौड़ते ख़ूं की अभी बाकी रवानी है
मीरचंदों और जयचंदों की आफ़त आएगी
उठा अंगड़ाई लेकर शेर न जिसका कोई सानी है।
चंद्रयान ने मामा के घर फहरा दिया तिरंगा प्यारा
सूरज के दरवाज़े पर पहुंच गया है यान हमारा
अंतरिक्ष में स्टेशन भी बन जाने की है तैयारी
मानव को लेकर जायेगा इसरो का अभियान हमारा।

खत

डॉ हेमंत सुराना,
उदयपुर

पुराना खत मिला कागज के ढेर में,
यादें ताजा कर गया फिर मन में
खत को बड़े प्यार से संभालते थे,
खत से प्रेम का इजहार करते थे
चंद लफ़्ज़ बहुत कुछ कह जाते थे,
पढ़ते-पढ़ते आँख नम कर जाते थे
खत में एहसास लिखे जाते थे,
दूर बैठे जज्बात समझ आते थे
कभी प्यार तो कभी शिकायत लिखी जाती थी,
माँ की कभी-कभी डांट भी नजर आती थी
पंक्तियां दिल को छू जाती थी,
मिलने की उम्मीद जगाती थी
वह जमाना भी क्या जमाना था,
एक खत आने पर दूसरे का इंतजार रहता था
फौजी का खत, वतन की गाथा कहता था,
घर आने का जवाब, माँ को आशा देता था
ना जाने कितने भी दूर चले जाते थे,
खत फिर भी एक दूसरे को मिलाते थे,
खत फिर भी एक दूसरे को मिलाते थे ।

समय की धारा

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

रुकती नहीं जिन्दगी
चाहे कितने तूफान आए।
सहरा हो या सागर
आदमी बढ़ता ही जाए।
रेगिस्तान हो या मरुस्थल।
जीवन चलता है बिन जल।
जलती धूप में चलता जाता,
ये कुदरत का है देखो छल।
सागर में जिंदगी जहाज पर।
घर में जिंदगी राज पर।
ऊंट रेगिस्तान की सवारी है।
जलती बलती चले साज पर।
जीवन कब रुका है जो रुकेगा।
मंजिल पे पहुंच कर ही थमेगा।
देखलो भीड़ हर जगह पर है।
कायनात को कौन भला टोकेगा।
जल थल मरुस्थल और वायु।
इसमें गुजरे जिंदगी की आयु।
मोटर जहाज वायुयान , पैदल,
शरीर चले जब स्वस्थ रहे स्नायु।
बेहद प्रबल है प्रकृति की माया।
कोई न इससे बच पाया।
सांस है जब तक की हाय हाय।
मौत से कब कौन बच पाया।
सबको सब मालूम है फिर भी,
खजाने जमा करते रहते हैं।
बुढ़ापे को भूलकर सभी,
जवानी में पाप करते रहते हैं।
क्या पाप क्या पुण्य है।
मनुष्य सदा से निर्बल है।
चली आंधी,सब उड़ गया,
आया तूफान सब बह गया।
घमंड फिर भी करता है आदमी।
मौत से भी नहीं डरता है आदमी।
ज़रा सा धन मिला तो रिश्ते भूला,
नए रिश्ते मिले तो मां बाप भूला आदमी।

गिद्दा और ढोल की थाप

जय महलवाल,
बिलासपुर

लोहड़ी का पावन त्योहार आता है,
घर घर में खुशियों का मेला लाता है।
प्यार और मिठास का शुभ संदेश ,
सबके मनों को खूब भरमाता है ।
गिद्दा और ढोल की थाप पर,
नाचते गाते भांगड़ा लोग पाते हैं।
मुबारक हो लोहड़ी का त्योहार,
जिसमें सबके चेहरे खुशियाँ पाते हैं ।
गुड़, मूंगफली, और रेवड़ी की मिठास,
लोहड़ी की खुशियों को बढ़ाते हैं।
लोहड़ी की रात गीठा जलाकर,
सब लोग खुशियाँ मनाते हैं।
लोहड़ी का त्योहार तिल चौली का त्योहार,
बच्चे घर घर जाकर लोहड़ी गाते हैं ।
सबको लोहड़ी की शुभकामनाएं देकर,
दूल्हा भट्टी वाले की गाथा खूब सुनाते हैं।

कड़वाहट और रिश्ते...!

संजय एम.
तराणेकर, इंदौर

कड़वाहट तो सभी रिश्तों में होती हैं.
बस, मोहब्बत की चाशनी,
उसे धागे में पिरोती हैं.
ज़िन्दगी में यारों नज़दीकियों के चक्के,
चलते ही रहना चाहिए.
स्नेह बंधन व एक-दूसरे के दुःखों को,
सहलाते रहना चाहिए.
कोई कितना चाहे हमें ख़ुद पर भी,
ऐतबार होना ही चाहिए.
जो बिखर जाए वो रिश्ते ही नहीं
कौन कहता हैं कि हम फ़रिश्ते नहीं.
क्योंकि कड़वाहट तो
सभी रिश्तों में होती हैं.

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

लात मारने वालों को पड़ी सियासी लात

मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) के चुनाव से तीन दिन पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने अपनी चिरपरिचित शैली में नफरती भाषण दिया था। उन्होंने मुंबई में रहने वाले हिंदी भाषाई समुदाय को लक्ष्य करते हुए कहा था कि, "हिंदी आपकी भाषा है। मुझे भाषा से नफरत नहीं है, लेकिन इसे थोपने की कोशिश करेंगे, तो मैं आपको लात मारूंगा।" भाषा के मुद्दे पर यह नफरत फैलाने की राजनीति करने वाले राज ठाकरे को बीएमसी चुनाव में तगड़ी सियासी लात पड़ी। मुंबई में मनसे सिर्फ 6 वार्डों में जीत सकी। उन्हें कुल 2.87 प्रतिशत वोट मिले जो कि 8 सीटें जीतने वाली एआईएमआईएम के 2.61 प्रतिशत वोटों से कुछ ही अधिक हैं। वोटरों ने 'लात' सिर्फ मनसे को ही नहीं मारी, उन्होंने उद्धव ठाकरे की उस पार्टी शिवसेना (यूबीटी) को भी 'लात' मारी जिससे अलग होकर मनसे बनी थी।

मुंबई में उत्तर भारत के हिंदी भाषी प्रदेशों बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान आदि के मूल निवासी बड़ी संख्या बसे हैं। इस महानगर का स्वभाव ऐसा कभी नहीं रहा कि इसे किसी भाषा विशेष की सीमा में बांधा जा सके। मुंबई के कांदिवली, मलाड, मीरा भयंदर, कुर्ला, गोरेगांव, और घाटकोपर ऐसे इलाके हैं जहां उत्तर भारतीय मतदाताओं की अच्छी खासी तादाद है। इन मतादाताओं का झुकाव बीजेपी और कांग्रेस की तरफ रहा है। उत्तर भारतीयों के इस झुकाव के पीछे पहले शिवसेना, जो अब शिवसेना-यूबीटी बन गई है और बाद में मनसे की नफरती राजनीति बड़ा कारण रही है।

मुंबई नगर निगम के चुनाव में कुल 227 सीटों में से 89 पर बीजेपी, 65 पर शिवसेना (यूबीटी), 29 पर शिवसेना, 24 पर कांग्रेस, 6 पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना, 3 पर एनसीपी और 11 पर अन्य उम्मीदवार जीते हैं। बीएमसी पर कई सालों से वर्चस्व बनाए रहने वाली शिवसेना को बुरी हार का सामना करना पड़ा है।

मराठी अस्मिता के नाम पर हिंदी भाषियों का विरोध

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के चुनावों से पहले राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने मराठी अस्मिता के नाम पर हिंदी विरोध की राजनीति को हवा दी थी। इन दोनों नेताओं ने बीजेपी पर मुंबई में हिंदी के एजेंडे को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया था। हिंदी भाषाई समुदाय पर हमला करते हुए राज ठाकरे ने कहा था कि वे हर तरफ से महाराष्ट्र आ रहे हैं और आपका (मराठी भाषी) हिस्सा छीन रहे हैं। यदि जमीन और भाषा चली गई, तो आप खत्म हो जाएंगे। उन्होंने मराठी लोगों से एकजुट होने का आह्वान किया था। मनसे प्रमुख ने कहा था कि बीएमी चुनाव मराठियों के लिए आखिरी चुनाव है। अगर आज यह मौका गंवा दिया, तो आप खत्म हो जाएंगे।

दक्षिण भरतीयों का उपहास

राज ठाकरे ने कक्षा 5 तक हिंदी को अनिवार्य बनाने के प्रस्ताव को एक बड़ी साजिश बताया था। उन्होंने बीजेपी पर मुंबई को लूटने और शहर को गुजरात के आर्थिक दायरे में लाने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया था। उनके भाई उद्धव ठाकरे ने भी इसी शैली में बीजेपी को घेरते हुए कहा था वह नकली हिंदुत्व और हर चुनाव से पहले विभाजनकारी राजनीति करती है। उन्होंने तमिलनाडु बीजेपी नेता के अन्नामलाई को उनके उस बयान पर निशाना बनाया था कि बॉम्बे महाराष्ट्र का शहर नहीं है, यह एक अंतरराष्ट्रीय शहर है। राज ठाकरे ने अन्नामलाई को 'रसमलाई' कहकर उनका मजाक उड़ाया था। उन्होंने कहा था, 'बजाओ पुंगी, भगाओ लुंगी।'

भाषा ही नहीं, खानपान में भी नफरत

चुनाव से पहले ठाकरे भाइयों का गैर मराठी भाषाई समुदाय से नफरत का सिलसिला यहीं नहीं रुका था। शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र 'सामना' में भाषा से आगे बढ़कर उत्तर भारतीयों को उनके खानपान को लेकर निशाना बनाया गया था। 'सामना' के संपादकीय में कहा गया था कि , मुंबई की पहचान बिकने वाली नहीं है। इसमें 'वड़ा-पाव' को मराठी पहचान और हजारों लोगों की रोजी-रोटी का प्रतीक बताया गया था। शिवसेना (यूबीटी) ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की एक टिप्पणी की निंदा की थी, जिसमें उन्होंने 'वड़ा-पाव' उद्योग को छोटा बताया था। संपादकीय में कहा गया था कि जहां दूसरे राज्यों के नेता अपने स्थानीय व्यंजनों जैसे बिहार का 'लिट्टी-चोखा', दिल्ली की 'कचौरी' या कर्नाटक का 'बेन्ने डोसा' पर गर्व करते हैं, वहीं महाराष्ट्र के मौजूदा शासक राज्य के अपने 'झुनका-भाकर' और 'वड़ा-पाव' से नफरत करते दिखते हैं। महाराष्ट्र से नफरत करने वालों को वड़ा-पाव के स्टाल पर उबलते तेल में तलकर और भूनकर जवाब देना चाहिए।

भाषाई ध्रुवीकरण का दांव हुआ फेल

हालांकि शिवसेना (यूबीटी) के हाथ से बीएमसी की सत्ता 30 साल बाद निकल चुकी है। राज ठाकरे अपने भाई उद्धव ठाकरे से 20 साल बाद हाथ मिलाकर मुंबई और महाराष्ट्र की राजनीति में अपनी खोई हुई जमीन वापस पाना चाहते थे। लेकिन उनकी नफरत की पॉलिटिक्स उनके काम नहीं आ सकी। उद्धव और राज ठाकरे को मुंबई के मराठी भाषी समुदाय से उम्मीद थी कि वे उनके ध्रुवीकरण की राजनीति के जाल में फंस जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। मुंबई में मराठी भाषी मतदाताओं की संख्या करीब 38 प्रतिशत है। यह वोटर यदि ठाकरे बंधुओं की नफरती राजनीति से प्रभावित होते तो शायद वे जीत जाते, लेकिन उन्होंने ठाकरे बंधुओं को नकारकर साफ संदेश दे दिया है कि मुंबई न तो किसी भाषा विशेष के लोगों का शहर है, न ही यह भाषा पर राजनीति करने वालों की जागीर बन सकता है। सिर्फ मुंबई ही नहीं, पूरा महाराष्ट्र राज ठाकरे को नकार चुका है। महाराष्ट्र के सन 2014 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी का सिर्फ एक उम्मीदवार जीता था। सन 2019 में भी उनका यही हाल हुआ था। सन 2024 के चुनाव में उनकी पार्टी का खाता भी नहीं खुल सका था।

मैं उत्तर भारतीय मराठी!

बिहार की बेटी का मुंबई में जलवा

मैथिली ठाकुर

महाराष्ट्र के नगर निकाय चुनावों में 'देवाभाऊ' का जलवा दिखा। सत्ताधारी महायुति गठबंधन ने 29 में से 25 नगर निगमों में जीत हासिल की। मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) में सत्ताधारी गठबंधन के पास बहुमत है। 25 साल बाद मुंबई की सत्ता से ठाकरे ब्रदर्स आउट हो गए। मराठा पॉलिटिक्स मात खा गया। मुंबई ने साबित कर दिया कि वो सबकी है। बिहार और दूसरे राज्यों के उम्मीदवार भी काफी तादाद में चुनाव जीते हैं। अकेले झंझारपुर के 6 लोग पार्षद बने हैं। इसके अलावा भी बिहार और दूसरे राज्यों की उम्मीदवारों ने परचम लहराया। बीएमसी चुनाव के दौरान दरभंगा के अलीनगर से बीजेपी विधायक और गायिका मैथिली ठाकुर ने जमकर प्रचार किया था। इसका असर भी इस चुनाव में दिखा। हिन्दी भाषियों की बीच मैथिली ठाकुर की लोकप्रियता सिर चढ़कर बोली। इसका असर रिजल्ट में भी दिखा।

बीएमसी चुनावों में मैथिली का भी दिखा जलवा

खासकर, मुंबई महानगरपालिका चुनाव को लेकर महाराष्ट्र की सियासत चरम पर रहती है। शिवसेना (UBT) के उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने हाथ मिलाकर नए समीकरण बनाए। वहीं, राज्य की सत्ताधारी महायुति ने इस 'ठाकरे ब्रदर्स' की जोड़ी को मात देने के लिए एक खास रणनीति तैयार की। महायुति ने बिहार की बेटी और लोकप्रिय लोकगायिका मैथिली ठाकुर को अपना स्टार प्रचारक बनाया।

मुंबई की गलियों से लेकर सोशल मीडिया तक, मैथिली ठाकुर अपनी गायकी और भाषणों से उत्तर भारतीय और स्थानीय मराठी मतदाताओं के बीच सेतु का काम किया। उनका लक्ष्य न केवल वोटों का ध्रुवीकरण रोकना था, बल्कि महायुति के पक्ष में एक मजबूत लहर पैदा करना था। रिजल्ट के बाद लग रहा है, वो अपनी मिशन में कामयाब रहीं।

मैं उत्तर भारतीय मराठी हूं- मैथिली ठाकुर

मैथिली ठाकुर ने मुंबई के विरार में एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने अपनी बहुभाषी गायकी का जादू बिखेरा था। उन्होंने जहां हिन्दी गीतों के जरिए उत्तर भारतीय वोटरों की भावनाओं को छुआ, वहीं मराठी गीतों की शानदार प्रस्तुति देकर स्थानीय मराठी मानुस का दिल जीतने की कोशिश की थीं। मैथिली ने खुद को 'उत्तर भारतीय मराठी' बताते हुए ये संदेश दिया कि महायुति सभी समुदायों और भाषाओं को साथ लेकर चलने वाली विचारधारा है। मैथिली की अपील का असर अब चुनाव परिणामों में दिखा। ऐसा लग रहा है कि मुंबई का मिशन पूरा करने के बाद मैथिली ठाकुर अब बंगाल की ओर कूच करने वाली हैं।

'मराठी अस्मिता' कार्ड का सांस्कृतिक जवाब

बीएमसी चुनाव में उत्तर भारतीय वोटर किंगमेकर की भूमिका में होते हैं। एक तरफ ठाकरे बंधु मराठी अस्मिता की बात कर रहे थे, तो दूसरी तरफ महायुति ने मैथिली ठाकुर के जरिए ये बताने की कोशिश की कि मुंबई सबका है। मैथिली ने मंच से लोगों से 'कमल' के निशान पर वोट डालने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि महायुति की सरकार ही मुंबई के सर्वांगीण विकास की गारंटी है। अपने गीतों के जरिए उन्होंने ठाकरे गुट को चुनौती दी और लोगों ने हाथोंहाथ लिया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए मैं हर संभव प्रयास करूंगी। महायुति इस बार बीएमसी चुनाव में विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और भाषाई एकता के मुद्दे को सबसे ऊपर रखी थी।

दादागिरी का पुराण !

कस्तूरी दिनेश

दादागिरी एक प्राचीनतम शक्ति-प्रतीक च्यवन-प्राश है ! इसके लिए आदमी में थोड़ी असभ्यता का गुड़,अक्खड़पन की सतावरी,दुःसाहस का गिलोय और अश्वगंधा की बदजुबानी के साथ उठा-पटक का आंवला मिलाना पड़ता है. तब जाकर एक उत्तम कोटि का अवलेह बनता है ! जवानी की उम्र आते ही गाँव-शहरों में हरेक अल्लू-गल्लू खोपड़ी पर इस देशी शराब का नशा जरुर चढ़ता है परन्तु किसी सवाये की एकाध पटकनी खाते या पुलिस का भरपूर डंडा पड़ते ही यह नशा काफूर हो जाता है । उपरवाला दादागिरी की नेमत हर किसी को नहीं बांटता । वह बहुत खोज-पड़ताल के बाद ही किसी-किसी पर अपनी कृपा की वृष्टि करता है ! कंस, दुर्योधन, रावण,हिटलर,मुसोलिनी और ट्रंप होना हर किसी के भाग्य में नहीं होता ! इसके लिए जिगरा चाहिए ! मरने-मारने के साथ बर्बाद करने और बर्बाद होने का जूनून होना !

दादागिरी के लिए एक अच्छे संगठक का गुण होना बहुत जरुरी है । अकेले के दम पर एकाध बार दादागिरी चल जाती है लेकिन मजबूत और स्थायी दादागिरी के लिए एक सशक्त संगठन और उसमें अंधभक्त,भेड़चाल शागिर्दों की नितांत आवश्यकता होती है । ये शागिर्द अपने मुखिया को भाई या दादा कहकर पुकारते हैं । यह दुनिया दादाओं के फसल से हर युग में खूब हरी-भरी रही है ! इन दादाओं की शान और रौब ऐसा होता है की इन्हें कुछ करना-धरना नहीं पड़ता. इनके चमचे ही एरिया में घूम-घूमकर इनके नाम की धौंस-पट्टी मारते हुए हर प्रकार का अच्छा-बुरा "केस" निपटा लेते हैं । साहित्य और राजनीति भी दादगिरी से अछूती नहीं है । गाँव-शहर से लेकर प्रांतीय और राष्ट्रीय स्तर तक इनमें भी बड़े-बड़े दादा नामी जीव होते हैं । हर कवि सम्मेलन, साहित्यिक बैठक इनके मुख्य–आतिथ्य के बिना श्रृंगार-सिन्दूर विहीना विधवा जैसी लगती है ! कुछ साहित्यिक पहलवान तो गैंग बनाकर राष्ट्रीय स्तर पर अपने पंजे की जबरदस्त पकड़ रखते हैं । इनकी चौकड़ी को उत्कृष्ट कोटि के साहित्यकार को घासीदास और निकृष्ट कोटि के साहित्यकार को एक पल में कालीदास बनाकर अकादमी पुरस्कार दिलाने या वंचित करने की चमत्कारिक प्रतिभा होती है ! ये साक्षात राहू-केतु की तरह होते हैं ! इनके समुचित पूजा-पाठ के बिना आप सूर्य हों कि चन्द्र हों,साहित्याकाश में चमक नहीं सकते ! राजनीति के क्षेत्र में भी जेन-जी का यह जमाना राष्ट्रीय-अन्तराष्ट्रीय दादागिरी का है !

क्या बरकरार रहेगी खामेनेई की इस्लामिक सत्ता ?

15 जनवरी को लगने लगा कि ट्रम्प अब कुछ ही घंटे में ईरान पर हमले का आदेश दे सकते हैं। नेतन्याहू का विमान इजराइली एयर स्पेस से बाहर कहीं 'सेफ जगह' पर चला गया। कतर के अमेरिकी एयरबेस से सैनिक हटाए जाने लगे। पेंटागन के आसपास पिज्जा के ऑर्डर्स बढ़ गए। ऐसा तभी होता है, जब अमेरिका कोई बड़ा एक्शन लेने वाला होता है। फिर अचानक ईरान को लेकर ट्रम्प के तेवर ढीले क्यों पड़ गए? आखिर ईरान पर हमले से पीछे क्यों हटे ट्रम्प, नेतन्याहू ने किस मजबूरी में ट्रम्प से हमला टालने को कहा। ऐसे में सवाल लाजिम है कि क्या अब सुप्रीम लीडर खामेनेई की सत्ता बनी रहेगी?

13 जनवरी को ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर ईरान के प्रदर्शनकारियों से कहा, 'प्रोटेस्ट करते रहिए। मदद रास्ते में है। ट्रम्प ईरान पर हमले का मन बना चुके थे, लेकिन अचानक उनके पीछे हटने की 4 बड़ी वजहें हैं...।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक 14 जनवरी को इजराइली पीएम नेतन्याहू ने ट्रम्प से बात की और ईरान पर किसी भी मिलिट्री अटैक का प्लान रोकने को कहा। ट्रम्प की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लीविट ने भी बताया कि ट्रम्प ने नेतन्याहू से बात की है। नेतन्याहू ने 13 जनवरी को अमेरिकी उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस से भी बात की थी। इसके बाद जेडी सहित ट्रम्प के करीबी लोगों ने व्हाइट हाउस में एक बैठक की, जिसमें ईरान पर हमले के विकल्पों पर चर्चा हुई।

एक अरब देश के ऑफिसर ने बताया कि सऊदी अरब, कतर, ओमान और इजिप्ट के सीनियर ऑफिसर बीते कुछ दिनों से अमेरिकी ऑफिसर्स को फोन करके ईरान पर हमला न करने का मैसेज दे रहे हैं। मिडिल ईस्ट में दो देशों के राजदूतों ने भी कहा कि अरब देशों ने ट्रम्प प्रशासन पर दबाव डाला है कि वह ईरान पर हमला न करे। इन अरब देशों ने ईरान से भी कहा है कि अगर अमेरिका, उस पर हमला करे, तो अरब देशों पर बदले की कार्रवाई न करे। सऊदी अरब ने अमेरिका को यह मैसेज दिया है कि ईरान पर हमले के लिए उसके एयर स्पेस के इस्तेमाल की इजाजत नहीं मिलेगी। ऐसे में ईरान पर हमला करने के लिए अमेरिका को लंबे रूट का इस्तेमाल करना पड़ेगा। इसमें खतरे भी हो सकते हैं। सऊदी अरब के राज्य मंत्री आदेल अल-जुबेर ने राजधानी रियाद में कहा, 'हमारा मानना है कि किसी भी तनाव को बातचीत की मेज पर सुलझाया जाना चाहिए।'

इस समय मिडिल ईस्ट में कोई भी अमेरिकी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप तैनात नहीं है। 15 जनवरी को अमेरिका ने यूएसएस अब्राहम लिंकन के स्ट्राइक ग्रुप को साउथ चाइना सी से मिडिल ईस्ट की तरफ बढ़ने के ऑर्डर दिए हैं। यूएसएस अब्राहम लिंकन को मिडिल ईस्ट पहुंचने में एक हफ्ते का समय लग जाएगा। हमला रुकने की एक वजह यह भी है। अब्राहम लिंकन ने 8 जनवरी को दक्षिण चीन सागर में सैन्य अभ्यास किया है। ये जंग के दौरान F-35 जैसे फाइटर जेट्स के लिए लॉन्च पैड का काम करता है। ये अपने साथ 80 एयरक्राफ्ट ले जा सकता है।

ईरान की जेलों में बंद 800 प्रदर्शनकारियों को फांसी दी जानी थी। 26 साल के एक प्रदर्शनकारी इरफान सोल्तानी की फांसी 14 जनवरी को तय की गई। इसी बीच ट्रम्प ने मीडिया से कहा, 'हमें ईरान के खास सोर्सेज से पता चला है कि ईरान में हत्याएं रुक गई हैं। अब फांसी भी नहीं होने वाली।'इसी दिन शाम को ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा, 'फांसी देने की कोई योजना नहीं है। इसका सवाल ही नहीं उठता।' कुवैत, कतर, सऊदी अरब जैसे देशों ने अमेरिकी ऑफिसर्स से कहा कि ईरान पर हमला हुआ, तो इलाके में एक बड़ा संघर्ष छिड़ जाएगा। ईरान मिडिल ईस्ट में अमेरिकी बेसेज को टारगेट कर सकता है। इससे पहले 22 जून 2025 को जब अमेरिका ने अपने B2 बॉम्बर विमानों से ईरान की 3 न्यूक्लियर साइट्स पर हमले किए थे, तब ईरान ने अगले ही दिन कतर में अमेरिकी एयरबेस 'अल-उदैद' पर एयरस्ट्राइक कर दी थी। जबकि कतर, इजराइल और ईरान के बीच सीजफायर के लिए मध्यस्थता कर रहा था।

दरअसल, मिडिल ईस्ट में अमेरिका के 19 मिलिट्री बेस हैं। इनमें से 8 अरब देशों में अमेरिका ने स्थायी अड्डे बनाए हैं। इनमें बहरीन, इजिप्ट, इराक, जॉर्डन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब और UAE जैसे देश हैं। ये सभी देश अमेरिका के आर्थिक और डिफेंस मामलों में सहयोगी हैं। तेल व्यापार और डिफेंस पार्टनरशिप के बदले अमेरिका इन देशों को सुरक्षा की गारंटी देता है। वहीं ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों को समर्थन देने के बावजूद इजराइल नहीं चाहता कि अमेरिका फिलहाल ईरान पर हमला करे। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन में स्ट्रैटजिक स्टडीज प्रोग्राम के डिप्टी डायरेक्टर विवेक मिश्र के मुताबिक, इसके पीछे 2 वजहें हैं...

जून 2025 में इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष के चलते इजराइल की मिसाइल पावर कम हो गई है। इजराइल का 'आयरन डोम' मिसाइल डिफेंस सिस्टम भी कमजोर हो गया है। दोबारा मिसाइल बैटरीज की पूरी कैपेसिटी पाने और आयरन डोम को बड़े हमले के लिए तैयार करने में समय लगता है। इजराइल को लगता है कि अगर ईरान की सरकार ने तख्तापलट की कोशिश को नाकाम कर दिया, तो सरकार और ज्यादा मजबूत हो जाएगी। सुप्रीम लीडर खामेनेई की स्वीकार्यता भी बढ़ेगी और फिर ईरान मजबूती से इजराइल पर पलटवार कर सकता है।

ईरान में प्रोटेस्ट धीमा पड़ता हुआ दिख रहा है, हालांकि इसके पूरी तरह खत्म होने के संकेत नहीं हैं। द गार्डियन की रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार के सख्त रुख के चलते हालात अस्थायी रूप से शांत होते नजर आ रहे हैं। राजधानी तेहरान समेत कई शहरों के लोगों ने कहा है कि कुछ दिन पहले सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच सीधे टकराव हो रहे थे, लेकिन अब शांति है। सड़कों पर पहले जैसी भीड़, गोलीबारी और आगजनी नहीं दिख रही।

ईरान प्रशासन की तरफ से भी अब प्रदर्शनकारियों के लिए नरम भाषा में संदेश जारी किए जा रहे हैं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने कहा कि सरकार देश में स्थिति सुधारने, भ्रष्टाचार और मुनाफाखोरी पर लगाम लगाने की कोशिश कर रही है। ईरान सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर तेज ट्रायल और जल्दी से फांसी देने का ऐलान किया था। हालांकि, अब फांसी पर रोक लगा दी गई है। दो इजराइली ऑफिसर्स ने कहा कि ईरान में सरकार की सख्त कार्रवाई और इंटरनेट सर्विसेज ठप होने के चलते प्रोटेस्ट कमजोर हुए हैं और प्रदर्शनकारियों की हत्याओं में कमी आई है।

मनोज अग्रवाल

मकर संक्रांति पर पांच मुठ्ठी खिचड़ी के लिए सुपात्र की तलाश

देश एक वरिष्ठ पत्रकार संपादक महोदय ने मकर संक्रांति पर अपने ब्लाग में लिखा - कल खिचड़ी खाने के पूर्व पाँच मुट्ठी चावल और पाँच मुट्ठी उड़द की दाल दान के वास्ते हर सदस्य ने निकाली थी। घर में पाँच लोग हैं। इसलिए ढेर सारी खिचड़ी, रेवड़ियाँ, घी का पैकेट दे कर कहा गया, मंदिर में दे आओ। इसमें रुपये भी थे। मंदिर गया पर वहाँ जा कर लगा, पत्थर के देवता तो आस्था के प्रतीक हैं। ये तो खाएँगे नहीं। मंदिर की प्रबंध कमेटी के लोग हर तरह के धतकर्म करते हैं, वे रख लेंगे। यदि पुजारी को दूँ तो वही कौन-सा धर्मात्मा है! इसलिए मैंने वह सारा सामान जाड़े से ठिठुरते झाड़ू लगा रही एक स्त्री को दे दिया। पत्थर की मूर्ति से क्या अपेक्षा और मंदिर के दानपात्र में डाल दो तो उस प्रबंध कमेटी के सेठ संभव है मेरी सामग्री को अपनी दुकान में ले जा कर बेच दें। मैंने निष्कर्ष निकाला कि दान वंचित को करें। भरे पेट सेठों को नहीं।

अब उनकी इस टिप्पणी और निश्छलता पर मैंने सहृदयता से यह जबाव लिखा - देने वाला और है देवत है दिन रैन /लोग भरम मो पर करे ताको नीचे नैन। मैं ने आगे लिखा कि गीता के अनुसार सात्त्विक दान वह है जो एक हाथ से दूसरे हाथ को भी पता न चले। गीता में तीन तरह के दान बताए गए हैं एक सात्विक दूसरा राजसिक और तीसरा तामसिक। इसे आधुनिक कालखंड में परिस्थिति वश इस तरह भी समझ सकते हैं राजसिक दान इन दिनों अडानी जैसे के हिस्से में आ रहा है तामसिक दान ट्रंप दादा येन-केन प्रकरेण वसूली करने पर आमादा है बचा सात्विक दान कथित अस्सी करोड़ लोगों को दीनदयाल अंत्योदय योजना से पिछले दशक से मिल रहा है जिनमें से आधे होंडा स्प्लेंडर बाइकों वैगन-आर सैंट्रो कार में बैठ कर मुफ्त का राशन लेने आते हैं और उसे बाजार में आधे पोने दाम पर बेच कर अपने राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण कर रहे हैं।

अब अगर कोई श्रेष्ठ जन अपनी श्रद्धा आस्था से पांच मुठ्ठी चावल दाल मूंगफली और रेवड़ी मिला कर सुपात्र ढूंढ़ने का प्रयास करें और ढूंढ भी ले तो इस से किसी कर्मणाडी पंडित या भिखारी के परिवार का कितना भला हो सकता है? यह तो सिर्फ आत्म संतोष है बिल्कुल ऐसा कि सोना लुट गया और हम कोयले पर मुहर लगा रहे हैं। देश पूंजीपति चला रहे हैं दल बदलते हैं दिल नहीं बदलते। अटल बिहारी वाजपेयी सही बता कर गए सरकारें सब एक सी होती हैं कुछ कम खराब कुछ अधिक खराब सरकारों का मुखौटा बदलता है चरित्र नहीं बदलता क्योंकि जैसे ही सत्ता की लगाम किसी दूसरे राजनीतिक दल के पास पहुंचती है तो उसमें पिछले सत्ता धारी दूसरे दलों के कथित चरित्रवान सत्ता का आनंद उठाने के लिए एंट्री मार लेते हैं सत्ताधारी दल की मजबूरी होती है कि वह चीन की तर्ज पर विस्तार वादी नीति अपनाता है ताकि कुछ घटत बढ़त हो तो सत्ता बनी रहे और जब से विभिन्न क्षेत्रीय दलों के समर्थन और एलायंस से सत्ता पाने और चलाने का सिलसिला चला है हालात और भी रसातल में पहुंच गए हैं।

अब एक गरीब वो वोट बैंक है जो जन्म से पैदा होता है और संविधान के दस साल की सीमा रेखा को 76 साल तक खींच कर मौज ले रहा है बेशक आइएएस आइपीएस सुप्रीम कोर्ट का न्यायमूर्ति बन जाए लेकिन आरक्षण की रेवड़ी को नहीं छोड़ ना चाहता इसी तर्ज पर कुछ और दबंग जाति से जुड़े होकर भी ओबीसी की मिठाई खाकर सेहत बना रहे हैं बचा कुचा बेड़ा गर्क उन अस्सी करोड़ मुफ्त के राशन खोरों में शामिल है जो पांच किलो मुफ्त राशन लेकर गरीब होने का फर्जी ढोंग कर पात्रों का हक मार रहें हैं यह सारा खेल भ्रष्ट व्यवस्था और नैतिकता के अलंबरदारों के देखरेख में चलता है और चलता रहेगा और हम मे से कुछ निरीह सज्जन हैं जो अपनी नेकी की कमाई से खरीदे पांच मुठ्ठी खिचड़ी के लिए भी सुपात्र की खोज करने की कोशिश कर रहे हैं।

व्यवस्था धता बता रही है सत्ता खिलखिला रही है और आम आदमी रामराज की कल्पना में नैतिकता की नाव पर सवार होकर नीति नियंताओ की खोदी खाई से बाहर आने के लिए तिलमिला रहा है जय हो संविधान की जिसकी छत्रछाया में सब कुछ चल रहा है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

मौनी अमावस्या पर बना दुर्लभ संयोग

राशि अनुसार उपाय से मिलेगी पितृदोष से मुक्ति

माघ मास में आने वाली अमावस्या तिथि को मौनी अमावस्या कहते हैं और इस बार यह शुभ तिथि 18 जनवरी 2026 दिन रविवार को है. मौनी अमावस्या को हिंदू धर्म में बेहद पुण्यदायी तिथि बताया गया है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन पवित्र नदियों में स्नान व दान करने के साथ पितरों के नाम की पूजा और तर्पण करने का विशेष महत्व है. इस बार माघ अमावस्या पर सभी कार्य सिद्ध करने वाला सर्वार्थ सिद्धि योग और खुशी व सौभाग्य लाना वाला हर्षण योग बन रहा है, जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ गया है. ज्योतिष शास्त्र में मौनी अमावस्या का महत्व बताते हुए राशि अनुसार उपाय करने के बारे में भी बताया है. इन उपाय के करने से पितरों की कृपा प्राप्त होती है और पितृदोष से राहत मिलती है. साथ ही पर्सनल व प्रफेशनल लाइफ में चल रही टेंशन भी दूर हो जाती है. आइए जानते हैं मौनी अमावस्या पर राशि अनुसार कौन से उपाय करने चाहिए...

मेष और वृश्चिक राशि

मेष और वृश्चिक राशि के स्वामी मंगल ग्रह हैं इसलिए मौनी अमावस्या पर गरीब व जरूरतमंद लोगों को मूंगफली, तिल, गुड़, साबुत अनाज और फलों का दान करें. साथ ही चीटियों को शक्कर भी खिलाएं।

वृषभ और तुला राशि

वृषभ और तुला राशि के स्वामी शुक्र ग्रह हैं इसलिए मौनी अमावस्या पर तांबे के बर्तन में जल भरकर घर में किसी गुप्त स्थान पर रख दें और तुलसी की सुबह शाम पूजा भी करें. साथ ही इस दिन सफेद वस्त्र, चावल, दूध, मोती, चीनी आदि चीजों को दान करें।

मिथुन और कन्या राशि

मिथुन और कन्या राशि के स्वामी बुध ग्रह हैं इसलिए मौनी अमावस्या पर शिवलिंग का अभिषेक करें और ॐ नमः शिवाय मंत्र का जप करें. साथ ही गाय को हरा चारा खिलाएं और शाम के समय घर की दक्षिण दिशा में पितरों के नाम का दीपक भी जलाएं।

कर्क राशि

कर्क राशि के स्वामी चंद्र ग्रह हैं इसलिए मौनी अमावस्या के दिन घर की कच्चे दूध से सफाई करें और चावल, दूध, सफेद तिल का दान करें और शाम के समय ॐ सोम सोमाय नमः मंत्र का जप करते हुए चंद्रमा को अर्घ्य दें।

सिंह राशि

सिंह राशि के स्वामी सूर्य देव हैं इसलिए मौनी अमावस्या के दिन गरीब व जरूरतमंद लोगों को गेहूं, लाल वस्त्र और गुड़ का दान करें. साथ ही तांबे के लौटे से सूर्य के अर्घ्य दें. ऐसा करने से मान-सम्मान में वृद्धि होती है और पितरों की कृपा भी प्राप्त होती है।

धनु और मीन राशि

धनु और मीन राशि के स्वामी गुरु ग्रह हैं इसलिए मौनी अमावस्या के दिन किसी नदी या तालाब में पितरों के नाम का दीपदान करें और पितरों के नाम का साधु-संतों में दान करें।

मकर और कुंभ राशि

मकर और कुंभ राशि के स्वामी शनिदेव हैं इसलिए मौनी अमावस्या के दिन किसी गरीब व जरूरमंद व्यक्ति को देसी घी, काले तिल, काले वस्त्र, जूता-चप्पल आदि चीजों का दान करें. साथ ही पास के किसी नीम के पेड़ को पानी भी दें।

मौनी अमावस्या पर टूट जाए मौन व्रत, तो क्या करें?

इस दिन लोग स्नान और दान के साथ ही मौन व्रत रखते हैं. मौन व्रत काफी कठिन माना जाता है क्योंकि आप पूरे दिन न बोलने का संकल्प लेते हैं. यदि गलती से भी एक शब्द आपके मुख से निकलता है तो आपका मौन व्रत टूट जाता है. इससे दोष लगता है. एक मौन व्रत स्नान करने तक का होता है, जब आप उठते हैं और जब तक स्नान नहीं कर लेते तब तक कुछ नहीं बोलते हैं, मौन धारण करके रखते हैं. इसमें भी भूलवश व्यक्ति स्नान से पहले ही बोले देता है और उसका व्रत टूट जाता है. मौनी अमावस्या पर मौन व्रत टूट जाए तो क्या करें? दोष से मुक्ति का उपाय क्या है?

मौन व्रत टूट जाए तो क्या करें?

काशी के ज्योतिषाचार्य चक्रपाणि भट्ट का कहना है कि मौनी अमावस्या पर मौन व्रत के नियम हैं, जिसका पालन करना चाहिए. यदि आपको मौन व्रत रखना ही है तो एक दिन पहले तय कर लें. उसके अनुसार मौनी अमावस्या की सुबह उठकर दैनिक क्रिया से निवृत हो जाएं और स्नान कर लें. स्नान करने तक कुछ भी न बोलें. जो संकल्प लेकर पूरे दिन का मौन व्रत रखते हैं, वे प्रण कर लें कि वे नहीं बोलेंगे. फिर भी किसी कारण से उनका मौन व्रत टूट जाता है तो परेशान न हों।

मौन व्रत का उद्देश्य आत्म चिंतन, ईश्वर से आत्मा के जुड़ाव, अंतर्मन की यात्रा, आध्यात्मिक उन्नति का है. इस वजह से लोग मौन होकर एक दिन स्वयं को तलाशते हैं. ।वे कौन हैं, उनके जन्म का उद्देश्य क्या है, यह मानव जीवन क्यों मिला है? मौन व्रत के माध्यम से आप अपने करियर, आध्यात्म आदि का विश्लेषण कर सकते हैं. इस दौरान मानसिक मंत्र जाप, अपने इष्ट के नाम का जाप कर सकते हैं।

दोष निवारण उपाय

जिन लोगों का मौन व्रत टूटता है, तो उनको दोष लगता है. वे लोग मौन व्रत टूटने के बाद विशेषकर काले तिल का दान करें. तिल के अलावा आप सप्तधान्य या अन्न, वस्त्र, फल आदि का दान करें. व्रत टूट गया है तो मन में कष्ट या ग्लानि हो सकती है, इसका भी निवारण जरूरी है।

इस कष्ट से मुक्ति का सबसे आसान उपाय है कि आप अपने मुख से भजन-कीर्तन करें. किसी गुरु से दीक्षा ली है तो उनसे प्राप्त गुरु मंत्र का जाप करें. आपके जो भी इष्ट देव हैं, उनके नाम का जाप कर सकते हैं. या फिर जो मंत्र आपको अच्छा लगता है, जिसके जाप से आपको मानसिक शांति मिलती है, उस मंत्र का जाप कर सकते हैं।

महाभारत काल के 52 कुंड : पांडवों ने जहां बिताया था अज्ञातवास

मध्य प्रदेश का शिवपुरी इलाका महाभारत काल से जुड़ी कई लोककथाओं और ऐतिहासिक मान्यताओं के लिए जाना जाता है. इन्हीं में से एक बेहद रोचक और चर्चित स्थान है बाणगंगा कुंड. कहा जाता है कि यह स्थान पांडवों के अज्ञातवास की यादों को आज भी अपने भीतर समेटे हुए है. यहां मौजूद कुंड न सिर्फ कहानी कहते हैं, बल्कि प्राचीन जल संरक्षण तकनीक का भी उदाहरण पेश करते हैं।

अज्ञातवास के दौरान पांडव यहां रुके थे

लोककथाओं के अनुसार, अज्ञातवास के समय पांडवों ने शिवपुरी के घने जंगलों में कुछ समय बिताया था. एक दिन कुंती को तेज प्यास लगी, लेकिन आसपास कहीं पानी नजर नहीं आया. तब अर्जुन ने अपनी विद्या का प्रयोग करते हुए जमीन पर तीर चलाया. जैसे ही तीर जमीन में धंसा, वहां से पानी की धार निकल पड़ी. इसी बाण (तीर) से निकली गंगा जैसी जलधारा के कारण इस जगह का नाम बाणगंगा पड़ गया. महंत श्री नारायणदास जी महाराज बताते हैं कि यहां पर गायों की प्यास बुझाने के लिए अर्जुन ने तीर से गंगा को प्रकट किया था. यहां पर पवन कुंड थे कुछ कुंड दब गए हैं कुछ कचरे में विलुप्त हो गए हैं. सिद्धेश्वर मंदिर तक 52 कुंड थे.

52 कुंडों का अनोखा समूह

कहा जाता है कि पांडवों को यह स्थान इतना पसंद आया कि उन्होंने यहां लंबे समय तक ठहराव किया और जल संरक्षण के लिए 52 कुंडों का निर्माण करवाया. ये कुंड बाणगंगा से लेकर सिद्धेश्वर क्षेत्र तक फैले हुए थे. सभी कुंड पत्थरों से बनाए गए थे और इनकी गहराई करीब 10 से 15 फीट तक बताई जाती है. इन कुंडों की खास बात यह थी कि इन्हें इस तरह से बनाया गया था कि बारिश का पानी लंबे समय तक सहेज कर रखा जा सके. यही वजह है कि सदियों बाद भी इन कुंडों में सालभर पानी रहता है।

पांडवों के नाम पर हैं कुंड

बाणगंगा क्षेत्र के कुंडों के नाम भी लोगों के बीच खासे प्रसिद्ध हैं. यहां भीम कुंड, नकुल कुंड, सहदेव कुंड और सास-बहू कुंड जैसे नामों वाले कुंड मौजूद हैं।

इनमें भीम कुंड सबसे बड़ा माना जाता है, जबकि सास-बहू कुंड अपनी अनोखी बनावट के लिए जाना जाता है। यह कुंड काफी संकरा और बेहद गहरा है, जिसे देखकर लोग आज भी हैरान रह जाते हैं कि उस समय इतनी सटीक संरचना कैसे बनाई गई होगी. इतिहासकार और लेखक प्रमोद भार्गव के अनुसार, महाभारत काल में जल खोजी तीरों का उल्लेख मिलता है. मान्यता है कि ये तीर इस तरह से बनाए जाते थे कि जहां जमीन के नीचे पानी होता था, वहीं जाकर गिरते थे. तीर लगते ही थोड़ी मात्रा में पानी बाहर आ जाता था. बाद में उसी स्थान पर बड़ा गड्ढा या कुंड बनाकर पानी को इकट्ठा कर लिया जाता था. बाणगंगा के कुंड इसी तकनीक का उदाहरण माने जाते हैं.

शिलालेख भी देते हैं प्राचीनता के संकेत

कुंडों के पास एक बड़ा पत्थर मौजूद है, जिस पर ब्राह्मी लिपि में शिलालेख खुदा हुआ है. इतिहासकार अरुण अपेक्षित बताते हैं कि यह शिलालेख इस स्थान की प्राचीनता की ओर इशारा करता है. हालांकि लिपि पूरी तरह पढ़ी नहीं जा सकी है, लेकिन इससे यह संकेत जरूर मिलता है कि यह स्थल महाभारत काल या उससे भी पहले का हो सकता है. बाणगंगा इलाके में पाए जाने वाले पत्थरों को स्थानीय लोग पुरतीला पत्थर कहते हैं।

इन पत्थरों की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ये बारिश के पानी को अपने अंदर सोख लेते हैं और लंबे समय तक उसे संजोकर रखते हैं. यही कारण है कि इन कुंडों में बारहों महीने पानी बना रहता है, चाहे गर्मी कितनी भी तेज क्यों न हो. इन कुंडों से पानी न तो पंप के जरिए निकाला जाता है और न ही किसी घरेलू उपयोग में लिया जाता है।

माघ माह की गुप्त नवरात्रि कल से

गुप्त नवरात्रि की बात की बात की जाए तो हिंदी पंचांग के अनुसार, पहली बार ये आषाढ़ और दूसरी बार माघ माह में मनाई जाती है. गुप्त नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा के नौ स्वरूपों के अलावा दस महाविद्याओं की पूजा की जाती है. माघ गुप्त नवरात्रि हर साल माघ माह की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक मनाई जाती है. ऐसे में आइए जानते हैं कि इस साल ये कब मनाई जाने वाली है? साथ ही जानते हैं इसका शुभ मुहूर्त और पूजा विधि।

माघ गुप्त नवरात्रि कब है?

साल 2026 में माघ माह की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि सोमवार 19 जनवरी को देर रात 01 बजकर 21 मिनट पर शुरू हो रही है. वहीं इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 19 जनवरी को देर रात 02 बजकर 14 मिनट पर हो जाएगा. सनातन धर्म में उदया तिथि मानी जाती है. अतः इस साल 19 जनवरी से गुप्त नवरात्रि की शुरुआत हो रही है. इस दिन घटस्थापना और पूजा की जाएगी।

गुप्त नवरात्रि 2026 घटस्थापना मुहूर्त

वैदिक गणना अनुसार, 19 जनवरी को घटस्थापना का शुभ समय प्रातः काल (सुबह) 07 बजकर 14 मिनट से शुरु होगा. ये सुबह 10 बजकर 46 मिनट तक रहेगा. अभिजीत मुहूर्त में दोपहर 12 बजकर 11 मिनट से शुरू होगा. ये दोपहर 12 बजकर 53 मिनट तक रहेगा. ऐसे में साधक अपनी सुविधा अनुसार समय पर घटस्थापना यानी कलश स्थापना कर गुप्त नवरात्रि की शुरुआत कर सकते हैं.

गुप्त नवरात्रि पूजा विधि

गुप्त नवरात्रि में तांत्रिक और अघोरी मां दुर्गा की आधी रात में पूजा करते हैं.

इस दौरान सबसे पहले मां दुर्गा की प्रतिमा या मूर्ति स्थापित की जाती है।

फिर उनको लाल रंग का सिंदूर चढ़ाया जाता है. सुनहरे गोटे वाली चुनरी चढ़ाई जाती है.

इसके बाद मां के चरणों में पूजा सामग्री अर्पित की जाती है.

मां दुर्गा को लाल पुष्प चढ़ाया जाता है।

सरसों के तेल से दीपक जलाया जाता है.

'ॐ दुं दुर्गायै नमः' मंत्र का जाप किया जाता है।

कैसे पैदा हुए पांडवों और कौरवों के गुरु द्रोणाचार्य?

महाभारत की कथा में बहुत से किरदार हैं जो शक्तिशाली होने के साथ-साथ रहस्यमयी भी हैं. महाभारत के ऐसे ही एक किरदार हैं गुरु द्रोणाचार्य. द्रोणाचार्य भगवान परशुराम के शिष्य थे. उन्होंने कौरवों और पाडंवों को अस्त्र-शस्त्र की शिक्षा दी थी. उनके पुत्र का नाम अश्वत्थामा था. गुरु द्रोणाचार्य की महाभारत के युद्ध के साथ-साथ सभी प्रमुख योद्धाओं के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका थी।

गुरु द्रोणाचार्य ने अर्जुन को सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर बनाया, लेकिन महाभारत का युद्ध उन्होंने कौरवों की ओर से लड़ा और वीरगति को प्राप्त हुए. उनकी जीवन यात्रा की ही तरह उनके जन्म की कथा भी बेहद रोचक है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है. ऐसे में आइए जानते हैं कि गुरु द्रोणाचार्य का जन्म कैसे हुआ था?

कैसै हुआ गुरु द्रोणाचार्य का जन्म

एक महान ऋषि हुआ करते थे. उनका नाम था महर्षि भरद्वाज. वो गंगा नदी के तट पर आश्रम बनाकर तप किया करते थे. एक दिन वो गंगा में स्नान करने के लिए गए थे. उसी दौरान उनको वहां स्वर्ग की अप्सरा घृताची दिखाई पड़ीं. अप्सरा को देखते ही अनजाने में ही सही, लेकिन महर्षि भरद्वाज के मन में कामभाव उत्पन्न हो गया. इसके बाद उनके शरीर से वीर्य स्खलित हो गया. इस पर उन्होंने तुरंत अपने कमंडलु (पात्र) में उस वीर्य को इकठ्ठा कर लिया. इसके बाद ईश्वर की कृपा से उसी कमंडलु में एक दिव्य बालक ने जन्म लिया, जिसका नाम द्रोण रखा गया. संस्कृत में "द्रोण" का अर्थ पात्र (कमंडल) होता है, इसलिए उनका द्रोणाचार्य पड़ा. द्रोणाचार्य ने किसी स्त्री के गर्भ से नहीं, बल्कि एक पात्र में जन्म लिया, जो अपने आप में अनोखी बात है।

द्रोणाचार्य का पुत्र आज भी है जीवित

द्रोणाचार्य का विवाह कृपाचार्य की बहन कृपि से हुआ था. आगे चलकर उनको एक पुत्र की प्राप्ति हुई, जिसका नाम उन्होंने अश्वत्थामा रखा. अश्वत्थामा को महाभारत के युद्ध के अंत में भगवान श्रीकृष्ण ने श्राप दिया था. माना जाता है कि भगवान के श्राप के चलते अश्वत्थामा आज भी भटक रहा है और अपने पापों का दंड भोगते हुए जीवित है।

हनुमान जी और भोलेनाथ के भक्तों पर क्यों नहीं होती शनिदेव की टेढ़ी दृष्टि?

हिंदू धर्म में शनिदेव को कर्मफल दाता और न्याय का देवता कहा गया है. वहीं ज्योतिष शाास्त्र में शनिदेव एक महत्वपूर्ण ग्रह के रूप में देखे जाते हैं जो हर ढाई साल में एक राशि से दूसरी राशि में गोचर करते हैं. शनि देव लोगों को उनके कर्मों के अनुसार, फल और दंड देते हैं. शनिवार का दिन शनिदेव को समर्पित है. इस दिन शनिदेव की विशेष पूजा की जाती है।

लोग शनिदेव का नाम सुनते ही भयभीत हो जाते हैं. इसका कारण है शनिदेव की टेढ़ी यानी वक्र दृष्टि. माना जाता है कि शनिदेव अगर प्रसन्न हो जाएं तो रंक को राजा बना देते हैं. वहीं अगर उन्होंने व्यक्ति पर अपनी वक्र दृष्टि डाली तो उसका जीवन परेशानियों से घिर जाता है, लेकिन कहा जाता है कि हनुमान जी और भोलेनाथ के भक्तों पर शनिदेव की टेढ़ी दृष्टि नहीं पड़ती. आइए जानते हैं इसका कारण क्या है?

हनुमान जी ने कारागार से किया था मुक्त

पौराणिक कथा के अनुसार, हनुमान जी जब माता सीता की तलाश करते हुए लंका पहुंचे तो वहां उन्होंने शनि देव को बंदी बने देखा. इसके बाद हनुमान जी ने शनिदेव को रावण की कैद से मुक्त कराया. इस पर खुश होकर शनिदेव ने हनुमान जी को वरदान दिया कि वो उनकी आराधना करने वाले को कभी कष्ट नहीं देंगे. यही कारण है कि साढ़ेसाती और ढैय्या के समय हनुमान जी के पूजन की सलाह दी जाती है।

एक दूसरी कथा के अनुसार, अहंकार में डूबे शनिदेव ने हनुमान जी के जाप में बाधा डालने का प्रयास किया. शनिदेव ने उनका ध्यान भंग करने की कई कोशिशे कीं. उन्होंने अपनी शक्ति का डर दिखाकर उनको डराने का प्रयास भी किया, लेकिन हनुमान जी पर कोई प्रभाव न हुआ. तब शनिदेव का क्रोध सातवें आसमन पर पहुंच गया. अंत में शनिदेव ने हनुमान जी को चुनौती डे डाली.

शनिदेव को पत्थरों पर पटका था

इसके बाद हनुमान जी ने कहा कि वो प्रभु राम की भक्ति में लीन हैं, इसलिए वो उनकी शांति भंग न करें, लेकिन शनिदेव ने हनुमान जी की बांह पकड़ ली. फिर बजरंगबली ने क्रोध में शनिदेव को अपनी पूंछ में लपेट लिया. इतने में भी शनिदेव उन्हें ललकारना नहीं छोड़ा. शनिदेव ने कहा कि कहा कि तुम क्या तुम्हारे श्रीराम भी मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकते. इस पर क्रोध में हनुमान जी उनको पत्थर पर पटकना शुरू कर दिया।

अंत में शनि देव ने बजरंगबली से माफी मांगी. तब हनुमान जी ने उनसे कहा कि भविष्य भी ऐसी उद्दंडता मत करना और न ही मेरे भक्तों को सताना. तभी से हनुमान जी के भक्तों पर शनिदेव टेढ़ी दृष्टि नहीं डालते और ना ही उनको सताते हैं. पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान शिव ने शनिदेव को कर्म दंडाधिकारी का पद दिया है. भगवान सूर्य ने शनिदेव को विभिन्न लोकों का अधिपत्य प्रदान किया।

इसलिए शिव भक्तों पर वक्र दृष्टि नहीं डालते

इसके बाद भी उन्होंने दूसरों लोकों पर कब्जा कर लिया. तब सूर्यदेव ने भगवान शिव से शनिदेव को सही मार्ग दिखाने का निवेदन किया।

इसके बाद भगवान शिव ने अपने गणों को शनिदेव से युद्ध के लिए भेजा लेकिन शनि देव ने सबको परास्त कर दिया. अंत शिव जी ने शनिदेव से युद्ध किया. युद्ध के दौरान उन्होंने शिव जी पर वक्र दृष्टि डाली. तब महादेव ने अपना तीसरा नेत्र खोलकर शनिदेव को नष्ट कर दिया।

भगवान भोलेनाथ ने अपने त्रिशूल के अचूक प्रहार से शनिदेव को संज्ञाशून्य कर दिया और 19 सालों के लिए पीपल के वृक्ष से उल्टा लटका दिया. इस दौरान शनिदेव भगवान शिव की अराधना करते रहे, इसीलिए कहा जाता है कि भगवान शिव के भक्तों पर कभी भी शनिदेव अपनी वक्र दृष्टि नहीं डालते हैं।

'एक ब्राउन लड़की हॉलीवुड में, तुम पागल हो'

प्रियंका चोपड़ा की मैनेजर ने किया चौंकाने वाला खुलासा

प्रियंका चोपड़ा आज एक ग्लोबल स्टार हैं। वह देश की पहली ऐसी एक्ट्रेस हैं, जिन्हें हॉलीवुड में इस कदर ख्याति मिली है। लेकिन 10 साल पहले जब उन्होंने हॉलीवुड की राह चुनी थी, तब उन्हें अमेरिका में बहुत संघर्ष करना पड़ा था। यह खुलासा उनकी मैनेजर अंजुला आचार्य ने एक इंटरव्यू में किया है।

बॉलीवुड की 'देसी गर्ल' प्रियंका चोपड़ा अब ग्लोबल स्टार हैं। बीते 10 साल में उन्होंने हॉलीवुड में अपनी एक जुदा और दमदार पहचान बनाई है। गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड के मंच से लेकिन ऑस्कर अवॉर्ड के रेड कारपेट तक, प्रियंका चोपड़ा ने हिंदुस्तान को बड़ी पहचान दिलाई है। लेकिन क्या उनका यह सफर इतना आसान था? साल 2015 में, जब प्रियंका ने हिंदी फिल्मों से दूर 'क्वांटिको' से हॉलीवुड की राह पकड़ी तो कई लोगों ने इसकी आलोचना की। तब उन्होंने एबीसी स्टूडियोज के साथ एक टैलेंट-होल्डिंग डील साइन की थी। थ्रलिर सीरीज 'क्वांटिको' में एलेक्स पैरिश के किरदार ने उन्हें पॉपुलैरिटी दी और वह देखते ही देखते हॉलीवुड की सबसे पॉपुलर फ्रेंचाइज 'द मैट्रिक्स 4' और 'सिटाडेल' तक का सफर तय किया। आगे वह 'द ब्लफ' में नजर आने वाली हैं। एक्ट्रेस की मैनेजर अंजुला आचार्य खुलासा करती हैं कि यह हमेशा से ऐसा नहीं था। बल्कि शुरुआत में तो प्रियंका के हॉलीवुड वाले फैसले को लोगों ने 'पागलपन' कहा था। 'द ओके स्वीटी शो' में पहुंचीं मैनेजर अंजुला आचार्य बताती हैं कि शुरुआत में इस आइडिया पर हर किसी को शक था। कई लोग उन्हें 'पागल' कह रहे थे। यह भी कहा गया कि 'एक ब्राउन बॉलीवुड स्टार को अमेरिका में' लाने की कोशिश बेकार है।

अंजुला आचार्य कहती हैं, 'जब मैंने प्रियंका चोपड़ा को साइन किया तो लोगों ने मुझसे कहा कि मैं बेवकूफ हूं। सब कह रहे थे, 'तुम एक ब्राउन बॉलीवुड स्टार को अमेरिका में सफल नहीं बना सकतीं'। मैं जिमी (इंटरस्कोप रिकॉर्ड्स के को-फाउंडर) के पास गई, क्योंकि हमने इंटरस्कोप में एक लेबल डील के जरिए उन्हें साथ में साइन किया था। मैंने कहा, 'जिमी, लोग कह रहे हैं कि मैं पागल हूं। इस पर उन्होंने कहा, 'क्या तुम्हें पता है कि जब मैं एक व्हाइट रैपर को लॉन्च करना चाहता था जिसका नाम एमिनेम था, तो सबने सोचा था कि मैं पागल हूं।'

शुरुआत में मेकर्स के असिस्टेंट के असिस्टेंट मिलना पड़ा

उसी बातचीत में, अंजुला आचार्य ने हॉलीवुड में प्रियंका के शुरुआती, मुश्किल दिनों के बारे में भी बताया। तब उन्हें इंडस्ट्री में कई 'असिस्टेंट के असिस्टेंट' से मिलना पड़ता था। यानी कोई भी फिल्ममेकर सीधे प्रियंका से बात नहीं करता था। बल्कि उसके असस्टिेंट के असिस्टेंट से ही बात हो पाती थी। अंजुला कहती हैं कि प्रियंका के बॉलीवुड में कद को देखते हुए, यह दिल तोड़ने वाली बात थी। उन्होंने कहा, 'जरा सोचिए, आप एक देश की बियॉन्से जैसी हस्ती हैं, लेकिन कोई और नहीं जानता। सिर्फ आप जानते हैं। वह अपना परिचय दे रही है और कह रही है, 'आप नहीं जानते कि मैं कौन हूं, लेकिन मैं प्रियंका चोपड़ा हूं।' मैं उनके साथ एक कैफेटेरिया में असिस्टेंट के असिस्टेंट से मिल रही थी। मुझे उनके लिए बहुत दुख हो रहा था, लेकिन वह बहुत शानदार हैं। उनमें बिल्कुल भी अहंकार नहीं है।' अंजुला आचार्य ने आगे बताया कि प्रियंका के साथ काम करने से उन्हें विनम्र रहने की सीखने मिली है। वह कहती हैं, 'प्रियंका ने सच में मुझे बहुत विनम्रता सिखाई है।

आ रही है प्रियंका चोपड़ा की 'द ब्लफ' और 'वाराणसी'

वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा जल्द ही एक समुद्री डाकू एडवेंचर फिल्म 'द ब्लफ' में ब्लडी मैरी के रोल में नजर आएंगी। इसमें उनके को-स्टार कार्ल अर्बन हैं। यह फिल्म 25 फरवरी 2026 को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। इसके बाद वह एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' से भारतीय सिनेमा में कमबैक कर रही हैं।

तमन्ना के आइटम नंबर 'आज की रात' ने बनाया रिकॉर्ड

यूट्यूब पर गाने को 100 करोड़ व्यूज मिले

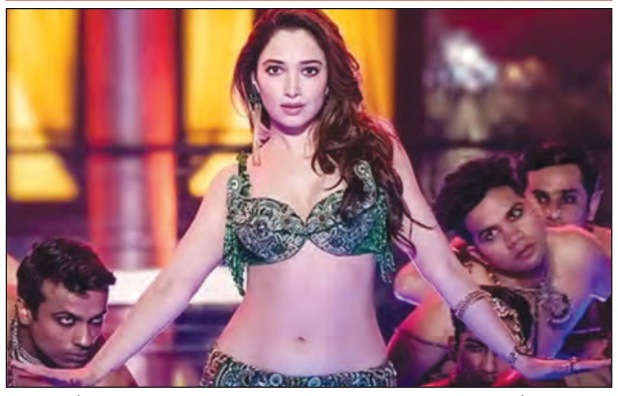

स्त्री-2 में तमन्ना भाटिया का डांस नंबर 'आज की रात' ने एक नई उपलब्धि हासिल कर ली है। इस गाने ने यूट्यूब पर ऑफिशियली 1 बिलियन यानी कि 100 करोड़ व्यूज का आंकड़ा पार कर लिया है। एक्ट्रेस ने इस अचीवमेंट्स पर ख़ुशी ज़ाहिर की है।

उन्होंने गाने की शूटिंग के कुछ क्लिप शेयर करते हुए लिखा-पहले व्यू से लेकर 1 बिलियन व्यूज तक। आप सभी के प्यार के लिए शुक्रिया। शेयर किए गए वीडियो क्लिप में तमन्ना कोरियोग्राफर विजय गांगुली और टीम के बाक़ी सदस्यों के साथ नज़र आ रही हैं। दूसरे और तीसरे क्लिप में वो परफॉर्म करते दिख रही हैं। 'आज की रात' गाने की बात करें तो ये श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर फिल्म स्त्री-2 का गाना है। इस आइटम डांस नंबर को तमन्ना भाटिया पर फिल्माया गया है। गाने को मधुबंती बागची और दिव्या कुमार ने आवाज दी है। इसे अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखा है और सचिन-जिगर ने म्यूजिक दिया है। बता दें कि तमन्ना के डांस नंबर्स से पहले कई और भारतीय गाने रहे हैं, जिन्होंने यूट्यूब पर 100 करोड़ से ज्यादा व्यूज हासिल किए हैं।

अमिताभ बच्चन को नई तकनीक नहीं सीखने का अफसोस

> नए ब्लॉग में लिखा-सीखने लगूं तब तक वक्त निकल जाता है, काश पहले सीख लेता

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने तेजी से बदलती तकनीक और आज के दौर में सीखने की चुनौती को लेकर खुलकर बात की है। अपने हालिया ब्लॉग पोस्ट में बिग बी ने स्वीकार किया कि उन्हें इस बात का अफसोस है कि कई चीजें उन्होंने समय रहते नहीं सीखीं। खासतौर पर वे चीजें जो उनके दौर में मौजूद ही नहीं थीं। अमिताभ बच्चन ने लिखा- "हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है, लेकिन अफसोस इस बात का है कि जो सीखना जरूरी था, वह सालों पहले सीख लिया जाना चाहिए था।" उन्होंने कहा कि आज आविष्कारों और नई प्रणालियों की रफ्तार इतनी तेज है कि जब तक कोई उसे सीखना शुरू करता है, तब तक वक्त आगे निकल चुका होता है। उम्र के साथ सीखने की इच्छा, ऊर्जा और प्रयास भी धीरे-धीरे कम हो जाते हैं।

अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए बिग बी ने बताया कि हालिया मीटिंग्स से उन्हें यह सीख मिली कि किसी भी काम की बुनियादी समझ रखना जरूरी है और उसके बाद उस काम को युवा, योग्य और एक्सपर्ट टैलेंट को सौंप देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर किसी काम को लेकर आप पूरी तरह योग्य नहीं भी हैं, तो इसमें कोई समस्या नहीं है। उसे स्वीकार करें, विशेषज्ञों को हायर करें और काम पूरा करवाएं। अमिताभ ने पुराने और नए दौर की तुलना करते हुए कहा कि पहले अगर किसी को कोई काम नहीं आता था तो वह या तो उसे कर ही नहीं पाता था या फिर पछतावा रह जाता था। लेकिन आज के समय में आउटसोर्सिंग के जरिए काम आसानी से पूरा किया जा सकता है, जो उनके लिए एक बड़ी राहत है। बता दें कि बीते साल बिग बी ने अपने ब्लॉग में बढ़ती उम्र की चुनौतियों पर बात की थी। उन्होंने बताया था कि कैसे आसान से काम को करने के लिए ज्यादा कोशिश करनी पड़ती है।

डॉन-3 में शाहरुख खान की होगी वापसी

फरहान अख्तर के निर्देशन में बनने वाली फिल्म 'डॉन-3' एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है। नई रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस आइकॉनिक फ्रेंचाइजी में शाहरुख खान की वापसी हो सकती है। बताया जा रहा है कि फरहान अख्तर और किंग खान के बीच फिल्म को लेकर दोबारा बातचीत शुरू हो चुकी है। टेली चक्कर की रिपोर्ट के अनुसार, शाहरुख खान ने फिल्म में लौटने के संकेत तो दिए हैं, लेकिन एक खास शर्त के साथ। एक्टर चाहते हैं कि 'डॉन-3' का निर्देशन साउथ के चर्चित डायरेक्टर एटली करें। शाहरुख ने फरहान के सामने यह प्रस्ताव रखा है कि अगर एटली इस प्रोजेक्ट से जुड़ते हैं, तो वह फिल्म में वापसी पर विचार कर सकते हैं। बता दें कि शाहरुख औ एटली जवान में साथ काम कर चुके हैं।

'तू बाप है कि क्या है'? सुनीता ने कसा गोविंदा पर तंज

बेटे यश के करियर को लेकर किया बड़ा खुलासा

अभिनेता गोविंदा के बेटे यश बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर 'ढिशूम' व 'किक 2' जैसी फिल्मों में काम करने के बाद अब अभिनेता के रूप में शुरुआत करने वाले हैं। इस बीच उनकी मां सुनीता आहूजा ने बेटे के करियर में गोविंदा की भूमिका पर बात की। सुनीता का कहना है कि गोविंदा ने बेटे के करियर में कोई मदद नहीं की। इसे लेकर सुनीता आहूजा अपने पति पर नाराजगी भी जता चुकी हैं।

क्या अफेयर पर सुनीता आहूजा ने तोड़ी चुप्पी?

गोविंदा और सुनीता आहूजा अपने रिलेशनशिप को लेकर बीते काफी वक्त से सुर्खियों में हैं। कुछ वक्त पहले दोनों के तलाक को लेकर भी खबरें आई थीं। मगर, बाद में दोनों ने इस पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि उनका रिश्ता मजबूत है। इसके अलावा गोविंदा के कथित एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर की खबर भी आईं। अब हाल ही में एक इंटरव्यू ने सुनीता आहूजा ने गोविंदा के कथित अफेयर को लेकर चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि, 'ऐसी लड़कियां बहुत आती हैं'।

कहा-'मैं गोविंदा को माफ नहीं करूंगी'

सुनीता आहूज ने बेटे यश के करियर में गोविंदा के रोल पर भी बात की। मिस मालिनी पर पॉडकास्ट से जारी प्रोमो में सुनीता आहूजा यह कहती दिखी हैं। प्रोमो में वह जिस तरह कहती दिखी हैं, ऐसा लगा है कि उन्होंने गोविंदा के कथित अफेयर के बारे में बात की है। वे कहती नजर आ रही हैं, 'मैं गोविंदा को माफ नहीं करूंगी। मैं नेपाल की हूं; खुकुरी निकाल दूंगी ना, तो सबकी हालत खराब हो जाएगी। इसलिए बोलती हूं, सतर्क हो जा बेटा, अभी भी'। सुनीता आहूजा ने आगे कहा, 'ऐसी लड़कियां बहुत आती हैं। लेकिन, तुम थोड़ी बेवकूफ हो। तुम 63 साल के हो गए हो। तुम्हें टीना की शादी करने की जरूरत है।

बिपाशा बसु ने फॉलो किया वायरल '2016' ट्रेंड

साझा कीं करण सिंह ग्रोवर के साथ शादी की तस्वीरें

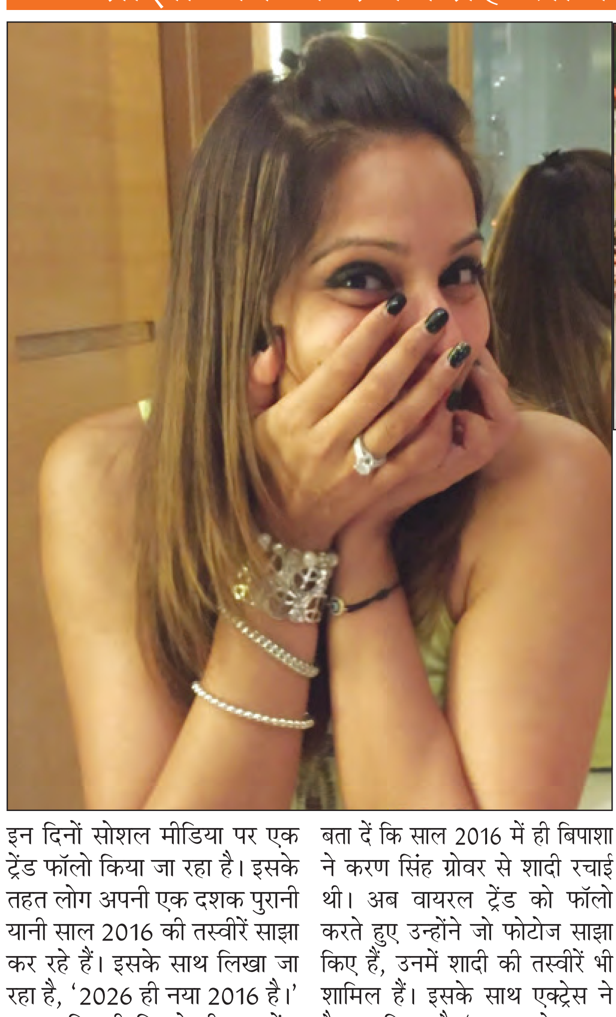

इन दिनों सोशल मीडिया पर एक ट्रेंड फॉलो किया जा रहा है। इसके तहत लोग अपनी एक दशक पुरानी यानी साल 2016 की तस्वीरें साझा कर रहे हैं। इसके साथ लिखा जा रहा है, '2026 ही नया 2016 है।' तमाम फिल्मी सितारे भी इस ट्रेंड में हिस्सा ले रहे हैं। आलिया भट्ट से लेकर खुशी कपूर और करीना कपूर तक कई सेलेब्स ने अपनी साल 2016 की यादें शेयर कीं। अब बिपाशा बसु ने भी इस ट्रेंड में हिस्सा लिया है।

बिपाशा ने शेयर कीं अपनी वेडिंग फोटोज

बिपाशा बसु ने '2016' वायरल ट्रेंड को फॉलो करते हुए आज शनिवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। बता दें कि साल 2016 में ही बिपाशा ने करण सिंह ग्रोवर से शादी रचाई थी। अब वायरल ट्रेंड को फॉलो करते हुए उन्होंने जो फोटोज साझा किए हैं, उनमें शादी की तस्वीरें भी शामिल हैं। इसके साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन लिखा है, '2016 जो था वह 2016 ही था'।

कब हुई थी करण और बिपाशा की शादी

बिपाशा और करण सिंह ग्रोवर की शादी 30 अप्रैल 2016 को हुई थी। उन्होंने अपने हालिया पोस्ट में जो यादें साझा की हैं, उनमें मानो एक्ट्रेस ने अपना वेडिंग एल्बम साझा कर दिया है। इन फोटोज में उनकी खुशी साफ झलक रही है। बिपाशा और करण की लव स्टोरी साल 2015 में फिल्म 'अलोन' के सेट पर शुरू हुई थी, जहां वे पहली बार मिले थे। एक साल की डेटिंग के बाद इन्होंने शादी रचाई। इस कपल ने 12 नवंबर, 2022 को अपनी बेटी देवी बसु सिंह ग्रोवर का स्वागत किया। इस साल अप्रैल में कपल की शादी को दस साल पूरे हो जाएंगे। वर्क फ्रंट की बात करें तो बिपाशा बसु कुछ समय से फिल्मों से दूर हैं। वे अपनी बेटी देवी और परिवार के साथ क्वालिटी वक्त बिता रही हैं। वहीं, करण सिंह ग्रोवर आखिरी बार सिद्धार्थ आनंद की फिल्म 'फाइटर' में नजर आए थे। इसमें ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर लीड रोल में थे।

'फिल्म जिसने वक्त बदल दिया', पूजा भट्ट ने 'जिस्म' के 23 साल पूरे होने पर जताया आभार

अभिनेत्री और फिल्ममेकर की फिल्म 'जिस्म' की रिलीज के 23 साल पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं और एक पोस्ट लिखी है। उस वक्त यह फिल्म अपनी अलग कहानी की वजह से चर्चा में आई थी और इसने दर्शकों पर एक अलग छाप छोड़ी थी। आइए जानते हैं पूजा भट्ट ने फिल्म के बारे में क्या लिखा है?

पोस्ट में पूजा भट्ट ने क्या लिखा?

पूजा भट्ट ने इंस्टाग्राम पर फिल्म से जॉन अब्राहम की दो तस्वीरें शेयर की हैं। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा है 'जिस्म (2003) एक ऐसी फिल्म जिसने वक्त को बदल दिया। एक हीरो जिसने उस वक्त का प्रतिनिधित्व किया। फिल्म के गाने अब भी अच्छे लगते हैं। फिल्म 17 जनवरी 2003 को 23 साल पहले सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। आभार।' पूजा भट्ट ने अपने शब्दों से बताया कि यह फिल्म सिर्फ अपनी कहानी के लिए ही नहीं, बल्कि अपने लंबे समय तक रहने वाले सांस्कृतिक असर के लिए भी याद की जाती है। फिल्म 'जिस्म' हिंदी सिनेमा की सबसे ज्यादा इरोटिक थ्रिलर फिल्मों में से एक है। इसमें दिखाया गया है कि कबीर एक परेशान वकील है।

जावेद अख्तर @81, बंटवारे को ऐतिहासिक भूल बताया

> आरएसएस की तुलना तालिबान से कर दी थी

जावेद अख्तर, बॉलीवुड के महान गीतकार, पटकथा लेखक और राज्यसभा के पूर्व सदस्य। उनकी धारदार कलम ने 'शोले', 'दीवार', 'डॉन', 'मिस्टर इंडिया' जैसी कालजयी फिल्मों को अमर संवाद दिए, तो उनकी बेबाक जुबान ने समाज, धर्मनिरपेक्षता और राजनीति पर ऐसे कड़े प्रहार किए जो सीधे अंतस को भेदते हैं। निडरता उनकी शख्सियत का आभूषण है।

जावेद अख्तर ने भारत के विभाजन को ऐतिहासिक भूल बताया था। जिसकी वजह से अनावश्यक दुश्मनी पैदा हो गई। कभी आरएसएस की तुलना तालिबान से की, तो बुर्का और घूंघट को सामाजिक दबाव बताया। सोशल मीडिया, टीवी बहसों और मंचों पर उनके इस तरह के बयान अक्सर तहलका मचाते हैं जो नास्तिकता, धार्मिक कट्टरता, पाकिस्तान, महिलाओं की स्वतंत्रता और कलाकार की सामाजिक जिम्मेदारी जैसे गहन मुद्दों को छूते हैं। आज जावेद अख्तर के 81वें जन्मदिन पर जानिए उनके ऐसे कुछ खास बयान, जिन्होंने राष्ट्रव्यापी बहसें छेड़ दी थीं।

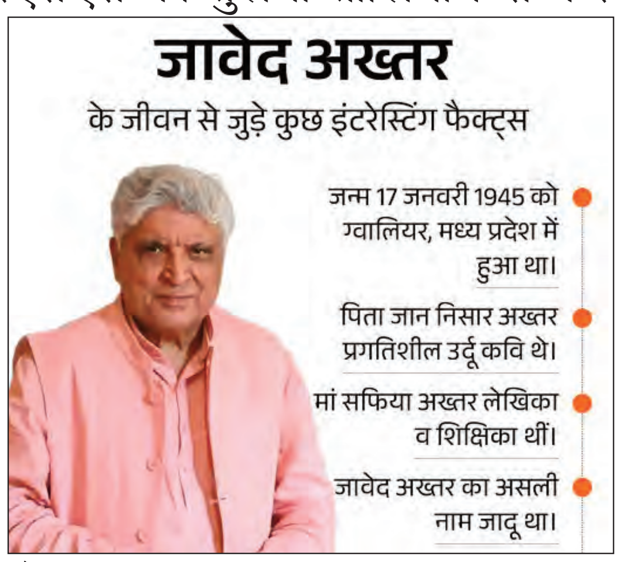

भारत में नास्तिक बनना मुश्किल

जावेद अख्तर ने बरखा दत्त के पॉडकास्ट में खुलासा किया था कि वे नास्तिक हैं, लेकिन मुस्लिम परिवार से होने के कारण पहचान मुस्लिम ही रह गई। उन्होंने कहा था- मैं मुस्लिम नास्तिक हूं। धर्म नहीं मानता, लेकिन समाजी प्रेशर में नास्तिक बनना मुश्किल है। नास्तिकों की गे लोगों जैसी हालत है। मुस्लिम मुझे अमर नाम देते हैं, हिंदू 'पाकिस्तान जाओ' चिल्लाते हैं। दोनों तरफ से गालियां मिलती हैं। मैं ईद-होली-दिवाली सभी त्योहार मनाता हूं।

पाकिस्तान में सेकुलरिज्म लगभग मर चुका है

भारत-पाक संबंधों पर एक चर्चा में जावेद अख्तर ने पाकिस्तान की सामाजिक स्थिति पर ये तीखा प्रहार किया। उनका मानना था कि वहां धर्मनिरपेक्षता नाममात्र को रह गई है और कट्टरवाद हावी हो चुका है। पाकिस्तान के कुछ बुद्धिजीवियों ने इसे ओवर-जनरलाइजेशन कहा, लेकिन भारत में ये बयान साहित्यिक सर्कल तक सीमित रहा। जावेद ने उदाहरण देते हुए कहा कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की हालत देखकर साफ है कि सेक्युलरिज्म खतरे में है।

'आप नफरत में अंधे हैं...', कंगना की रहमान को दो-टूक

बोलीं-आपने मुझसे मिलने तक से इंकार कर दिया था

ऑस्कर विजेता एआर रहमान ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में म्यूजिक इंडस्ट्री के बदलते रुप और इसमें मिलते धर्म के रंग पर बात की। रहमान ने कहा कि बीते कुछ साल में इंडस्ट्री में सांप्रदायिकता बढ़ी है। अब उनके इस बयान ने काफी तूल पकड़ लिया है। इंडस्ट्री के कलाकारों समेत हिंदूवादी संगठन भी इस विवाद में कूद पड़े हैं। लेखक जावेद अख्तर, सिंगर हरिहरन और शान के बाद अब मामले पर कंगना रनौत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

कंगना रनौत ने किया कड़ा विरोध सांप्रदायिकता को लेकर दिए गए रहमान के इस बयान की बीजेपी सासंद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने कड़ी आलोचना की।

अभिनेत्री ने एक स्टोरी शेयर करते हुए लिखा 'प्रिय रहमान जी, मुझे फिल्म इंडस्ट्री में एक भगवा पार्टी को सपोर्ट करने की वजह से बहुत ज्यादा भेदभाव और पक्षपात का सामना करना पड़ता है, फिर भी मुझे कहना होगा कि मैंने आपके जैसा पूर्वाग्रही और नफरत करने वाला इंसान नहीं देखा।' आगे कंगना ने लिखा, 'मैंने आपको अपनी डायरेक्टोरियल फिल्म 'इमरजेंसी' की कहानी सुनाना चाहता था। कहानी सुनना तो दूर, आपने मुझसे मिलने से भी इंकार कर दिया था। मुझे बताया गया कि आप किसी प्रोपेगेंडा फिल्म का हिस्सा नहीं बनना चाहते।

ट्रंप की इस ट्रेड डील से भारत को कितना खतरा?

दांव पर लगे हैं 110 अरब डॉलर, चीन भी नाराज

नई दिल्ली,17 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका और ताइवान के बीच हाल में एक बड़ी ट्रेड डील हुई है। यह डील 500 अरब डॉलर की है। इसके तहत ताइवान के सामानों पर टैक्स कम किया जाएगा। यह 20% से घटकर 15% हो जाएगा। इसके बदले में ताइवान अमेरिका के टेक्नोलॉजी क्षेत्र में 250 अरब डॉलर का निवेश करेगा।

जिसमें कारखाने, रिसर्च लैब और औद्योगिक पार्क शामिल हैं। इसके अलावा ताइवान विदेशी निवेश का समर्थन करने के लिए 250 अरब डॉलर की क्रेडिट गारंटी भी प्रदान करेगा। यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बड़ी व्यापार रणनीति का हिस्सा है। इस डील से ताइवान की टेक्नोलॉजी में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग गहरा होगा। ताइवानी कंपनियां खास तौर पर सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में 250 अरब डॉलर का निवेश करेंगी। इस सौदे में कुछ आयातित सामानों को टैक्स से छूट भी मिलेगी, जैसे कि जेनेरिक दवाएं और हवाई जहाज के पुर्जे। जो ताइवानी सेमीकंडक्टर कंपनियां अमेरिका में निवेश करेंगी, उन्हें टैक्स में खास छूट मिलेगी। इस डील का असर भारत पर दिखाई दे सकता है। साथ ही इस डील के होने पर चीन ने भी नाराजगी जताई है।

क्या दुनिया में बदलेगी तकनीक दुनिया?

ताइवान की सरकार ने पुष्टि की है कि उसकी कंपनियां सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एप्लीकेशन और ऊर्जा जैसे अमेरिकी उद्योगों में सीधे 250 अरब डॉलर का निवेश करेंगी।

इसके अलावा, ताइवान विदेशी निवेश का समर्थन करने के लिए 250 अरब डॉलर की क्रेडिट गारंटी भी प्रदान करेगा। अमेरिका और ताइवान के बीच हुई डील दुनियाभर में टेक्नोलॉजी के भविष्य को बदल सकती है। इस समझौते का मुख्य कारण 500 अरब डॉलर का बड़ा निवेश है, जिसका लक्ष्य अमेरिकी टेक इंडस्ट्री, खासकर कंप्यूटर चिप्स को मजबूत करना है। ये चिप्स स्मार्टफोन, कार से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक हर चीज को पावर देते हैं।

अमेरिका को क्या फायदा?

यह समझौता अमेरिका में सेमीकंडक्टर (चिप बनाने वाले) इंडस्ट्री को वापस लाएगा। यह अमेरिका में विश्व स्तरीय औद्योगिक पार्क बनाने के लिए एक 'आर्थिक साझेदारी' स्थापित करेगा।

इसका मतलब है कि चिप बनाने का काम दशकों बाद फिर से अमेरिका में होगा, जो अब तक ज्यादातर विदेशों में होता रहा है। जो ताइवानी सेमीकंडक्टर कंपनियां अमेरिका में निवेश करेंगी, उन्हें टैक्स में खास छूट मिलेगी। इससे चिप निर्माताओं के लिए अमेरिका में कारखाने स्थापित करना और उनका विस्तार करना सस्ता और तेज हो जाएगा।

मेट्रो स्टेशन के पास रहने से लोन की ईएमआई का बोझ होता है कम! रिसर्च रिपोर्ट ने बताई फायदे की बात

नई दिल्ली,17 जनवरी (एजेंसियां)। अगर आप मेट्रो स्टेशन के पास रहते हैं, तो यह आपके होम लोन की ईएमआई (मासिक किस्त) को कम करने में मदद कर सकता है। यह बात एक नई रिसर्च में सामने आई है। पिछले एक दशक में भारत में मेट्रो रेल नेटवर्क का तेजी से विस्तार हुआ है। इस विस्तार को आमतौर पर लोगों के आने-जाने में आसानी, ट्रैफिक जाम कम होने और पर्यावरण को फायदा होने के नजरिए से देखा जाता रहा है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के एक हालिया वर्किंग पेपर ने एक ऐसे पहलू पर भी ध्यान दिलाया है जो शायद उतना चर्चा में नहीं रहा, लेकिन आर्थिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। यह है शहरी मास ट्रांजिट (सार्वजनिक परिवहन) का परिवारों के वित्तीय व्यवहार और कर्ज चुकाने की अनुशासन पर असर। यह पेपर बताता है कि मेट्रो कनेक्टिविटी से लोगों का आने-जाने का खर्च कम होता है और निजी वाहनों पर निर्भरता घटती है। इससे परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और वे वित्तीय रूप से ज्यादा स्थिर बनते हैं। इस पेपर को ईएसी-पीएम के पार्ट-टाइम सदस्यों सौम्या कांति घोष और पुलक घोष, और भारतीय स्टेट बैंक की अर्थशास्त्री फाल्गुनी सिन्हा ने लिखा है।

क्या लिखा है रिसर्च पेपर में?

पेपर के अनुसार जब लोगों को आने-जाने के लिए बेहतर और तेज सार्वजनिक परिवहन की सुविधा मिलती है, तो वे निजी वाहनों पर कम निर्भर होते हैं। इससे उनके आने-जाने का खर्च कम हो जाता है। यह खर्च कम होने से ईएमआई चुकाने का बोझ हल्का होता है, जो शहरी परिवारों के लिए सबसे बड़े निश्चित वित्तीय खर्चों में से एक है।

मोबिलिटी इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश से बदली स्थिति

पेपर में कहा गया है कि पिछले एक दशक में शहरी मोबिलिटी इंफ्रास्ट्रक्चर (यानी आने-जाने की सुविधाओं) में किए गए निवेश, खासकर मेट्रो रेल के विस्तार से, परिवारों का नकदी प्रबंधन (लिक्विडिटी मैनेजमेंट) मजबूत हुआ है और उन्होंने कर्ज लेने में ज्यादा अनुशासन दिखाया है। पेपर में यह भी कहा गया है कि व्यवहार में ये सुधार परिवारों की वित्तीय मजबूती की एक महत्वपूर्ण नींव बनाते हैं और व्यापक वित्तीय स्थिरता में सार्थक योगदान देते हैं।

क्यों मायने रखता है आने-जाने का खर्च?

भारत में शहरी परिवारों को आमतौर पर कई बड़े फिक्स्ड वित्तीय खर्चों का सामना करना पड़ता है। इनमें सबसे बड़ा मासिक खर्च होम लोन की ईएमआई होती है। बेंगलुरु, हैदराबाद और दिल्ली जैसे शहरों में निजी वाहन रखने से जुड़े बड़े परिवहन खर्चों के कारण यह बोझ और बढ़ जाता है। व्हीकल लोन, पेट्रोल-डीजल का खर्च, इंश्योरेंस, मेंटेनेंस और पार्किंग, ये सब मिलकर डिस्पोजेबल इनकम (खर्च करने लायक आय) का एक बड़ा हिस्सा ले लेते हैं। वर्किंग पेपर में बताए गई मुख्य वजह बहुत सीधी है। जब लोगों के कुशल और भरोसेमंद सार्वजनिक परिवहन की सुविधा मिलती है, तो वे निजी वाहनों पर कम निर्भर होते हैं। इससे उनके गाड़ी खरीदने, बार-बार पेट्रोल आदि जैसे खर्च कम हो जाते हैं। इससे हाथ में ज्यादा पैसा बचता है, जिससे परिवारों के लिए समय पर ईएमआई चुकाना आसान हो जाता है।

अपने फायदे के लिए भारत का भी नुकसान कर रहा चीन

ड्रैगन की डंपिंग नीति क्यों बनी जी का जंजाल?

नई दिल्ली,17 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ के बाद से चीन की हालत काफी कमजोर दिखाई दे रही है। चीन अपने सामान को अमेरिका में बेच नहीं पा रहा है। ऐसे में वह भारत समेत दूसरे देशों का सहारा ले रहा है। चीन का ट्रेड सरप्लस पिछले साल रिकॉर्ड 1.2 ट्रिलियन डॉलर रहा है। चीन ने अपना एक्सपोर्ट बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। ड्रैगन ने इसके लिए अपनी करेंसी युआन को भी कमजोर कर दिया। साथ कई चीजों की कीमतें भी कम कर दी हैं। चीन की इस रणनीति से भारत दूसरे देशों को नुकसान हो रहा है। अमेरिका से होड़ के कारण चीन अपना सस्ता सामान कई देशों में डंप कर रहा है। चीन का मकसद है अपने सामानों की बिक्री के लिए अमेरिकी बाजार पर निर्भरता घटाना और दूसरे मार्केट में जगह बनाना। इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। चीन की इस डंपिंग नीति के कारण भारत पर भी काफी असर पड़ा है। देश की जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग की हिस्सेदारी घटकर लगभग 14% रह गई है। भारत ने चीन से होने वाले डंपिंग की जांच के बाद केमिकल्स, इलेक्ट्रिकल स्टील्स समेत कुछ उद्योगों में कड़े शुल्क लगा दिए हैं। दूसरे देशों ने भी चीन की रणनीति के खिलाफ जवाबी शुल्क का रास्ता

अपनाया है। डंपिंग को लेकर 120 से अधिक व्यापार जांच चल रही हैं। जापान, कनाडा, मेक्सिको और थाईलैंड ने टैरिफ लगाना शुरू किया है। चीन की इस रणनीति से उसके प्रतिस्पर्धी देशों - फ्रांस, जर्मनी और जापान को नुकसान उठाना पड़ रहा है। पूर्वी यूरोप होड़ मुश्किल हो रही है।

यूरोप में चीन पेंट, प्लास्टिक, पेपर, टेक और ऑटो इंडस्ट्री में इस्तेमाल होने वाली चीजें डंप कर रहा है। इसके लिए यूरोपीय संघ अब 'मेड इन यूरोप' जैसे नियमों पर विचार कर रहा। चीन की डंपिंग नीति के कारण यूरोप में भारत भी फंस गया है। यूरोपीय संघ ने चीन और भारत से आने वाले बेरियम कार्बोनेट पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगा दी है। कुछ चीनी कंपनियों के लिए यह ड्यूटी 83.9% तक और भारतीय सप्लायर्स के लिए 4.6% तक है। इससे कांच, सिरेमिक और दूसरे उद्योगों के बाजारों में हलचल मच गई है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	मकर	मे
चंद्र	धनु	मे
मंगल	मकर	मे
बुध	मकर	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मकर	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
मकर....	06-38 बजे
कुंभ....	08-29 बजे
मीन....	10-07 बजे
मेष.....	11-43 बजे
वृष....	13-27 बजे
मिथुन..	15-30 बजे
कर्क...	17-41 बजे
सिंह---	19-53 बजे
कन्या--	22-00 बजे
तुला----	00-05 बजे
वृश्चिक..	02-14 बजे
धनु.....	04-28 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-53
भोग्य कलि वर्ष. - 426874 सूर्यास्त. 17-57
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - माघ कृष्ण पक्ष रविवार 18 January 2026
तिथि - अमावस्या 01-21 रात तक उपरान्त प्रतिपदा
नक्षत्र - पूर्वाषाढा 10-14 तक उपरान्त उत्तराषाढ़ा
योग - हर्षण 21-10 तक उप. वज्र
करण - चतुष्पाद 12-46 तक उप. नाग

देवपितृकार्ये अमावस्या

मौनी माघी अमावस्या

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 16-38 18-02

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
शुभ। 17-55 - 19-38 शुभ	शुभ। 17-55 - 19-38 शुभ
अमृत 19-38 - 21-15 शुभ	अमृत 19-38 - 21-15 शुभ
चंचल 21-15 - 22-51 शुभ	चंचल 21-15 - 22-51 शुभ
रोग 22-51 - 00-27 अशुभ	रोग 22-51 - 00-27 अशुभ
काल 00-27 - 02-03 अशुभ	काल 00-27 - 02-03 अशुभ
लाभ 02-03 - 03-39 शुभ	लाभ 02-03 - 03-39 शुभ
उत्पात03-39 - 05-15 अशुभ	उत्पात03-39 - 05-15 अशुभ
शुभ 05-15 - 06-52- शुभ	शुभ 05-15 - 06-52- शुभ

नए लेबर कोड से अजीम प्रेमजी की कंपनी को हुआ करोड़ों का नुकसान

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। नए लेबर कोड का असर अब कॉरपोरेट जगत की बैलेंस शीट पर साफ दिखाई देने लगा है। नए नियमों ने न केवल काम करने के तरीके को बदला है, बल्कि बड़ी-बड़ी कंपनियों के मुनाफे में भी सेंध लगा दी है। ताजा मामला देश के दिग्गज उद्योगपति अजीम प्रेमजी की आईटी कंपनी विप्रो से जुड़ा है। कंपनी ने जब अपने अक्टूबर-दिसंबर 2025 तिमाही के नतीजे घोषित किए, तो उसमें मुनाफे की चमक थोड़ी फीकी नजर आई। नए श्रम कानूनों के अनुपालन के चलते कंपनी को एकमुश्त बड़ा वित्तीय झटका लगा है, जिससे उसका शुद्ध लाभ पिछले साल के मुकाबले 7 फीसदी नीचे गिर गया है।

303 करोड़ का झटका

कंपनी ने बताया है कि नए लेबर कोड के लागू होने की वजह से उसे अपनी किताबों में 302.8 करोड़ रुपये का 'वन-टाइम' बोझ उठाना पड़ा है। यह वह रकम है जो नए नियमों के तहत

कर्मचारियों की ग्रेच्युटी और छुट्टियों के पुनर्मूल्यांकन के कारण खर्च में जुड़ी है।इस एकमुश्त खर्च का सीधा असर कंपनी के मुनाफे पर पड़ा। जहां पिछले साल इसी तिमाही में विप्रो ने 3,353.8 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था, वहीं इस साल यह आंकड़ा घटकर 3,199 करोड़ रुपये रह गया। हालांकि, राहत की बात यह है कि कंपनी की कमाई में बढ़ोतरी हुई है। संचालन आय 5.5 प्रतिशत बढ़कर 23,555.8 करोड़ रुपये हो गई है।

आमदनी बढ़ी लेकिन मुनाफा घटा

विप्रो के सीईओ और प्रबंध निदेशक श्रीनी पल्लीया ने स्थिति को स्पष्ट किया है। उनका कहना है कि बीती तिमाही में कंपनी ने उम्मीदों के मुताबिक व्यापक वृद्धि दर्ज की है। इसका मतलब यह है कि कंपनी के प्रोजेक्ट्स और क्लाइंट्स के मोर्चे पर सब ठीक चल रहा है। तिमाही आधार पर देखें तो विप्रो का लाभ 3.9 प्रतिशत गिरा है, लेकिन आय में 3.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

टीसीएस , इंफोसिस का भी खजाना खाली

नए लेबर कोड ने देश की दिग्गज आईटी कंपनियों को एक लाइन में खड़ा कर दिया है। विप्रो से पहले देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इंफोसिस और एचसीएल टेक भी अपना दुखड़ा रो चुके हैं। टीसीएस ने बताया था कि नए नियमों की वजह से उन पर 2,128 करोड़ रुपये का बोझ पड़ा है। वहीं, इंफोसिस ने अपनी कमाई में 1,289 करोड़ रुपये का असाधारण चार्ज दिखाया है। एचसीएल टेक (एचसीएलटेक) ने भी 956 करोड़ रुपये का एक्सेप्शनल चार्ज बताया है। दरअसल, लेबर कोड्स में बदलाव के कारण पुरानी सर्विस कॉस्ट से जुड़ी ग्रेच्युटी और लीव लायबिलिटी की देनदारी बढ़ गई है, जिसे कंपनियों को अपनी बैलेंस शीट में एडजेस्ट करना पड़ रहा है।

टेक महिंद्रा ने मारी बाजी

जहां एक तरफ बड़ी कंपनियां मुनाफे में गिरावट से जूझ रही हैं, वहीं महिंद्रा समूह की टेक महिंद्रा ने राहत की सांस ली है। कंपनी के नतीजे थोड़े सुखद रहे हैं। टेक महिंद्रा का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 1,122 करोड़ रुपये रहा है। हालांकि, अगर पिछली तिमाही (जुलाई-सितंबर 2025) से तुलना करें, तो यहां भी थोड़ी गिरावट है, क्योंकि तब मुनाफा 1,194 करोड़ रुपये था। फिर भी, साल-दर-साल के आधार पर टेक महिंद्रा का प्रदर्शन सकारात्मक रहा है।

यूपीआई के जरिए सीधे बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर सकेंगे पीएफ का पैसा, कब से मिलेगी यह सुविधा

नई दिल्ली,17 जनवरी (एजेंसियां)। ईपीएफओ मेंबर्स के लिए अच्छी खबर है। आप प्रोविडेंट फंड यानी पीएफ का पैसा जल्दी ही यूपीआई के जरिए सीधे अपने बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर सकेंगे। यह सुविधा अप्रैल से शुरू होने जा रही है। यह नई सुविधा श्रम मंत्रालय की एक बड़ी योजना का हिस्सा है। इस योजना के तहत आपके ईपीएफ खाते का कुछ हिस्सा फ्रीज कर दिया जाएगा, लेकिन एक बड़ी रकम आप यूपीआई पेमेंट गेटवे का इस्तेमाल करके अपने बैंक खाते में मंगवा सकेंगे। इसके बाद उस पैसे का किसी भी तरह इस्तेमाल कर सकेंगे। ईपीएफओ इस नए सिस्टम को लागू करने के लिए सॉफ्टवेयर की दिक्कतों को दूर करने में लगा है। इस सुविधा से करीब आठ करोड़ ईपीएफओ मेंबर्स को फायदा होगा।जो ईपीएफओ मेंबर इस सुविधा का लाभ उठाना चाहते हैं,

वे अपने ईपीएफ खाते में उपलब्ध उस पैसे को देख पाएंगे जिसे निकाला जा सकता है। फिर, वे अपने लिंक किए गए यूपीआई पिन का इस्तेमाल करके इस पैसे को अपने बैंक खाते में ट्रांसफर कर सकेंगे। यह तरीका बहुत सुरक्षित होगा। एक बार जब पैसा आपके बैंक अकाउंट में आ जाएगा, तो आप उसे अपनी मर्जी से इस्तेमाल कर पाएंगे। आप इससे ऑनलाइन पेमेंट कर सकते हैं या फिर अपने डेबिट कार्ड से एटीएम से पैसे निकाल सकते हैं। फिलहाल, ईपीएफओ सदस्यों को अपना ईपीएफ का पैसा निकालने के लिए क्लेम अप्लाई करना पड़ता है। इसमें काफी समय लग जाता है। ईपीएफओ में ऑटो-सेटलमेंट का एक तरीका पहले से मौजूद है। इसमें क्लेम अप्लाई करने के तीन दिन के अंदर पैसा इलेक्ट्रॉनिक तरीके से सेटल हो जाता है, जिसमें किसी भी तरह की मैनुअल दखलअंदाजी नहीं होती। इस ऑटो-सेटलमेंट मोड की लिमिट को एक लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दिया गया है। इससे बड़ी संख्या में ईपीएफओ सदस्य बीमारी, पढ़ाई, शादी और घर बनाने जैसे कामों के लिए तीन दिन के अंदर अपना ईपीएफ का पैसा निकाल सकेंगे। एक बड़े अधिकारी ने बताया कि ईपीएफओ सीधे ईपीएफ खातों से पैसे निकालने की अनुमति नहीं दे सकता, क्योंकि ईपीएफओ के पास कोई बैंकिंग लाइसेंस नहीं है। लेकिन अधिकारी ने यह भी कहा कि सरकार ईपीएफओ की सेवाओं को बेहतर बनाकर बैंकों के स्तर पर लाना चाहती है।

5जी उपभोक्ताओं में भारत दुनिया में दूसरे नंबर पर

सेबी ने 12 संस्थाओं पर पांच साल का बैन लगाया

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। भारत 5जी के यूजर्स के मामले में दुनिया में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। यहां कुल 40 करोड़ से ज्यादा ग्राहक हैं। दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, पहले स्थान पर चीन है। दुनिया में इस तकनीक को तेजी से अपनाने में भारत आगे है। सिंधिया ने बताया, भारत किस प्रकार पैमाने, गति और डिजिटल परिवर्तन के मामले में वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है।

2022 में लॉन्च होने के बाद से 5जी सेवाएं 99.6 फीसदी ग्राहकों तक पहुंच चुकी हैं। 85 फीसदी आबादी इससे लाभान्वित हो चुकी है। संचार मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, मार्च, 2025 तक दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने 4.69 लाख 5जी बेस ट्रांसीवर स्टेशन स्थापित किए हैं। यह 5जी नेटवर्क के तेज विस्तार में से एक है। 5जी के लॉन्च के बाद से 25 करोड़ मोबाइल ग्राहक इस सेवा का उपयोग कर रहे हैं। सिंधिया ने कहा, दुनिया के अन्य हिस्सों में ऐसी तकनीक विकसित करने में दशकों का समय लगा। भारत ने इसे दो साल में विकसित किया। भारत ने 6जी मिशन के तहत स्वदेशी 6जी अनुसंधान और विकास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है। बजट हर बार सुनते हैं, इस बार समझने का मौका है। इस बार बजट भाषण के दौरान आप पता कर पाएंगे कि बजट से शेयर बाजार में किस सेक्टर के किन शेयरों पर असर पड़ेगा। कौन से शेयर बढ़ सकते हैं और किन शेयरों में गिरावट आ सकती है। यह भी पता चल सकेगा कि किन म्यूचुअल फंड स्कीमों में निवेश से फायदा होगा। आप जान पाएंगे कि बजट के बाद कौन सी कमोडिटीज के दाम बढ़ या घट सकते हैं। इन सबके लिए बजट की बारीकियां समझनी होंगी और इन्हें समझाने के लिए द बोनस वेबिनार सीरीज का आयोजन कर रहा है। इस वेबिनार सीरीज में द बोनस के संपादक अंशुमान तिवारी, जाने-माने अर्थशास्त्री आलोक पौराणिक और शुभम शंखधर बताएंगे कि बजट को देखकर-समझकर बाजार का कैसे अनुमान लगाएं। द बोनस टीम पूंजी बाजार नियामक सेबी ने फ्रंट-रनिंग (अवैध तरीके से शेयर की ट्रेडिंग) के एक मामले में 12 संस्थाओं को प्रतिभूति बाजार से पांच साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है और उन पर 90 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

बजट के दिन रविवार को भी खुलेगा शेयर बाजार:1 फरवरी को सामान्य दिनों की तरह ट्रेडिंग होगी, 9 साल बाद बनेगा 'वर्किंग संडे'

मुंबई,17 जनवरी (एजेंसियां)। 1 फरवरी, 2026 को रविवार होने के बावजूद बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में सामान्य दिनों की तरह कामकाज होगा। एक्सचेंजों ने शनिवार, 17 जनवरी को सर्कुलर जारी कर इसकी आधिकारिक घोषणा की है। सरकार के निर्देशों के बाद यह फैसला लिया गया है ताकि बजट घोषणाओं पर निवेशक रियल-टाइम में रिएक्ट कर सकें।

2017 के बाद पहली बार संडे को खुलेगा बाजार

यह पिछले 9 सालों में पहला मौका होगा जब केंद्रीय बजट के लिए शेयर बाजार को खुलेगा। इससे पहले साल 2017 में भी 1 फरवरी को रविवार था और तब भी मार्केट में ट्रेडिंग हुई थी। आमतौर पर शनिवार और रविवार को बाजार बंद रहता है, लेकिन बजट जैसी बड़ी आर्थिक घटनाओं के लिए एक्सचेंज 'स्पेशल ट्रेडिंग डे' घोषित करते हैं।

सभी सेगमेंट में होगा काम, समय में कोई बदलाव नहीं

एनएसई और बीएसई की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, 1 फरवरी को इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स, करेंसी और कमोडिटी समेत सभी सेगमेंट्स में ट्रेडिंग होगी।

बाजार का समय बिल्कुल सामान्य दिनों जैसा रहेगा:

प्री-ओपन सेशनः सुबह 9:00 से 9:15 बजे तक।

नॉर्मल ट्रेडिंगः सुबह 9:15 से दोपहर 3:30 बजे तक।

पोस्ट-क्लोजिंगः दोपहर 3:40 से शाम 4:00 बजे तक।

क्यों लिया गया यह फैसला?

बजट में टैक्स स्लैब, कैपिटल एक्सपेंडिचर और सेक्टर से जुड़ी बड़ी घोषणाएं होती हैं। अगर रविवार को बाजार बंद रहता, तो निवेशकों को सोमवार का इंतजार करना पड़ता। इससे सोमवार को बाजार में भारी उतार-चढ़ाव होने का डर रहता है। रविवार को मार्केट खुला रहने से निवेशक बजट के हर पॉइंट पर तुरंत अपनी रणनीति बना सकेंगे।

सेटलमेंट साइकिल में कोई बदलाव नहीं

एक्सचेंजों ने साफ किया है कि भले ही रविवार को ट्रेडिंग हो रही है, लेकिन क्लियरिंग और सेटलमेंट की प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं होगा।

यह विशेष ट्रेडिंग डे फरवरी 2026 के हॉलिडे कैलेंडर का इकलौता अपवाद होगा। ट्रेडर्स को सलाह दी गई है कि वे रविवार के सत्र के लिए अपने सिस्टम और फंड की तैयारी पहले से कर लें।

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आपके दिमाग में आज कोई अद्भुत विचार आएगा और आपको इसे हाथोहाथ केवल इसीलिए रद्द नही क्र देना चाहिए क्योंकि आपको इसका हो पाना मुश्किल लग रहा है । आज बड़ा सोचने और ऊँचाइयों को छूने का दिन है । ऐसा करने के लिए आपको बाधाओं की सूची बनाकर अच्छी योजना बनानी अहि और आप पायेंगे कि परेशानियों से खुद-ब-खुद समाधान नजर आने लगेंगे ।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

ग्रहों की स्थिति आपके पक्ष में है,दिन की शुरुआत अच्छी होगी ,विशेषत दोपहर से पहले ।अपने ऑफिस सम्बन्धी कामों की योजना अगर हो सके तो दोपहर से पहले ही बनाएं,सफलता की सम्भावना अधिक है । शाम को या तो कुछ न करें या कोई हल्का –फुल्का काम करें । कोई अप्रत्याशित व्यक्ति आपसे मिलने आ सकता है।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

भाग्य आपकी वित्तीय स्थिति पर मुस्कुरा रहा है और अधिक कमाई के कारण आप के खर्चे भी बढ़ गए हैं|अब समय आ गया है की आप अपने खर्च पर नियंत्रण रखें । अब फिजूलखर्ची से बचना होगा । आपके परिजन या किसी करीबी के साथ ऐसा कुछ होगा कि आपके भीतर भी उससे अशांति आएगी ।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आपके सामने इन दिनों कुछ नई चीजें आई हैं । अपने सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहें । पूछे गये प्रश्नों का जवाब दें । आपको अभी और भी प्रयास करने हैं और इससे आपकी तरक्की की मजबूत नींव पड़ेगी । इन सबके बीच खुद को तरोताजा करना और खुश रखना न भूलें ।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज आपके हर एक काम में आत्मविश्वास की झलक दिखेगी । कुछ समय पहले तक बहुत मुश्किल दिखने वाली बाधाएं आज आसानी से पार हो जाएंगी । आपकी संवाद कुशलता अब पहले से बेहतर है और आप लोगों को इसके चलते विश्वास में लेकर अपनी बात समझा पायेंगे । दिन किसी मुश्किल परियोजना पर काम करने के लिए भी उपयुक्त है ।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज आपको दूसरों पर विश्वास करना होगा । यह आपका कोई करीबी या कोई दोस्त हो सकता है और वः आपकी किसी ऐसे विशेष काम में मदद करेगा जिससे आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा । लेकिन इसके लिए सबसे जरुरी यह होगा की आप उस व्यक्ति में विश्वास बनाये रखें । आपको अपनी ही तरफ से विश्वास की पहल करनी होगी ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आप अनुभव करेंगे कि आप सामान्य से कुछ अधिक बोल रहे हैं । आप पिछले कुछ समय से चालाकी भरा व्यवहार कर रहे हैं लेकिन आज आप इससे खुद ही परेशानी अनुभव करेंगे ।आज आप वह सच्चाई नही उगलना चाहते जो शायद कईयों को अच्छी नही लगेगी । आज के लिए किसी एकान्त कार्यकलाप की योजना बनाएं ,क्योंकि आज आप शायद दूसरों को अच्छा लगने वाला व्यवहार ना कर पायें ।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आपके भावनाओं में बहने की उम्मीद थोड़ी ज्यादा है । किसी छोटी सी बात पर भी आप उदास हो जायेंगे या पुराने बेहतर समय को याद करने लगेंगे । किसी पुराने दोस्त से संपर्क साधने की कोशिश कर सकते हैं । आज आप अपनी वर्त्तमान समस्या को सुलझाने के लिए कोई संतोषजनक समाधान खोजने या किसी की तरफ दोस्ती का हाथ बढाने के मूड में हैं ।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है ।आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है । लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है ।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आपका सकारात्मक दृष्टिकोण आपको सकारात्मक कदम उठाने के लिए ही प्रेरित करेगा । इससे आपको भविष्य में बहुत लाभ मिलेगा । अगर कोई आपसे उलझने की कोशिश करता भी है तो आप शांति बनाये रखें और दृढ़ता से अपनी बात सामने रखें । आज आपकी धार्मिक तथा रहस्य विज्ञान के कार्यों में रूचि बनेगी ।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज आप किसी के अहसान का बदला उतारने की दिशा में पहला कदम उठाएंगे । यह कदम मानसिक ,वित्तीय या आध्यात्मिक हो सकता है लेकिन इसका अर्थ यह नही है कि आप आज अपने सारे अहसान उतार पायेंगे लेकिन आपको कम से कम यह संतुष्टि जरूर होगी कि आप ऐसा करने की दिशा में कदम तो उठा रहे हैं । इससे आपको बहुत अच्छा लगेगा ।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आप आज किसी अपराजेय शक्तिपुंज के समान महसूस करेंगे और किसी भी विरोध पर आसानी से विजय हासिल कर लेंगे । आज का दिन उस काम को करने का बहुत अच्छा दिन है जो आप काफी समय से करने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि आज आपको कोई नही रोक सकता ।आज का दिन अपने सबसे महत्वपूर्ण काम करें,सफलता आपके कदम चूमेगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

बीएमसी चुनाव नतीजों के बाद शिंदे सेना के पार्षदों की 5 स्टार होटल में बाड़ाबंदी

मुंबई, 17 जनवरी (एजेंसियां)। बीएमसी चुनाव नतीजों के बाद मुंबई में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। सत्ता बनाने की चाल तेज होने से पहले उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक बड़ा फैसला लिया है।

शिंदे सेना के नए चुने गए कॉर्पोरेटर्स को मुंबई के बांद्रा में फाइव स्टार होटल यानी ताज लैंड्स एंड में जमा होने का आदेश दिया गया है। इससे यह साफ हो गया है कि शिंदे सेना को कॉर्पोरेटर्स में फूट का डर सताने लगा है।

मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव में शिंदे सेना के 29 उम्मीदवार जीते हैं। महायुति ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। लेकिन शिंदे सेना की मदद के बिना बीजेपी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में सत्ता में नहीं आ सकती। ऐसे में शिंदे सेना की भूमिका अहम होगी। सत्ता की चाबी सिर्फ उन्हीं के पास है। शिंदे सेना के सपोर्ट के बिना बीजेपी मुंबई में सत्ता की सीढ़ियों तक नहीं पहुंच सकती। जरा सी चूक में बीजेपी का मेयर

नहीं बन सकता। इसीलिए शिंदे सेना कोई रिस्क नहीं लेना चाहती।

नए चुने गए पार्षद होटल में ठहराए

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, एकनाथ शिंदे पूरी स्थिति पर बारीकी नजर रखे हुए हैं।

शिंदे सेना को लगता है कि जब तक नगर निगम में सत्ता नहीं मिल जाती, तब तक पार्षदों को एकजुट रखना जरूरी है। इसीलिए सभी नए चुने गए पार्षदों को एक फाइव स्टार होटल में रखने का फैसला किया गया है। शिंदे सेना को डर है कि विपक्ष या दूसरी पार्टियां पार्षदों को तोड़ने की कोशिश कर सकती हैं। अगर ऐसा हुआ तो सत्ता का समीकरण बिगड़ सकता है।

मुंबई में किसके पास कितने नंबर हैं?

मुंबई में सरकार बनाने के लिए 114 पार्षदों का सपोर्ट जरूरी है। बीजेपी ने 89 सीटें जीती हैं। शिंदे सेना ने 29 सीटें जीती हैं। शिंदे सेना के सपोर्ट के बिना बीजेपी बहुमत के निशान तक नहीं पहुंच सकती। इस वजह से शिंदे सेना की अहमियत बढ़ गई है। ठाकरे भाइयों और शरद पवार की नेशनलिस्ट पार्टी की कुल संख्या 72 हो जाती है। कांग्रेस ने 24 सीटें जीती हैं।

इसलिए यह संख्या 96 हो जाती है। ऐसे में अगर कांग्रेस के विचारों के करीब रहने वाली पार्टियां करीब आ जाती हैं तो उनकी कुल संख्या बहुमत के निशान के करीब आ जाती है।

सूत्रों की माने तो अगर ठाकरे की शिवसेना कांग्रेस की मदद से सरकार बनाने की कोशिश करती है, तो यह शिंदे सेना के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। शिंदे सेना से चुने गए ज्यादातर कॉर्पोरेटर पहले ठाकरे के साथ थे।

ऐसे में अगर ठाकरे सेना उससे संपर्क करती है और कुछ कॉर्पोरेटर उसे जवाब देते हैं, तो हालात बदल सकते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए शिंदे सेना के नए चुने गए कॉर्पोरेटरों को एक फाइव-स्टार होटल में एक साथ रखने का फैसला किया गया है।

देश की पहली किन्नर वकील बनीं संत

17 नए महामंडलेश्वर बनाए गए, दोनों किन्नर अखाड़ों ने बढ़ाई शक्ति

प्रयागराज, 17 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे माघ मेले में शुक्रवार को किन्नर समाज ने अपना शक्ति विस्तार किया। इस कड़ी में कई महामंडलेश्वर, श्रीमहंत, पीठाधीश्वर, महंत और कंठी चेलों का पट्टाभिषेक किया गया। साल 2016 में उज्जैन के सिंहस्थ कुंभ से गठित किन्नर अखाड़े में पिछले साल हुए महाकुंभ 2025 के बाद विभाजन हो गया था और सनातनी किन्नर अखाड़ा के रूप में एक नए अखाड़े की नींव रखी गई। शुक्रवार को माघ मेले में तीर्थराज प्रयागराज की पावन रेती से दोनों किन्नर अखाड़ों ने अपनी शक्ति का विस्तार किया। किन्नर अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर प्रो. (डॉ.) स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी के नेतृत्व में अखाड़े का बड़ा विस्तार किया गया। इसमें 7 महामंडलेश्वर, 6 श्रीमहंत, 11 महंत और 21 कंठी चेलों का विधि-विधान से पट्टाभिषेक किया गया। ओल्ड जीटी रोड के सेक्टर 6 में बनाए गए किन्नर अखाड़ा शिविर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को पद और दायित्व सौंपे। इसके बाद कंठी चेलों को कंठी माला धारण कराई गई। इससे पहले सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का त्रिवेणी संगम पर पिंडदान, विर्जादान एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। इनमें यूपी के प्रतापगढ़ की पारोनंद गिरि, महाराष्ट्र की नेहानंद गिरि, ओडिशा की देवांशी नंद गिरि (रक्षानंद गिरि), रांची के अमरजीत नंद गिरि, दिल्ली की शालूनंद गिरि और जबलपुर की साक्षीनंद गिरि को महामंडलेश्वर

की उपाधि प्रदान की गई। इनके अलावा 21 कंठी चेले और 11 महंत भी बनाए गए, जिनमें राधिकानंद गिरि, किंजल, कामाक्षी नंद गिरि, सुनील नंद गिरि और शुभम नंद गिरि प्रमुख रूप से शामिल हैं। साथ ही प्रदेश वार पदाधिकारियों की घोषणा भी की गई है। इनमें उत्तर प्रदेश से महामंडलेश्वर स्वामी कल्याणी नंद गिरि अध्यक्ष, महामंडलेश्वर स्वामी कन्केश्वरी नंद गिरि को सचिव बनाया गया है। झारखंड से महामंडलेश्वर स्वामी राजेश्वरीनंद गिरि रोज मौसी को अध्यक्ष और महामंडलेश्वर स्वामी अमरजीत नंद गिरि सचिव नियुक्त की गई हैं। पंजाब से महामंडलेश्वर स्वामी वामदेव नंद गिरि अध्यक्ष और महामंडलेश्वर स्वामी देवांशी नंद गिरि सचिव बनी हैं। ओडिशा से महामंडलेश्वर स्वामी मीरानंद गिरि को अध्यक्ष और रक्षानंद गिरि सचिव बनाया गया है।

पहली किन्नर वकील अभिरूपा रंजीत बनीं संत

दूसरी तरफ सनातनी किन्नर अखाड़ा के महामंडलेश्वर यशोदा नंद गिरी की मौजूदगी में विशेष पट्टाभिषेक अनुष्ठान संपन्न हुआ। इस पट्टाभिषेक की सबसे बड़ी खासियत ये थी कि देश की पहली किन्नर वकील अभिरूपा रंजीत संत के पद पर आसीन हुईं। कानून की दुनिया में अपनी पहचान बनाने के बाद, अब वह धर्म के मार्ग पर चलेंगी।

सनातनी किन्नर अखाड़े में 10 नए महामंडलेश्वरसनातनी किन्नर अखाड़े में कुल 11 संतों का हुआ पट्टाभिषेक हुआ, इनमें 10 को महामंडलेश्वर और 1 को महंत बनाया गया। पट्टाभिषेक कोई अलग कार्यक्रम नहीं है। इसमें भी उन्हीं प्राचीन परंपराओं और नियमों का पालन किया गया, जो 13 पारंपरिक अखाड़े सदियों से करते आए हैं। संतों ने पहले संगम तट पर स्वयं का पिंडदान किया, जो सांसारिक मोह त्यागने का प्रतीक है। पांच गुरुओं से दीक्षा ली गई, जिसमें चोटी काटना, भस्म धारण करना और लंगोटी देने जैसी रस्में शामिल थीं। अंत में आचार्य महामंडलेश्वर ने उन्हें गुरुमंत्र देकर सन्यास की मर्यादाओं में बांधा। आचार्य कौशल्यानंद गिरि ने बताया कि आने वाले समय में अखाड़े में कश्मीरी पंडितों और दक्षिण भारतीय समुदाय के लोगों को भी शामिल किया जाएगा। इसका उद्देश्य सनातन धर्म को और अधिक समावेशी बनाना और समाज के हर वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ना है।

बंगाल के मुर्शिदाबाद में तनाव, 30 लोग गिरफ्तार

प्रदर्शनकारियों ने रेलवे गेट तोड़ा, हाइवे जाम; बिहार में प्रवासी मजदूर पर हमले के बाद हंगामा

कोलकाता, 17 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में शनिवार को दूसरे दिन भी हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने एनएच-12 और रेलवे ट्रैक को फिर से जाम कर दिया है। स्थिति नियंत्रित करने के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। यह विरोध बिहार में एक प्रवासी मजदूर पर हमले के बाद भड़का है। इससे एक दिन पहले झारखंड में प्रवासी मजदूर की मौत को लेकर बेलडांगा में हिंसक प्रदर्शन हुआ था, जिससे सड़क और रेल रूट घंटों ठप रहा था। एडिशनल एसपी ने बताया कि अब तक 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीएम ममता बनर्जी ने शुक्रवार को शांति बनाए रखने की अपील की थी। इधर भाजपा सांसद और प्रवक्ता संबित पात्रा ने शनिवार को कहा कि ट्रेनों को जलाया जा रहा है। ममता बनर्जी इसे अल्पसंख्यकों का गुस्सा बताकर सही ठहरा रही हैं। शनिवार सुबह प्रदर्शनकारियों ने बेलडांगा स्टेशन के पास रेल गेट में तोड़फोड़ की और रेलवे सिग्नल को नुकसान पहुंचाया। इसके चलते कृष्णनगर और लालगोला के बीच ट्रेन बंद कर दी गईं। पुलिस के अनुसार, सैकड़ों स्थानीय लोग बेलडांगा के बरुआ मोड़ पर एनएच-12 पर जमा हो गए। इससे हाईवे पर लंबा जाम लग गया और कई वाहन फंस गए। पूर्व रेलवे के जनरल मैनेजर मिलिंद के. देउस्कर ने बताया कि हालात को देखते हुए इलाके में अतिरिक्त आरपीएफ और आरपीएसएफ बल तैनात किए जा रहे हैं। नए सिरे से तनाव की खबर के बाद बेलडांगा में पुलिस की तैनाती और बढ़ा दी गई है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि मुर्शिदाबाद के मजदूर अनीसुर शेख के साथ बिहार में मारपीट की गई। इस घटना से शुक्रवार की हिंसा के बाद शांत हुआ गुस्सा फिर भड़क उठा। स्थानीय लोगों के मुताबिक, घायल मजदूर अनीसुर शेख शुक्रवार देर रात किसी तरह मुर्शिदाबाद पहुंचा। उसकी हालत गंभीर थी। उसे मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्थानीय विधायक हुमायूं कबीर मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों व प्रशासनिक अधिकारियों से बातचीत की। अधिकारियों ने कहा कि हालात सामान्य करने और हिंसा को फैलने से रोकने की कोशिश की जा रही है। बेलडांगा में हिंसा की शुरुआत शुक्रवार सुबह हुई थी। मुर्शिदाबाद के अलाउद्दीन शेख (30), झारखंड में फेरीवाले का काम करता था। गुरुवार सुबह उसके गांव में मौत की खबर पहुंची। बताया गया कि उसका शव घर में फांसी के फंदे से लटका मिला। परिजनों और ग्रामीणों का आरोप है कि अलाउद्दीन की पिटाई कर हत्या की गई, इसके बाद शव को लटका दिया गया। शुक्रवार को जब शव गांव पहुंचा, तो गुस्साए लोगों ने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग को लेकर सड़क और रेल मार्ग जाम कर दिया।

सुकमा में पागल कुत्ते का आतंक

25 लोगों को काटकर किया घायल, नगरपालिका की टीम ने पकड़ा

सुकमा, 17 जनवरी (एजेंसियां)। सुकमा नगर में एक पागल संक्रमित कुत्ते के आतंक ने लोगों में दहशत का माहौल बना दिया। शुक्रवार से शनिवार सुबह तक इस आवारा कुत्ते ने करीब 25 लोगों पर हमला किया, जिनमें महिला, बुजुर्ग और बच्चे भी शामिल हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, कुत्ता लगातार अलग-अलग मोहल्लों में घूमता रहा और राह चलते लोगों पर अचानक हमला करता रहा।

कुत्ते के काटने से कई लोग बुरी तरह घायल हो गए, जिन्हें परिजनों और स्थानीय नागरिकों की मदद से जिला अस्पताल सुकमा में भर्ती कराया गया है। शनिवार सुबह भी कुत्ते का आतंक जारी रहा, जब उसने चार से पांच और लोगों को काट लिया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

घटना की जानकारी मिलते ही नगरपालिका और स्वास्थ्य विभाग को तुरंत सूचित किया गया। सूचना पर नगरपालिका की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद कुत्ते को सुरक्षित तरीके से पकड़ लिया। नगरपालिका अधिकारियों ने बताया कि कुत्ते को निरीक्षण और उपचार के लिए एक सुरक्षित स्थान पर भेजा गया है।

स्वास्थ्य विभाग ने कुत्ते के काटने से घायल सभी लोगों को रेबीज इंजेक्शन और आवश्यक इलाज उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है।

कर्मचारी से दुर्ग निगम कमिश्नर की फरमाइश की चैट्स

10केजी जवाफूल चावल, 5 केजी सेब मंगवाए, डीटीएच रिचार्ज करवाया, डिमांड पूरी नहीं करने पर सस्पेंड किया

बिलासपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग नगर निगम कमिश्नर का कारनामा हाईकोर्ट में चर्चा का विषय बन गया है। एक कर्मचारी ने दावा किया है कि कमिश्नर ने उससे धुरंधर मूवी का कॉर्नर वाला टिकट बुक कराने, 5 किलो सेब, लाल अंगूर जैसे फल, 10 किलो जवा फूल चावल मंगवाया, बंगले का वाई-फाई तक रिचार्ज करवाया। फिर डिमांड पूरी नहीं कर सका तो उस कर्मचारी को सस्पेंड कर नौकरी से निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी। परेशान कर्मचारी ने न्याय के लिए हाईकोर्ट की शरण ली, जिस पर हाईकोर्ट के जस्टिस पीपी साहू ने कर्मचारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी है।कर्मचारी ने वॉट्सएप चैट्स के स्क्रीनशॉट हाईकोर्ट में पेश किए हैं।

वॉट्सएप चैट्स के स्क्रीनशॉट हाईकोर्ट में पेश

दरअसल, दुर्ग नगर निगम में असिस्टेंट ग्रेड-3 भूपेंद्र गोइर ने एडवोकेट संदीप दुबे और मानस वाजपेयी के जरिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। कर्मचारी ने याचिका के साथ वॉट्सएप चैट्स के स्क्रीनशॉट हाईकोर्ट में पेश किए हैं। जिसमें निगम कमिश्नर सुमित अग्रवाल ने कर्मचारी से कई बार निजी फरमाइश की, इसमें लाल अंगूर, सेब, संतरा समेत कई फल, 10 किलो जवा फूल चावल, मूवी की कार्नर सीट की दो टिकट, गैस सिलेंडर, बंगले के लिए एसी समेत कई मांग की। इसके अलावा एमआईसी को स्थगित करने पर भी सवाल पूछे। इसके अलावा एमआईसी की बैठक कैंसिल करने को लेकर भी कर्मचारी से सलाह मांगी। वहीं एक कर्मचारी के संबंध में लिखा गया कि उसको समझा देना, नहीं तो हटा दूंगा।कर्मचारी ने दावा किया है कि वॉट्सएप पर उनसे फल मंगवाया जाता था।याचिकाकर्ता कर्मचारी ने बताया कि उसकी नियुक्ति 2014 में चपरासी के पद पर हुई थी। फिर 2019 में प्रमोशन देकर उसे सहायक ग्रेड-3 बनाया गया। 31 जुलाई 2025 को कमिश्नर ने उसे कुछ नियुक्तियों में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया। उस पर आरोप है कि प्यून नम्रता रक्सेल और सहायक राजस्व निरीक्षक प्रीति उज्जैनवार की नियुक्ति और सहायक लेखा अधिकारी रमेश कुमार शर्मा की पदोन्नति अवैध तरीके से की गई थी।

लातेहार में 5 किलो का सिलेंडर बम बरामद

सर्च ऑपरेशन के दौरान मिला, सुरक्षाकर्मियों की बची जान, डिफ्यूज किया गया

लातेहार, 17 जनवरी (एजेंसियां)। लातेहार जिले के हेरहंज थाना क्षेत्र स्थित सेरेनदाग जंगल में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों की एक बड़ी साजिश को समय रहते नाकाम कर दिया। संयुक्त सर्च ऑपरेशन के दौरान जंगल में छिपाकर रखा गया करीब 5 किलो वजनी सिलेंडर बम बरामद किया गया। संयुक्त सर्च ऑपरेशन के दौरान जंगल में छिपाकर रखा गया करीब 5 किलो वजनी सिलेंडर बम बरामद किया गया।

बताया जा रहा है कि नक्सलियों ने यह शक्तिशाली बम सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के इरादे से लगाया था। यदि समय रहते इसका पता नहीं चलता, तो बड़ा हादसा हो सकता था। बम की बरामदगी के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता बढ़ा

दी गई है।सशस्त्र सीमा बल 35वीं वाहिनी एफ के उप कमांडेंट नीरज कुमार सिंह ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर जिला पुलिस के सहयोग से सेरेनदाग जंगल में संयुक्त सर्च अभियान चलाया गया था।

अभियान के दौरान जवानों की नजर जमीन में छिपाए गए संदिग्ध वस्तु पर पड़ी। जांच करने पर वह सिलेंडर बम निकला। तत्काल पूरे क्षेत्र को सुरक्षित कर बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया।सभी सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए बम को निष्क्रिय किया गया। इस पूरे अभियान में प्रभारी विजय पाल, अन्य सुरक्षा जवानों के अलावा हेरहंज थाना प्रभारी कृष्णपाल सिंह पवैया भी मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि बम बेहद खतरनाक था और इसे विशेष सावधानी के साथ निष्क्रिय किया गया। गौरतलब है कि लातेहार जिले में लगातार चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियानों के कारण नक्सली गतिविधियां काफी हद तक कमजोर पड़ी हैं। बीते कई महीनों से इस तरह की कोई बड़ी घटना सामने नहीं आई थी। ऐसे में अचानक सिलेंडर बम की बरामदगी से पुलिस और सुरक्षा बल चौकन्ने हो गए हैं। आशंका जताई जा रही है कि नक्सली एक बार फिर अपनी मौजूदगी दर्ज कराना चाह रहे होंगे।

सुरक्षा बलों में डर का माहौल बनाने के लिए इस तरह की साजिश रच रहे हैं। फिलहाल पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया है।

सुरक्षा बलों ने स्पष्ट किया है कि नक्सलियों की किसी भी कोशिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर 2 नक्सली ढेर

बीजापुर नेशनल पार्क में एनकाउंटर, नक्सली लीडर पापाराव के होने की सूचना, शव-हथियार बरामद, फायरिंग जारी

बीजापुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर के बीजापुर नेशनल पार्क क्षेत्र जवानों ने दो नक्सलियों को मार गिराया और उनके शव-हथियार बरामद कर लिए गए हैं। शवों की पहचान जारी है। एक शव को नेशनल पार्क एरिया कमेटी चीफ दिलीप वेंडजा का बताया जा रहा है। अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। इलाके में नक्सली लीडर पापाराव के साथ बड़ी संख्या में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर फोर्स को रवाना किया गया था। तभी जवानों की नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हो गई।

पापाराव, दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी का इकलौता सदस्य है और यह क्षेत्र का इंचार्ज भी है। मौके से एके-47 बरामद किए गए

हैं। शनिवार सुबह से ही संयुक्त टीम और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग जारी है।

नेशनल पार्क क्षेत्र में नक्सलियों की बड़ी संख्या

डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) के जवान नेशनल पार्क क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान चला रहे थे। इसी दौरान उनका सामना नक्सलियों की बड़ी टुकड़ी से हुआ। मुठभेड़ अब भी जारी है। सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और मारे गए नक्सलियों के शवों को बरामद करने और अन्य नक्सलियों की तलाश के लिए अभियान तेज कर दिया गया है। बीजापुर पुलिस ने प्रेस नोट जारी कर कहा कि अभियान अब भी जारी है। इसलिए मुठभेड़ का स्थान, ऑपरेशन में शामिल सुरक्षाबलों की संख्या और अन्य संवेदनशील जानकारी फिलहाल साझा नहीं की जा सकती, ताकि जवानों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

डेढ़ साल में कुल 23 बड़े नक्सली मारे गए हैं। इनमें सबसे खूंखार नक्सली माड़वी हिड़मा, नक्सल संगठन सचिव बसवाराजू, गणेश उइके सहित 16 बड़े नक्सली शामिल हैं। भूपति, रूपेश और रामधेर जैसे बड़े नक्सलियों ने अपने सैकड़ों साथियों के साथ हथियार डाल दिए हैं।

यूपी में कोहरे में 40 गाड़ियां टकराईं, 7 की मौत

श्रीनगर में पारा -4°सी पहुंचा; हिमाचल में 25 टूरिस्ट बर्फबारी में फंसे, रेस्क्यू

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में शनिवार को सर्दी के इस सीजन का सबसे घना कोहरा छाया। 15 जिलों में 40 से ज्यादा वाहन कोहरे के कारण टकरा गए। इन घटनाओं में डेढ़ साल की बच्ची समेत 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से ज्यादा घायल हुए। राज्य में 100 से ज्यादा ट्रेन देरी से चल रही हैं। जम्मू-कश्मीर में भयंकर सर्दी का 40 दिन का चिल्लई कलां जारी है। आज इसका 28वां दिन है। कश्मीर में मिनिमम टेम्परेचर में भारी गिरावट आई। श्रीनगर में टेम्परेचर -4.0°सी रहा, शोपियां -5.6°सी रहा। इनके अलावा पहलगाम -2.6°सी, गुलमर्ग -4.2°सी, सोनमर्ग -2.9°सी रहा। हिमाचल के लाहौल स्पीति और चंबा में बर्फबारी हुई। स्पीति के शिंकुला दर्रा में 25 टूरिस्ट व्हीकल बर्फबारी में फंस गए, जिन्हें पुलिस ने रेस्क्यू किया। शिमला और चौपाल के अलावा सभी शहरों के तापमान में बढ़ोतरी हुई। सियोबाग का पारा 1.0°सी से सीधे 8.0°सी पहुंचा।

बिलासपुर में 400 बाई काम पर नहीं पहुंची

महीने में 3 दिन छुट्टी, सैलरी बढ़ाने, घर तक पहुंचने के लिए अलग से किराए की मांग

बिलासपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। बिलासपुर के सरकंडा के विजयापुरम इलाके में शनिवार सुबह घरेलू कामकाज पूरी तरह से ठप हो गया, क्योंकि यहां करीब 400 कामवाली बाई अपनी मांगो को लेकर धरने पर बैठ गई थी। उनकी मांग है कि सैलरी बढ़ाई जाए, महीने में 3 दिन की छुट्टी दी जाए और सोसायटी तक पहुंचने के लिए अलग से भाड़ा दिया जाए।

बता दें कि विजयापुरम कॉलोनी में करीब 1500 मकान है। इस के पीछे ही अटल आवास है जहां की अधिकांश महिलाएं झाड़ू-पोछा, बर्तन करने विजयापुरम इलाके में आती है। लेकिन अटल आवास से विजयापुरम तक पहुंचने वाला रास्ता सुरक्षा का हवाला देते हुए बंद कर दिया गया है, जिससे अब बाइयों को 4-5 किलोमीटर दूरी तय कर काम पर पहुंचना पड़ रहा। उनकी मांगों में सबसे प्रमुख यहीं मांग है कि इस रास्ते को खोला जाए नहीं तो आने जाने का अलग से भाड़ा दिया जाए। सैलरी बढ़ाने और महीने में 2 दिन छुट्टी की मांग।

क्या हैं बाइयों की मांगें?

महीने का वेतन बढ़ाया जाए, क्योंकि मौजूदा

मेहनताना मेहनत के हिसाब से कम है। हफ्ते में 3 दिन बिना पेमेंट कटे छुट्टी दी जाए। सभी बाइयों के लिए आई-कार्ड बनाए जाएं, ताकि उनकी पहचान और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। सोसायटी तक पहुंचने वाले रास्ते को खोला जाए।

कई घरों में चाय तक नहीं बनी

शनिवार (17 जनवरी) सुबह सोसयटी के सामने सैकड़ों बाइयां एकजुट होकर धरने पर बैठ गईं, जिसका सीधा असर इलाके के घरों पर देखने को मिला। हालात ऐसे रहे कि कई घरों में सुबह की चाय तक नहीं बन पाई। कई घरों में टाइम पर नास्ता नहीं पाया। कामवाली बाई के हड़ताल में चले जाने से घरेलू कामकाज प्रभावित हुआ है।

महिला वकील बोली- काम पर नहीं पहुंची बाई, फोन भी नहीं उठाया

सोसायटी निवासी एक महिला एडवोकेड नुपूर ने बताया कि काम वाली बाई अचानक नहीं आई। ना ही फोन कर जानकारी दी है और फोन करने पर उठाई तक नहीं। अब हमें सफर करना पड़ रहा है। सारा काम छोड़कर कोर्ट जाना मेरी पहली प्रॉयरटी है। सैलरी बढ़ाने को लेकर वकील नुपूर ने कहा कि काम का कोई फिक्स सैलरी नहीं है, सब जगह अलग-अलग रेट है। जितनी जरूरत हमें उनकी है उतनी ही जरूरत उन्हें हमारी है। दोनों को समझकर चलना होगा।

झाड़ू-पोछा, बर्तन सब बंद

हर दिन की तरह सुबह होते ही रोजमर्रा के कामों के लिए गृहणियां इंतजार करती रहीं, लेकिन झाड़ू-पोछा, बर्तन और खाना बनाने वाली बाइयां कहीं नजर नहीं आईं। घरों में काम ठप होने से महिलाओं की मुश्किलें काफी बढ़ गईं है।

छत्तीसगढ़ में 6 पैसेंजर ट्रेनें 2 दिन कैंसिल

बिलासपुर, रायगढ़ और कोरबा जाने वाले यात्री परेशान होंगे, 19 जनवरी तक नहीं चलेंगी गाड़ियां

बिलासपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर रेल मंडल में ब्रिज मरम्मत के चलते रेलवे में 2 दिन ट्रैफिक ब्लॉक लिया जाएगा। इस काम के चलते छत्तीसगढ़ की 6 पैसेंजर ट्रेनों को कैंसिल किया गया है।

17 और 18 जनवरी को बिलासपुर-रायगढ़-बिलासपुर और बिलासपुर-कोरबा-बिलासपुर मेमू लोकल ट्रेन दो दिन नहीं चलेंगी। इसके चलते रोजाना ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों को मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

बिलासपुर रेल मंडल के कोटमीसोनार-जयरामनगर सेक्शन के बीच ट्रैफिक ब्लॉक लेकर मेंटेनेंस वर्क किया जाएगा। इसके चलते दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने और गुजरने वाली कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेगी।

आज और कल इन दो दिनों में 6 पैसेंजर ट्रेनें रद्द रहेंगी, जबकि अन्य ट्रेनें अपनी रफ्तार कम रखकर ही गुजरेंगी।

ट्रम्प ने दुनियाभर के देशों को धमकी दी

> ग्रीनलैंड पर कब्जे का विरोध किया तो टैरिफ लगाएंगे
> कनाडाई पीएम बोले-हर हाल में ग्रीनलैंड के साथ

वॉशिंगटन, 17 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने को लेकर खुली धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर किसी देश ने ग्रीनलैंड पर कब्जे वाले प्लान में उनका साथ नहीं दिया तो वे उन देशों पर टैरिफ लगाएंगे। ट्रम्प ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में एक बैठक के दौरान यह बयान दिया। हालांकि, उन्होंने साफ नहीं किया कि किन देशों पर टैरिफ लगाया जाएगा और इसके लिए वह किस कानूनी अधिकार का इस्तेमाल करेंगे। दूसरी ओर कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शुक्रवार को कहा कि ग्रीनलैंड के मालिकाना हक का फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का नहीं है। नाटो देश होने के नाते ग्रीनलैंड के तरफ हमारी जिम्मेदारी बरकरार है। उन्होंने कहा, ग्रीनलैंड का भविष्य ग्रीनलैंड और डेनमार्क के लोगों का फैसला है। कार्नी ने नाटो सहयोगियों, खासकर अमेरिका से कहा कि वे अपने वादों का सम्मान करें।

ग्रीनलैंड को लेकर दो गुट में बंटे अमेरिकी सांसद

अमेरिकी सीनेटर मर्कोव्स्की ने ग्रीनलैंड को जबरन लेने के खिलाफ संसद में एक बिल पेश किया है। वहीं, एक रिपब्लिकन सांसद ने ग्रीनलैंड को जोड़ने के पक्ष में दूसरा बिल पेश किया। ट्रम्प के विशेष दूत जेफ लैंड्री ने फॉक्स न्यूज को बताया कि अमेरिका को ग्रीनलैंड के नेताओं से सीधे बात करनी चाहिए, न कि डेनमार्क से। उन्होंने कहा, 'ट्रम्प गंभीर हैं। जल्द ही सौदा हो जाएगा।' बुधवार को डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोक्के रासमुसेन और ग्रीनलैंड की विदेश मंत्री विवियन मोट्ज़फेल्ट ने व्हाइट हाउस में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की थी। एक डेनिश अधिकारी ने कहा कि सैन्य कार्रवाई की कोई बात नहीं हुई, लेकिन ट्रम्प के बयानों को गंभीरता से लिया जा रहा है। व्हाइट हाउस में बुधवार को हुई बातचीत में डेनमार्क, ग्रीनलैंड और अमेरिका के बीच कोई बड़ा समझौता नहीं हुआ। हालांकि, बैठक के बाद तीनों पक्षों ने ग्रीनलैंड से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए एक संयुक्त वर्किंग ग्रुप बनाने पर सहमति जताई, जिसकी बैठकें आने वाले हफ्तों में होंगी। रासमुसेन ने साफ कहा कि अमेरिका के साथ असहमति बनी हुई है। हमारा रुख काफी अलग है।

गोल्डन डोम प्रोजेक्ट के लिए ग्रीनलैंड जरूरी

ट्रम्प ने ग्रीनलैंड को गोल्डन डोम नामक बड़े रक्षा प्रोजेक्ट के लिए भी अहम बताया है। गोल्डन डोम अमेरिका का मिसाइल डिफेंस प्रोजेक्ट है। यह इजराइल के आयरन डोम से प्रेरित है। गोल्डन डोम का मकसद चीन, रूस जैसे देशों से आने वाले खतरे से अमेरिका को बचाना है। ट्रम्प ने बताया कि अमेरिका ग्रीनलैंड को लेकर नाटो से भी बातचीत कर रहा है।

ट्रम्प पहले भी कह चुके हैं कि नाटो को अमेरिका का साथ देना चाहिए। अगर अमेरिका ने ग्रीनलैंड पर कंट्रोल नहीं किया, तो रूस या चीन वहां अपना असर बढ़ा सकते हैं, जो किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। ट्रम्प के बयान के वक्त अमेरिकी संसद का एक द्विदलीय प्रतिनिधिमंडल ग्रीनलैंड के दौरे पर था। इस 11 सदस्यीय टीम का नेतृत्व डेमोक्रेट सीनेटर क्रिस कून्स कर रहे हैं। इसमें रिपब्लिकन सीनेटर थॉम टिलिस और लिसा मर्कोव्स्की भी शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल ने ग्रीनलैंड के सांसदों के अलावा डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन और ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नीलसन से मुलाकात की। टीम का मकसद स्थानीय लोगों की बात सुनना और वॉशिंगटन में तनाव कम करना है। सीनेटर कून्स ने कहा, 'हम ग्रीनलैंड के लोगों की सुन रहे हैं और उनकी राय लेकर वापस जाएंगे, ताकि स्थिति शांत हो।' ग्रीनलैंड की सांसद आजा चेमनित्ज ने कहा, 'हमें दोस्तों और सहयोगियों की जरूरत है। अमेरिका 2019 से दबाव बना रहा है। यह एक लंबी दौड़ है, जो अभी खत्म नहीं हुई। जितना ज्यादा समर्थन मिले, उतना अच्छा। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह मुलाकात फायदेमंद साबित होगी।

अमेरिका के ईरान पर हमले की आशंका गहराई

निर्वासित युवराज ने भारत के साथ संबंधों पर दिया बड़ा बयान

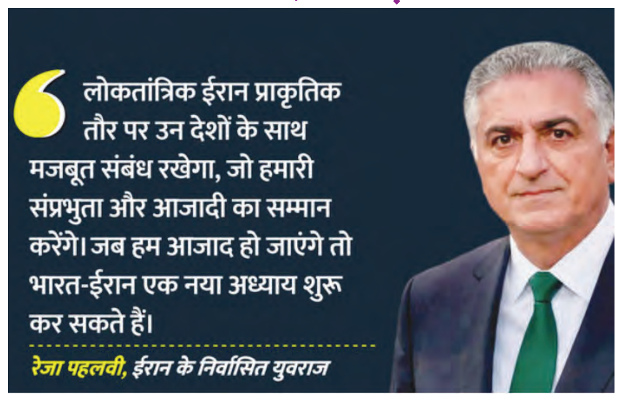

वॉशिंगटन, 17 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान के निर्वासित युवराज रेजा पहलवी ने अपने एक बयान में भारत-ईरान संबंधों की तारीफ की और साथ ही कहा कि दोनों देश नए अध्याय की शुरुआत कर सकते हैं। रेजा पहलवी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि भारत और ईरान के संबंध दशकों पुराने हैं और उन्होंने भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के एक ईरान दौरे की यादें भी साझा कीं। रेजा पहलवी द्वारा भारत के साथ संबंधों को लेकर की गई बातचीत के बाद ऐसा माना जा रहा है कि अमेरिका जल्द ही ईरान पर हमला कर सकता है और रेजा पहलवी खुद को ईरान के अगले शाह के तौर पर पेश कर रहे हैं।

रेजा पहलवी ने कहा, भारत और ईरान के आधुनिक समय में संबंध मजबूत रहे हैं। रेजा पहलवी ने इंदिरा गांधी के ईरान दौरे को याद करते हुए कहा कि जब भारत की पूर्व पीएम इंदिरा गांधी ने ईरान का दौरा किया था, उस वक्त वे बहुत छोटे थे। रेजा पहलवी ने भारत और ईरान के बीच सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध होने की भी बात कही। ईरान में लोकतंत्र लाने की पैरवी करते हुए निर्वासित युवराज ने कहा, 'लोकतांत्रिक ईरान प्राकृतिक तौर पर उन देशों के साथ मजबूत संबंध रखेगा, जो लोकतांत्रिक ईरान की संप्रभुता और आजादी का सम्मान करेंगे।'

'शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे लोगों को हिरासत में नहीं ले सकते'

मिनेसोटा की अदालत का आदेश; ट्रंप को झटका

वॉशिंगटन, 17 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के मिनेसोटा की एक अदालत ने अहम आदेश पारित किया। इस आदेश के तहत शांतिपूर्वक विरोध प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों को संघीय अप्रवासन अधिकारी न तो हिरासत में ले सकते हैं और न ही उनके खिलाफ टियर गैस का इस्तेमाल कर सकते हैं। अमेरिका की डिस्ट्रिक्ट जज केट मेनडेज ने यह आदेश दिया। मिनेसोटा के छह सामाजिक कार्यकर्ताओं ने दिसंबर में इसे लेकर याचिका दायर की थी, जिस पर अब अदालत ने आदेश सुनाया है।

अवैध अप्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा अप्रवासन विभाग ट्रंप प्रशासन में अवैध अप्रवासियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है और उन्हें पकड़कर निर्वासित करने की प्रक्रिया चल रही है। मिनियापोलिस के सेंट पॉल इलाके में भी दिसंबर की शुरुआत से ही अवैध अप्रवासियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसका लोगों द्वारा विरोध भी किया जा रहा है।

अमेरिकी सिविल लिबर्टीज यूनियन ऑफ मिनेसोटा के कार्यकर्ताओं द्वारा अप्रवासन विभाग की कार्रवाई का विरोध किया जा रहा है। इस संगठन का कहना है कि अप्रवासन विभाग के अधिकारी लोगों को संवैधानिक अधिकारों का हनन कर रहे हैं। वहीं सरकारी अटॉर्नी ने अप्रवासन विभाग और बॉर्डर पेट्रोलिंग अधिकारियों की कार्रवाई का समर्थन किया और कहा कि ये अधिकारी कानून के तहत ही काम कर रहे हैं।

अप्रवासन विभाग के एजेंटों की गोली से हुई थी महिला की मौत

मिनेसोटा में अप्रवासन विभाग की कार्रवाई का मिनेसोटा के डेमोक्रेट गवर्नर टिम वाल्ज और मिनियापोलिस के मेयर जैकब फ्रे द्वारा कड़ा विरोध किया जा रहा है। बीते दिनों मिनियापोलिस में ही अप्रवासन विभाग के एजेंटों द्वारा रेनी निकोल गुड नामक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जिसके बाद से मिनियापोलिस में व्यापक आक्रोश और शोक के माहौल है। मिनियापोलिस और सेंट पॉल में अप्रवासन विभाग की कार्रवाई को निलंबित करने की मांग को लेकर भी अदालत में याचिका दायर की गई है, जिस पर भी जल्द सुनवाई हो सकती है।

पाक पीएम ने 10 लाख लोगों की जान बचाने के लिए शुक्रिया कहा था

वाशिंगटन, 17 जनवरी (एजेंसियां)। यूएस प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प ने न्यूयॉर्क सिटी में एक बार फिर दावा किया है कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाई थी।

ट्रम्प ने बताया कि पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने 10 लाख लोगों की जान बचाने के लिए उन्हें शुक्रिया कहा था। ट्रम्प ने यह बयान दक्षिणी बोलेवार्ड सड़क का नाम बदलकर 'डोनाल्ड जे ट्रम्प बुलेवार्ड' रखे जाने के मौके पर दिया। उन्होंने कहा, 'एक साल में हमने 8 शांति समझौते कराए। गाजा में वॉर रुकवाई, मध्य-पूर्व में शांति लाई। भारत और पाकिस्तान जैसे दो परमाणु ताकत वाले देशों को लड़ने से रोका।' हालांकि भारत ने इन दावों का लगातार खंडन किया है। भारत हमेशा कहता आया है कि भारत-पाक के बीच सीजफायर में किसी तीसरे देश का कोई हस्तक्षेप था।

अमेरिका की हिदायत-मेक्सिको के ऊपर उड़ते समय सावधान रहे

60 दिन की पाबंदी लगाई; पिछले हफ्ते ड्रग कार्टेल को लेकर हमले की धमकी दी थी

वॉशिंगटन, 17 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने अपनी एयरलाइंस के लिए चेतावनी जारी की। इसमें कहा गया है कि वे मेक्सिको, मध्य अमेरिका और दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों के ऊपर उड़ान भरते समय सतर्क रहें। यह चेतावनी संभावित सैन्य गतिविधियों और जीपीएस सिग्नल में रुकावट के खतरे के कारण दी गई है। एफएए ने मेक्सिको, मध्य अमेरिकी देशों, इक्वाडोर, कोलंबिया और पूर्वी प्रशांत महासागर के कुछ हवाई क्षेत्रों के लिए नोटिस टू एयरमेन जारी किए हैं। ये चेतावनियां 16 जनवरी 2026 से शुरू होकर 60 दिनों तक, यानी मार्च 2027 तक प्रभावी रहेंगी।

मेक्सिको सरकार ने एफएए की इस चेतावनी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि यह सिर्फ एक सावधानी है। इससे मेक्सिको की हवाई सीमा या वहां की एयरलाइंस पर कोई पाबंदी नहीं लगी है। यह नोटिस केवल अमेरिकी ऑपरेटरों (एयरलाइंस) पर लागू होता है और मेक्सिको में उड़ानें सामान्य रूप से जारी रहेंगी। ट्रम्प ने 8 दिसंबर को कहा था कि मेक्सिको में ड्रग कार्टेल देश चला रहे हैं और अमेरिका इनके खिलाफ जमीन पर हमले कर सकता है।

जमीन पर मौजूद ड्रग कार्टेल को खत्म करेगा अमेरिका

वेनेजुएला पर कार्रवाई के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 8 दिसंबर को कहा था कि उनका प्रशासन जल्द ही जमीन पर मौजूद ड्रग कार्टेल को निशाना बनाने के लिए कार्रवाई शुरू करेगा। ट्रम्प ने फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में दावा किया कि मेक्सिको पर ड्रग कार्टेल का राज है। यह अमेरिका में हर साल 2.5 लाख से 3 लाख लोगों की मौत का कारण बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि समुद्र के रास्ते से ड्रग्स की तस्करी को 97% तक रोक दिया है, इसलिए अब जमीन पर कार्रवाई की जाएगी। हालांकि उन्होंने योजनाओं के बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबॉम ने ट्रम्प के बयानों का कड़ा जवाब दिया है। उन्होंने मादुरो की गिरफ्तारी के बाद कहा कि अमेरिका किसी भी क्षेत्र का मालिक नहीं है।

मेक्सिको में ड्रग कार्टेल्स खत्म करने की पेशकश की, राष्ट्रपति नहीं मानी

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने साफ किया कि मेक्सिको दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप को पूरी तरह खारिज करता है। ट्रम्प ने दावा किया कि उन्होंने शीनबाम से कई बार अमेरिकी सैनिक भेजकर कार्टेल्स को खत्म करने की पेशकश की, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया।

शीनबाम ने ने ड्रग तस्करी रोकने में दोनों देशों के बीच चल रहे सहयोग का जिक्र किया, लेकिन अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी को सिरे से नकार दिया।

यूक्रेन किलर शाहेद-136, हदीद-110

मिसाइलों की तरह हमला कर सकते हैं ईरान के 5 यूएवी, खौफ में अमेरिका

तेहरान, 17 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान भले ही परमाणु हथियार बनाने में नाकाम रहा है, लेकिन उसने अपनी सैन्य क्षमता को तेजी से आगे बढ़ाया है। ईरान के हथियार भंडार में ऐसे ड्रोन और मिसाइलों का मिश्रण मौजूद है, जिसे देखते हुए अमेरिका हमला करने से पहले सौ बार सोच रहा है। ये ड्रोन और मिसाइल इतने ज्यादा खतरनाक हैं, कि हमला होने की स्थिति में ये अमेरिकी सेना और मिडिल ईस्ट में तैनात अमेरिकी अधिकारियों को भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं। यकीन मानिए, ईरानी मिसाइलें और ड्रोन, अमेरिका के मिडिल ईस्ट की तरफ बढ़ रहे एयरक्राफ्ट कैरियर तक को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं।

ईरान के पास अनमैन्ड एरियल व्हीकल्स हैं, जिसे उसने अपनी स्ट्रेटेजिक डॉक्ट्रिन में शामिल किया है। तेहरान ने इन यूएवीएस को खास तौर पलर लंबी दूरी के मिशन को अंजाम देने के लिए डिजाइन किया हुआ है, क्योंकि इजरायल से उसकी दूरी काफी ज्यादा है। इस रिपोर्ट में हम ईरान की उन पांच घातक यूएवीएस की चर्चा कर रहे हैं, जिसकी बदौलत ईरान ने अभी तक इजरायल और अमेरिका को हमला करने से पहले सौ बार सोचने पर मजबूर कर रखा है।

ईरान के पास कम से कम 10 तरह के अलग अलग क्षमता वाले आत्मघाती ड्रोन हैं। इन्हें टारगेट से टकराकर भारी विस्फोट के साथ फटने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें एडवांस रडारों को चकमा देने की गजब की क्षमता है, क्योंकि ये काफी कम ऊंचाई पर उड़ते हैं और बैलिस्टिक मिसाइलों जैसी सटीकता के साथ निशाने पर हमला करते हैं। ये काफी ज्यादा विनाशक ड्रोन है। यूनाइटेड स्टेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ पीस की रिपोर्ट में खास तौर पर इस ड्रोन के बारे में बात की गई है। इसमें कहा गया है कि शाहेद-136 जैसे छोटे मॉडल 45 किलोग्राम तक विस्फोटक लेकर उड़ान भरते हैं, जबकि इस कैटोगिरी में सबसे हल्के प्लेटफॉर्म में से एक, मेराज-521, सिर्फ 3 किलोग्राम विस्फोटक लेकर उड़ान भरने की क्षमता रखता है। जो किसी एक छोटे टागरेट को उड़ाने के लिए काफी है।शाहेद 149 गाजा, ईरान ड्रोन टेक्नोलॉजी की बहुत बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। इसे ईरान का सबसे बड़ा और सबसे एडवांस मानवरहित लड़ाकू हवाई वाहन माना जाता है। ईरान एयरफोर्स और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स, दोनों इस ड्रोन को ऑपरेट करते हैं। ये काफी ज्यादा ऊंचाई पर उड़ने वाला ड्रोन है और इसका वजन करीब 3000 किलोग्राम से ज्यादा है। 2025 में आईआरजीसी एयरोस्पेस फोर्स ने इस ड्रोन के बारे में बताया था कि शाहेद 149 ड्रोन, लगातार 35 घंटे तक उड़ान भर सकता है और ये 350 किमी/घंटा की स्पीड से उड़ान भरता है। इसकी मार करने की क्षमता करीब 1000 किलोमीटर है।

शाहेद 129 ड्रोन

शाहेद 129 ड्रोन का भी लोहा अब दुनिया मान चुकी है। इसे ईरान ने सर्विलांस के साथ साथ हमला करने के लिए डिजाइन किया हुआ है। ये सिस्टम 24 घंटे तक लगातार आसमान में रहकर सर्विलांस कर सकता है और जरूरत पड़ने पर हमला भी कर सकता है। इसकी तुलना इसके आकारा और फंक्शन के मामले में अमेरिकी एमक्यू-1 प्रीडेटर ड्रोन से की जाती है। इसकी ऑपरेशनल क्षमता और एंड्योरेंस इसे ईरान के यूएवी फ्लीट की रीढ़ बनाती है। शाहेद-129 ड्रोन एक हमलावर यूएवी है जो एक ही समय में आठ बम या ईरानी सदीद मिसाइल से सटीक हमला कर सकता है।

आजादी की दहलीज पर पहुंच चुका है वेनेजुएला : मारिया कोरीना मचाडो

वाशिंगटन, 17 जनवरी (एजेंसियां)। वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरीना मचाडो ने कहा है कि उनका देश अब "आजादी की दहलीज" पर पहुंच चुका है। हाल के राजनीतिक बदलावों और मादुरो सरकार के खिलाफ अमेरिका की कार्रवाई के बाद लोकतंत्र की ओर बढ़ने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। वाशिंगटन में एक प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि 3 जनवरी 2026 को एक नया और अहम पड़ाव हासिल हुआ। उन्होंने कहा, ₹हम निश्चित रूप से अब लोकतंत्र की ओर एक सच्चे बदलाव के पहले कदम उठा रहे हैं।

मस्क की एक्स गर्लफ्रेंड ने ग्रोक पर केस किया

> स्वास्तिक प्रिंट वाली बिकनी पहने फोटो बनाई
> मस्क की कंपनी ने भी काउंटर केस किया

न्यूयॉर्क, 17 जनवरी (एजेंसियां)। टेस्ला और एक्स (पहले ट्विटर) के मालिक इलॉन मस्क के बच्चों में से एक की मां एश्ले सेंट क्लेयर ने कंपनी के खिलाफ केस दर्ज कराया है। उनका आरोप कि चैटबॉट ग्रोक ने यूजर्स को उनकी आपत्तिजनक डीपफेक फोटो बनाने की परमिशन दी, जिससे उन्हें मानसिक पीड़ा और बदनामी झेलनी पड़ी। राइटर और पॉलिटिकल स्ट्रैटेजिस्ट 27 साल की एश्ले सेंट क्लेयर ने गुरुवार को न्यूयॉर्क सिटी की स्टेट सुप्रीम कोर्ट में यह मुकदमा दायर किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि ग्रोक से बनाई गई फोटो में उनकी 14 साल की उम्र की एक पुरानी फोटो को बदला। इसमें उन्हें बिकिनी पहने दिखाया गया। इसके अलावा कुछ दूसरी फोटो में उन्हें एक एडल्ट महिला के रूप में सेक्सुअल पोजिशन में और यहां तक कि स्वस्तिक छपी बिकिनी पहने दिखाया गया। एश्ले सेंट क्लेयर यहूदी हैं, इसलिए उन्होंने इसे और भी अपमानजनक और डराने वाला बताया। वहीं, एक्सएआई का आरोप है कि सेंट क्लेयर ने अपने यूजर एग्रीमेंट का उल्लंघन किया है। जिसमें कहा गया है कि कंपनी के खिलाफ केस केवल टेक्सास के फेडरल कोर्ट में ही किया जा सकता है।

अमेरिकी कोर्ट ने तीन भारतीयों को आईसीई की गिरफ्तारी से रिहा करने का दिया आदेश

वॉशिंगटन, 17 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के कैलिफोर्निया में अमेरिकी फेडरल जजों ने प्रवासी अधिकारियों को तीन भारतीय नागरिकों को रिहा करने का आदेश दिया है। दरअसल, कोर्ट का कहना है कि इन प्रवासी भारतीय नागरिकों को पहले अमेरिका में रहने की इजाजत दी गई थी और फिर बिना सुनवाई या सही नोटिस के हिरासत में लिया गया।

इस हफ्ते कैलिफोर्निया के पूर्वी और दक्षिणी जिले में अलग-अलग मामलों में कोर्ट की तरफ से ये फैसले जारी किए गए हैं। हर मामले में, कोर्ट ने पाया कि प्रवासी और कानून प्रवर्तन ने इन लोगों को दोबारा गिरफ्तार करने से पहले बेसिक प्रक्रिया की जरूरतों को पूरा नहीं किया। बता दें, अमेरिका में ट्रंप की वापसी के बाद से इमिग्रेशन नीति में कई बड़े बदलाव कर कानून सख्त कर दिए गए हैं। इसी के तहत अमेरिका में रह रहे प्रवासियों की कड़ी जांच की जा रही है। कोर्ट की तरफ से जिन तीन भारतीय नागरिकों के पक्ष में फैसला सुनाया है, उन्हें इमिग्रेशन अधिकारियों ने पहले रिहा कर दिया था और बाद में फिर से उन्हें हिरासत में लिया गया। पहले मामले में, अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज ट्रॉय एल ननली ने 21 साल के हरमीत एस को रिहा करने का आदेश दिया, जो अगस्त 2022 में अमेरिका गए थे। कोर्ट के रिकॉर्ड से पता चलता है कि हरमीत को फेडरल चाइल्ड प्रोटेक्शन कानूनों के तहत नाबालिग होने पर रिहा किया गया था। उसका इमिग्रेशन केस अभी भी पेंडिंग है। बाद में उसने डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी द्वारा चलाए जा रहे एक अल्टरनेटिव-टू-डिटेंशन प्रोग्राम में एनरोल किया। कोर्ट ने कहा कि उसने सभी शर्तों का पालन किया और उसका कोई आपराधिक इतिहास भी नहीं है।

इससे पहले हरमीत नवंबर 2025 में इन-पर्सन चेक-इन के लिए आईसीई के सामने पेश हुए थे। उन्हें बिना किसी एडवांस नोटिस के हिरासत में लिया गया। वह बिना किसी बॉन्ड हियरिंग के एक महीने से ज्यादा समय तक हिरासत में रहे। ऐसे में अब जज ननली ने फैसला सुनाया कि हिरासत ने शायद 5वें संशोधन की प्रक्रिया ड्यू प्रोसेस क्लॉज का उल्लंघन किया है। बता दें, अमेरिका में ड्यू प्रोसेस क्लॉज 14वें संविधान संशोधन की वह प्रक्रिया है जो सरकार को किसी भी व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता या संपत्ति को कानून की उचित प्रक्रिया के बिना छीनने से रोकती है।

विधानसभा में सवालों के नियमों पर खड़ा हुआ बखेड़ा

नेता प्रतिपक्ष जूली ने लिखा अध्यक्ष को पत्र

जयपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में प्रक्रिया नियमों की व्याख्या को लेकर बड़ा बखेड़ा खड़ा हो गया है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने विधानसभा सचिवालय की ओर से 7 और 9 जनवरी को जारी बुलेटिनों पर कड़ी आपत्ति जताई है। जूली का कहना है कि इन बुलेटिनों के जरिए सदस्यों के सवाल पूछने के अधिकार को सीमित करने की कोशिश की जा रही है। उनका कहना है ये विधायकों के अधिकारों पर सीधा हमला बताया है, जो लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है।

जूली ने लिखा देवनानी को खत

इस संबंध में टीकाराम जूली ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को पत्र लिखकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि यदि किसी विषय पर सरकार ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है, तो उसे केवल पांच साल पुराना बताकर प्रश्न पूछने से नहीं रोका जा सकता। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि सरकारी योजनाएं, नियम और विभागीय जानकारियां भले ही ऑनलाइन उपलब्ध हों, लेकिन उनकी जानकारी सदन के माध्यम से मांगना विधायकों का संवैधानिक अधिकार है।जूली ने बुलेटिन में शामिल उस बिंदु पर भी सवाल उठाए हैं, जिसमें कहा गया है कि सदस्य यथासंभव केवल किसी विशेष क्षेत्र या तहसील तक की जानकारी ही मांगें। इसके तहत सदस्यों को केवल अपने क्षेत्र या तहसील तक सीमित जानकारी मांगने की सलाह दी गई है।

नेता प्रतिपक्ष ने जनवरी 2025 में जारी पुराने बुलेटिन का हवाला देते हुए कहा कि विधानसभा नियम 37(2) के तहत प्रश्नों की स्वीकार्यता के लिए निर्धारित 25 शर्तों में इस तरह की कोई पाबंदी नहीं है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि यह रोक किस नियम के आधार पर लगाई जा रही है। जूली ने शून्यकाल, स्थगन प्रस्ताव और ध्यानाकर्षण प्रस्तावों को लेकर भी चिंता जताई।

अध्यक्ष ने दी यह सफ़ाई

वहीं, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने इन आपत्तियों पर सफाई देते हुए कहा कि बुलेटिन में कोई नई व्यवस्था नहीं है।

उन्होंने बताया कि इस तरह के सर्कुलर पहले भी जारी होते रहे हैं। संसद तथा अन्य विधानसभाओं में भी ऐसी ही प्रक्रिया अपनाई जाती है। अध्यक्ष ने यह भी कहा कि पहले बंद की गई पर्ची व्यवस्था को वर्तमान कार्यकाल में फिर से शुरू किया गया है।

महेन्द्रजीत सिंह मालवीय की कांग्रेस में हुई वापसी

हाईकमान की लगी मुहर

जयपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा को बाय-बाय कह कर कांग्रेस में दोबारा शामिल होने आए महेंद्रजीत सिंह मालवीया की पार्टी में वापसी पर कांग्रेस हाईकमान की मुहर लग गई है। अनुशासन समिति की रिपोर्ट के बाद ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की मंजूरी और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मुहर के बाद राजस्थान कांग्रेस ने महेंद्रजीत सिंह मालवीया की कांग्रेस में वापसी का आधिकारिक तौर पर ऐलान किया है।

महेंद्रजीत सिंह मालवीया ने 11 जनवरी को ही कांग्रेस पार्टी का हाथ थामने की बात कही थी। पर मालवीया की वापसी को औपचारिक अमलीजामा पहनाने में 5 दिन का समय लगा। लोकसभा चुनाव 2024 में मालवीया ने अचानक बीजेपी का दामन थाम लिया था।

अनुशासन समिति रिपोर्ट पीसीसी चीफ को सौंपी

भाजपा को छोड़कर कांग्रेस में आने के उतावले महेंद्रजीत सिंह मालवीया ने 11 जनवरी को प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा से मुलाकात की। मौके पर पीएससी के गोविंद डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी साथ थे। इसके बाद गोविंद डोटासरा ने यह मामला पार्टी की अनुशासन समिति को भेज दिया था। अनुशासन समिति के अध्यक्ष उदयलाल आंजना की अगुवाई में शकुंतला रावत, विनोद गोठवाल और हाकम अली ने विचार मंथन के बाद रिपोर्ट पीसीसी चीफ गोविंद डोटासरा को सौंप दी थी।

इससे पूर्व प्रदेश कांग्रेस की अनुशासन समिति अध्यक्ष उदयलाल आंजना की अध्यक्षता में हुई बैठक में पार्टी विरोधी गतिविधियों को लेकर मिली शिकायतों के साथ-साथ पूर्व में निष्कासित नेताओं की कांग्रेस में वापसी को लेकर आए आवेदनों पर चर्चा की गई।

मालवीया के अलावा 6 और नेता कांग्रेस में होना चाहते हैं शामिल

सूत्रों के अनुसार, उन नेताओं के आवेदनों पर भी विमर्श हुआ, जो पुनः कांग्रेस में शामिल होना चाहते हैं। इनमें पूर्व मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीया के अलावा कांता भील, खिलाड़ीलाल बैरवा, कैलाश मीणा, सुभाष तंबोली और गोपाल गुर्जर सहित अन्य नेताओं के नाम सामने आए।

'आप आपरे साथे' अभियान से आम आदमी पार्टी ने बजाया चुनावी बिगुल

भाजपा-कांग्रेस पर साधा निशाना

अजमेर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी अजमेर ने आगामी स्थानीय निकाय एवं पंचायत स्तर के चुनावों को लेकर अपनी रणनीति को धार देते हुए प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से 'आप आपरे साथे' अभियान की औपचारिक शुरुआत की। इस अभियान के जरिए पार्टी ने अजमेर जिले की राजनीति में मजबूती से अपनी उपस्थिति दर्ज कराने और आमजन से सीधा संवाद स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है।

प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी की प्रदेश महासचिव कीर्ति पाठक ने अभियान की रूपरेखा साझा की। उन्होंने बताया कि 'आप आपरे साथे' अभियान के तहत पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता अपनी-अपनी टीमों के साथ अजमेर जिले की समस्त नगरीय इकाइयों के वार्डों और पंचायत समितियों में जाकर आम नागरिकों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान लोगों की समस्याओं, अपेक्षाओं और स्थानीय मुद्दों को सुना जाएगा तथा यह जाना जाएगा कि वे अपने क्षेत्र में किस तरह का बदलाव चाहते हैं।

पारंपरिक दलों की राजनीति से ऊब चुकी है प्रदेश की जनता

कीर्ति पाठक ने कहा कि प्रदेश और देश की जनता अब पारंपरिक दलों की राजनीति से ऊब चुकी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और कांग्रेस वर्षों से भ्रष्टाचार, जाति, धर्म और संप्रदाय की राजनीति कर रही हैं, जिससे आम आदमी का विश्वास इन दलों से उठता जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज जनता को ऐसी राजनीति की जरूरत है जो काम के आधार पर हो और जिसका केंद्रबिंदु शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दे हों। आम आदमी पार्टी इसी कार्य आधारित और जवाबदेह राजनीति का विकल्प बनकर सामने आई है।

पंचायत स्तर तक पहुंचने का लक्ष्य

आम आदमी पार्टी अजमेर के जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह सनोद ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत पार्टी ने अगले 15 से 20 दिनों में जिले के प्रत्येक वार्ड और पंचायत स्तर तक पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ आमजन की भागीदारी से स्थानीय चुनावों में सशक्त विकल्प प्रस्तुत करेगी।

दुनियाभर में मशहूर स्टील किंग मोहन लाल मित्तल का निधन

चूरू, 17 जनवरी (एजेंसियां)। सादुलपुर। गीता मित्तल फाउंडेशन के संस्थापक एवं चेयरमैन मोहन लाल मित्तल का निधन शुक्रवार को लंदन में हो गया। उनका निधन भारतीय समय अनुसार सुबह 5 बजे हुए हुआ। उनके निधन की खबर से राजस्थान सहित दुनियाभर में शोक की लहर दौड़ गई। मोहन लाल मित्तल के निधन पर पीएम मोदी सहित कई केंद्रीय मंत्रियों ने शोक व्यक्त किया। चूरू जिले के सादुलपुर के रहने वाले मोहन लाल मित्तल शिक्षा, समाज सेवा एवं कौशल विकास के क्षेत्र से जुड़े थे। वह सादुलपुर से निकलकर लंदन में बस गए थे, जहां उन्होंने स्टील का व्यवसाय शुरू किया। साथ ही वह निप्पोन इंडस्ट्रीज के भी संस्थापक थे। मोहन लाल आर्सेलर मित्तल के संस्थापक लक्ष्मी निवास मित्तल के पिता हैं, जिन्हें स्टील किंग के नाम से भी जाना जाता है। आर्सेलर मित्तल दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनी है। उनके निधन पर गीता मित्तल फाउंडेशन की ओर से संचालित तीनों स्किल डेवलपमेंट सेंटरों पर शोक सभाओं का आयोजन किया गया। मोहन लाल ने राजस्थान में कौशल विकास को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से तीन स्किल डेवलपमेंट सेंटर स्थापित किए। इनमें सर्वप्रथम 29 जनवरी 2007 को मित्तल सामुदायिक केंद्र, सादुलपुर की स्थापना की गई। वर्ष 2010 में जयपुर में दूसरा स्किल डेवलपमेंट सेंटर राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स भवन में प्रारंभ किया गया। इसके पश्चात चूरू जिले के गाजसर गांव में मई 2014 में तीसरे स्किल डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना की गई, जिससे ग्रामीण युवाओं को कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगारोन्मुख अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

एजीटीएफ की बड़ी कार्रवाई

50 हजार का इनामी शराब तस्कर डाकूड़ा सांचौर से गिरफ्तार

जालोर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। जालोरः राजस्थान को अपराध मुक्त बनाने की दिशा में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। एडीजी एटीएस/एजीटीएफ दिनेश एम.एन. के निर्देशन में जालोर जिले के कुख्यात शराब तस्कर और 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश प्रकाश जाणी उर्फ पप्पू उर्फ डाकूड़ा को सांचौर क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और उसकी तलाश में पुलिस की कई टीमें जुटी हुई थीं। एडीजी दिनेश एम.एन. ने बताया कि एजीटीएफ के कांस्टेबल सुनील और सुमेर सिंह को विश्वसनीय मुखबिर तंत्र के माध्यम से सूचना मिली थी कि फरार इनामी आरोपी प्रकाश जाणी अपने परिवार से मिलने जोधपुर आया हुआ है और वहां से पुनः अपने गांव की ओर रवाना हुआ है। सूचना की पुष्टि होते ही पुलिस अधीक्षक एजीटीएफ ज्ञानचंद यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरोत्तम लाल वर्मा के सुपरविजन में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

दो कारों की भिड़ंत, चार युवकों की मौत

उदयपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। उदयपुर में शनिवार सुबह करीब 4 बजे सवीना थाना क्षेत्र के नेला तालाब रोड पर दो कारों की भिड़ंत में चार व्यक्तियों की मौत हो गई। इस सड़क हादसे में 6 व्यक्ति घायल हैं। बताया जा रहा है कि हादसा शनिवार सुबह करीब 4 बजे नेला तालाब के पास पुराने अहमदाबाद हाईवे पर हुआ। हादसे के शिकार हुए चारों युवक उदयपुर के रहने वाले थे। धार्मिक कार्यक्रम के बाद चाय पीने के लिए हाईवे की तरफ जा रहे थे।

इस दौरान गुजरात नंबर की कार ने जोरदार टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि चारों हताहत युवक एक ही समुदाय के है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए एमबी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया दिया है। हादसे के बाद मुर्दाघर और अस्पताल में परिजनों और परिचितों की भीड़ जुट गई है।

एक समुदाय के चार युवक की मौत

सवीना थानाधिकारी अजयराज सिंह ने बताया कि हादसे में मुर्शीद नगर, सवीना निवासी मोहम्मद अयान (17 वर्ष), बरकत कॉलोनी, सवीना निवासी आदिल कुरैशी (14 वर्ष), मल्लातलाई निवासी शेर मोहम्मद (19 वर्ष) और सवीना निवासी गुलाम ख्वाजा (17 वर्ष) की मौत हो गई।

गुजरात जा रही दूसरी कार, 4 घायल, 2 गंभीर

अजयराज सिंह ने बताया कि सभी छह दोस्त महफिल-ए-मिलाद के कार्यक्रम के बीच में कार से चाय पीने के लिए निकले थे। वहीं दूसरी कार राजगढ़, चूरू से वापी (गुजरात) की तरफ जा रही थी। गुजरात जा रही दूसरी कार में सवार चारों युवक घायल हो गए। इनमें से 2 की हालत गंभीर है।

कारों को क्रेन की मदद से सवीना थाने ले गए

बताया जा रहा है कि उनका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस टीम ने क्रेन की मदद से दोनों कारों को सवीना थाने के बाहर रखवाया है।

भारत-पाक बॉर्डर से सटे इलाकों में पाकिस्तानी सिम पर बैन

आवाजाही भी बंद; 2 माह लागू रहेगा प्रतिबंध

श्रीगंगानगर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे श्रीगंगानगर जिले के इलाकों में राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पाकिस्तानी लोकल सिम कार्ड के उपयोग पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है।

श्रीगंगानगर जिला मजिस्ट्रेट डॉ. मंजू ने बताया कि सीमा से लगे पाकिस्तानी क्षेत्र में स्थापित मोबाइल टॉवरों का नेटवर्क भारतीय सीमा के भीतर तीन से चार किलोमीटर तक आ सकता है, जिससे सुरक्षा संबंधी खतरे की आशंका बनी रहती है। इसी कारण यह निर्णय लिया गया है।

शाम 7 से सुबह 6 बजे तक

नो-गो जोन

आदेशानुसार भारत-पाक बॉर्डर सटे 3 किमी के दायरे में शाम 7 से सुबह 6 बजे तक लोगों के आवागमन पर पूरी तरह बैन रहेगा। श्रीगंगानगर, श्रीकरणपुर, पदमपुर, रायसिंहनगर, अनूपगढ़ और घड़साना उपखंड से लगती सीमा पर यह नियम लागू होगा। वहीं, सिंचाई के लिए जाने वाले किसानों को बीएसएफ या सेना के अधिकारियों से परमिशन लेनी होगी।

आदेश उल्लंघन पर होगी कानूनी कार्रवाई

जिला मजिस्ट्रेट ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश जारी किया है कि जिले के किसी भी ऐसे क्षेत्र में, जहां पाकिस्तानी नेटवर्क के जरिए संपर्क संभव है।

पाकिस्तानी लोकल सिम के उपयोग पर रोक

कोई भी व्यक्ति पाकिस्तानी लोकल सिम का उपयोग नहीं करेगा और न ही किसी को इसकी अनुमति दी जाएगी। आदेश का उल्लंघन करने पर दोषी के खिलाफ विधि अनुसार कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश 15 जनवरी से आगामी दो माह की अवधि तक प्रभावशील रहेगा।

रिजर्व लिस्ट के आधार पर नियुक्ति का अधिकार नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने आरपीएससी के पक्ष में दिया फैसला

अजमेर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान लोक सेवा आयोग की अपीलों पर गुरुवार को एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि केवल रिजर्व या वेटिंग लिस्ट में नाम होने मात्र से किसी उम्मीदवार को नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता है। प्रकरण में सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ एवं खंडपीठ के उन आदेशों को रद्द कर दिया है, जिसमें आयोग को नियमों में अंकित अवधि के व्यतीत हो जाने के बावजूद रिजर्व लिस्ट से उम्मीदवारों को नियुक्त करने के निर्देश दिए गए थे।

आयोग के संयुक्त विधि परामर्शी राकेश ओझा ने बताया कि यह प्रकरण कनिष्ठ विधि अधिकारी भर्ती-2013 एवं 2019 और सहायक सांख्यिकी अधिकारी भर्ती- 2020 से संबंधित था। इसमें मुख्य सूची के कुछ अभ्यर्थियों द्वारा कार्यभार ग्रहण न करने के कारण रिक्त रहे पदों पर आरक्षित सूची के अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग करते हुए राजस्थान उच्च न्यायालय में याचिका प्रस्तुत की थी। इस पर वेटिंग लिस्ट में शामिल यति जैन, आकृति सक्सेना और विवेक कुमार मीणा जैसे उम्मीदवारों की याचिका पर राजस्थान उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए थे, जिसे आयोग ने उच्च न्यायालय की खंडपीठ में अपील दायर कर चुनौती दी थी, परंतु खंडपीठ ने एकलपीठ के निर्णय को यथावत रखते हुए आयोग की अपील को खारिज कर दिया था। अंततः आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में इस आदेश को चुनौती दी थी। नियमों की सर्वाच्चताः सुप्रीम कोर्ट ने माना कि राजस्थान सेवा नियमों के अंतर्गत आरक्षित सूची की वैधता मुख्य सूची भेजे जाने की तिथि से केवल 6 माह के लिए होती है। इस अवधि के समाप्त होने के बाद सूची निष्प्रभावी हो जाती है।

यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने व्यवस्था दी कि केवल आरक्षित सूची में नाम होने मात्र से किसी अभ्यर्थी को नियुक्ति का कोई अपरिहार्य कानूनी अधिकार प्राप्त नहीं होता। आयोग की स्वायत्तताः न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक निकाय है। राज्य सरकार द्वारा अपील न करने की स्थिति में भी आयोग को भर्ती नियमों की रक्षा हेतु अपील करने का पूर्ण अधिकार है।

निर्णय में उल्लेख किया गया कि यदि चयन प्रक्रिया को अनिश्चित काल तक खुला रखा जाता है, तो यह आगामी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे नए पात्र अभ्यर्थियों के अवसरों का हनन होगा।

चॉकलेट दिलाने के बहाने 6 साल की मासूम से हैवानियत, प. बंगाल का आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। उदयपुर जिले के गोगुन्दा थाना क्षेत्र मे एक हैवानियत का मामला सामने आया है, जिसमें आरोपी ने चॉकलेट दिलाने के बहाने 6 साल की मासूम से हैवानियत की है। पुलिस ने पश्चिम बंगाल के मालदा निवासी आरोपी कालू (20) को गिरफ्तार कर लिया है।

बच्ची का पिता और आरोपी दोनों एक साथ करते हैं मजदूरी

पीड़िता का मेडिकल करवाया गया है। मौके से अहम साक्ष्य एकत्रित कर एफएसएल जांच के लिए भेजे गए हैं। पुलिस ने बताया कि पीड़िता के पिता और आरोपी एक साथ मजदूरी करते हैं। एक ही साइट पर काम करने से दोनों परिचित

थे, इसलिए बच्ची भी आरोपी कालू को जानती थी। आरोपी मौका देखकर बच्ची को चॉकलेट, बिस्किट दिलाने के बहाने साथ ले गया और सूनसान इलाके के लेजाकर हैवानियत की।

आरोपी ने दी थी बच्ची को धमकी

आरोपी ने बच्ची को यह बात किसी को नहीं बताने की धमकी देकर डराया। रोती-बिलखती बच्ची जब घर पहुंची तो परिजनों ने उसके साथ हुई घटना का पता चला। परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

स्पेशल इनवेस्टिगेशन यूनिट (महिला अपराध) के डीएसपी छगन राजपुरोहित, थानाधिकारी श्याम सिंह मय जाब्ता मौके पर पहुंचे।

अश्लील वीडियो देखने का आदी था आरोपी

पुलिस की जांच में सामने आया है कि आरोपी कालू अश्लील वीडियो देखने का आदी था। उसके मोबाइल में ऐसे कई आपत्तिजनक वीडियो मिले हैं। इन वीडियो को देखते-देखते वह मानसिक विकृत हो गया है। बता दें कि जिले के मावली में दो साल पहले बच्ची के दुष्कर्म और हत्या के मामले में भी आरोपी अश्लील वीडियो देखने का आदी था। इसका खुलासा पुलिस की पूछताछ में हुआ था।

महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलगुरु को धमकाने के दो आरोपी गिरफ्तार

अजमेर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलगुरु सुरेश अग्रवाल को फोन पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में सिविल लाइंस थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। जहां से उनको जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए। सहायक उपनिरीक्षक भीमसिंह ने बताया कि जयपुर के सांगानेर हाल दिल्ली निवासी दातारसिंह और राजेश गुर्जर को जयपुर रोड से गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उनको जमानत मिल गई। पुलिस पडताल में सामने आया कि राजेश गुर्जर का टोंक जिले के निवाई में अविनाश महाविद्यालय है। वह दातार सिंह के जरिए महाविद्यालय में छात्रों की सीटें बढ़वाना चाहता था। कुलगुरू ने उसको नियमानुसार बढ़ाने की नसीहत दी तो आरोपी ने जान से मारने की धमकी दे डाली। पुलिस के अनुसार जयपुर सांगानेर निवासी दातारसिंह ने मदस विश्वविद्यालय से संबद्ध टोंक के निवाई स्थित अविनाश महाविद्यालय से जुड़े कार्य को लेकर कुलगुरु को कॉल किया। बातचीत के दौरान कुलगुरु ने नियमों के अनुसार ही कार्य करने की बात कही, जिससे आरोपी नाराज हो गया। इसके बाद उसने कुलगुरु से अभद्र भाषा में बात करते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी दी। कुलगुरु ने कॉल रिसीव नहीं किया तो मोबाइल मैसेज के जरिए धमकी दोहराई। घटना की जानकारी मिलने के बाद विश्वविद्यालय प्रबंधन ने 27 दिसम्बर को सिविल लाइंस थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी।

कैंसर के डर ने मां से छीनी ममता, जिन बच्चों के भविष्य की थी चिंता उन्हीं को मारा

भीलवाड़ा, 17 जनवरी (एजेंसियां)। भीलवाड़ा जिले के मांडलगढ़ थाना क्षेत्र के मानपुरा गांव में हुए दोहरे हत्याकांड ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। अपने ही दो मासूम बच्चों की हत्या कर खुद सुसाइड का प्रयास करने वाली संजू देवी (35) ने पूछताछ में जो वजह बताई, वह रोंगटे खड़े कर देने वाली है। संजू देवी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

संजू ने पुलिस को बताया कि लंबे समय से उसके मुंह में छाले हो रहे थे और उसे गायनिक समस्या भी थी। सोशल मीडिया पर देखी गई रील्स में यह दावा किया गया था कि लंबे समय तक मुंह में छाले रहने से कैंसर हो सकता है। इसी आशंका ने उसके मन में मौत का डर बैठा दिया। उसे लगा कि यदि उसे कुछ हो गया तो उसके दोनों बच्चों का ध्यान कौन रखेगा। इसी डर और मानसिक भ्रम में उसने अपने ही बच्चों को मौत के घाट उतार दिया। दरअसल, 11 जनवरी की सुबह मानपुरा गांव में संजू देवी ने पहले अपनी बेटी नेहा (12) का रस्सी से गला घोंटा। जब वह तड़प रही थी, तब भी संजू नहीं रुकी। इसके बाद उसने अपने 7 वर्षीय बेटे भैरू का भी गला घोंट दिया। इसके बाद दोनों बच्चों के सीने और गले पर कील से कई वार कर उनकी निर्मम हत्या कर दी। हत्या के बाद संजू ने पति राजू तेली को फोन कर कहा कि मैंने दोनों बच्चों को मार दिया है, अब खुद भी जहर खाकर सुसाइड कर रही हूं। यह सुनते ही राजू घबरा गया और उसने तुरंत पड़ोसियों को घर पर जाकर देखने को कहा। जब पड़ोसी मौके पर पहुंचे तो घर के गेट अंदर से बंद था। काफी आवाज देने के बाद भी जब कोई जवाब नहीं मिला, तो कुछ लोग छत के रास्ते घर के अंदर उतरे। अंदर का दृश्य देखकर सभी सन्न रह गए। दोनों बच्चे खून से लथपथ मृत अवस्था में पड़े थे, जबकि संजू देवी उनके पास बेसुध हालत में तड़प रही थी। उसने चुन्नी का फंदा और जहरीला पदार्थ खाकर खुद की जान लेने की भी कोशिश की थी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने संजू को तत्काल मांडलगढ़ अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे भीलवाड़ा रेफर किया गया। इलाज के बाद हालत में सुधार होने पर आज अस्पताल से छुट्टी दी गई, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

शहरी स्थानीय निकायों के लिए आरक्षण कोटा को अंतिम रूप

10 नगर निगमों और 121 नगर पालिकाओं का आरक्षण तय

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में नगर निगमों के मेयरों और नगर पालिकाओं के अध्यक्षों के लिए आरक्षण को अंतिम रूप दे दिया गया है। राज्य सरकार ने 10 नगर निगमों और 121 नगर पालिकाओं के लिए आरक्षण तय कर दिया है। नगर पालिका वार्डों और नगर निगम डिवीज़नों के लिए आरक्षण की प्रक्रिया भी शीघ्र पूरी किए जाने की संभावना है। आरक्षण सूची रविवार को राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) को सौंपे जाने की उम्मीद है। सरकार द्वारा संबंधित सरकारी आदेश (जीओ) जारी होते ही एसईसी चुनाव कार्यक्रम घोषित करने के लिए तैयार है। नगर निकाय चुनाव कार्यक्रम एक-दो दिनों में जारी होने की संभावना है। शनिवार को यहां मीडिया से बात करते हुए नगर प्रशासन विभाग की निदेशक श्रीदेवी ने कहा कि तेलंगाना में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण निर्धारित किया गया है। 10 नगर निगमों में एक सीट अनुसूचित जाति (एससी), एक अनुसूचित जनजाति (एसटी), तीन पिछड़ा वर्ग (बीसी) और एक सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित की गई है। 121 नगर पालिकाओं में 17 सीटें एससी, 5 एसटी, 38 बीसी और 61 सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित की गई हैं।

नगर निगमों में आरक्षण

कोत्तागुडेम निगम- एसटी (सामान्य)
रामागुंडम निगम- एससी (सामान्य)
महबूबनगर निगम- बीसी (महिला)
मंचेरियल निगम- बीसी (सामान्य)
करीमनगर निगम- बीसी (सामान्य)
खम्मम निगम- महिला (सामान्य)
निजामाबाद निगम- महिला (सामान्य)
वारंगल निगम- महिला (सामान्य)
जीएचएमसी- महिला (सामान्य)
नलगोंडा निगम- महिला (सामान्य)

अनारक्षित (सामान्य)

आदिलाबाद- महिला (सामान्य), अस्वारोपेटा- महिला (सामान्य), पारकल- अनारक्षित, कोरुटला- महिला (सामान्य), रैकाल- अनारक्षित, मेटपल्ली- अनारक्षित, धर्मपुरी- महिला (सामान्य), गदवाल- महिला (सामान्य), येल्लारेड्डी- अनारक्षित, सत्तुपल्ली- महिला (सामान्य), व्यारा- महिला (सामान्य), माधिरा- महिला (सामान्य), जडचेरला- अनारक्षित, थोर्रूर- अनारक्षित, मरिपेड़ा- महिला (सामान्य), क्याथनपल्ली- महिला (सामान्य), बेल्लमपल्ली- महिला (सामान्य), रमायमपेट- महिला (सामान्य), नरसापुर- महिला (सामान्य), थूपरान- महिला (सामान्य), अलीयाबाद- महिला (सामान्य), कालवाकुर्थी- महिला (सामान्य), चंदूर- अनारक्षित, नकरिकल- अनारक्षित, हालिया- अनारक्षित, मिर्यालगुडा- महिला (सामान्य), चित्याल- महिला (सामान्य), नारायणपेट- महिला (सामान्य), कोस्गी- अनारक्षित, मक्तल- अनारक्षित, खानापुर- अनारक्षित, भैंसा- अनारक्षित, निर्मल- महिला (सामान्य), भीमगल- महिला (सामान्य), आर्मूर- महिला (सामान्य), बोधन- अनारक्षित, सुल्तानाबाद- अनारक्षित, सिरसिल्ला- महिला (सामान्य), शंकरपल्ली- अनारक्षित, चेवेल्ला- अनारक्षित, इब्राहिमपट्टनम- अनारक्षित, अमंगल- अनारक्षित, कोथूर- अनारक्षित, सदाशिवपेट- महिला (सामान्य), नारायणखेड़- अनारक्षित, अंडोले-जोगीपेट- अनारक्षित, संगारेड्डी- महिला (सामान्य), इस्नापुर- महिला (सामान्य), सूर्यापेट- अनारक्षित, तिरुमलगिरी- अनारक्षित, कोडाड- महिला (सामान्य), नेरडचेरला- अनारक्षित, कोडंगल- अनारक्षित, वनपर्थी- महिला (सामान्य), अमरचिंता- अनारक्षित, पेब्बेर- अनारक्षित, वर्धन्नापेट- अनारक्षित, पोचमपल्ली- अनारक्षित, यादगिरिगुट्टा- महिला (सामान्य), भोंगीर- महिला (सामान्य), चौटुप्पल- महिला (सामान्य)।

एसटी वर्ग :

कल्लूरु- एसटी (सामान्य), भूथपुर- एसटी (सामान्य), महबूबाबाद- एसटी (सामान्य), केसामुद्रम- एसटी (महिला), येल्लमपेट- एसटी (महिला)।

एससी वर्ग :

स्टेशन घनपुर- एससी (सामान्य), चोप्पदांडी- एससी (महिला), जम्मीकुंटा- एससी (सामान्य), हुज़ूराबाद- एससी (महिला), एदुलापुरम- एससी (महिला), दोरनक- एससी (सामान्य), लक्सेट्टीपेट- एससी (सामान्य), मुदुचिंथलापल्ली- एससी (सामान्य), नंदीकोंडा- एससी (सामान्य), मोइनाबाद- एससी (सामान्य), गड्डापोथाराम- एससी (महिला), कोहिर- एससी (सामान्य), इंद्रेशम- एससी (महिला), चेरियाल- एससी (महिला), हुस्नाबाद- एससी (सामान्य), विकाराबाद- एससी (महिला), मोथकुर- एससी (महिला)।

बीसी वर्ग :

येल्लांडु- बीसी (महिला), जगतियाल- बीसी (महिला), जंगांव- बीसी (सामान्य), भूपालपल्ली- बीसी (सामान्य), लीजा- बीसी (सामान्य), वड्डेपल्ली- बीसी (सामान्य), आलमपुर- बीसी (सामान्य), बिचकुंडा- बीसी (सामान्य), कामारेड्डी- बीसी (महिला), बांसवाड़ा- बीसी (महिला), आसिफाबाद- बीसी (सामान्य), कागज़नगर- बीसी (महिला), देवरकद्रा- बीसी (महिला), चेन्नूर- बीसी (महिला), मेदक- बीसी (महिला), मुलुगु- बीसी (महिला), कोल्लापुर- बीसी (महिला), अचमपेट- बीसी (महिला), नागरकर्नूल- बीसी (सामान्य), देवरकोंडा- बीसी (महिला), मड्डूर- बीसी (सामान्य), पेद्दापल्ली- बीसी (सामान्य), मंथनी- बीसी (सामान्य), वेमुलवाड़ा- बीसी (सामान्य), शादनगर- बीसी (सामान्य), जिन्नारम- बीसी (सामान्य), ज़हीराबाद- बीसी (सामान्य), गुम्मडिदाला- बीसी (सामान्य), सिद्धिपेट- बीसी (सामान्य), गजवेल- बीसी (महिला), दुब्बाका- बीसी (महिला), हुज़ूरनगर- बीसी (सामान्य), तंडूर- बीसी (सामान्य), पारिगी- बीसी (महिला), कोत्ताकोटा- बीसी (महिला), आत्मकुर- बीसी (महिला), नरसंपेट- बीसी (महिला) और आलैर- बीसी (महिला) के लिए आरक्षित किया गया है।

अंडर-19 वर्ल्डकप में भारत की लगातार दूसरी जीत

बांग्लादेश को 18 रन से हराया, विहान मल्होत्रा को 4 विकेट, वैभव-अभिज्ञान की फिफ्टी

बुलावायो (जिम्बाब्वे), 17 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने अंडर-19 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी जीत हासिल की है। टीम ने शनिवार को बांग्लादेश को बारिश से प्रभावित मैच में 18 रन से हराया। बुलावायो में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी।

भारत पहले खेलते हुए 48.4 ओवर में 238 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम ने बांग्लादेश को 49 ओवर में 239 रन का टारगेट दिया, जिसे बारिश के कारण रिवाइज करके 29 ओवर में 165 रन कर दिया गया।

आखिर में बांग्लादेशी टीम ने 28.3 ओवर में 146 ही बना सकी। भारतीय टीम के लिए विहान मल्होत्रा ने 4 विकेट झटके। भारतीय टीम से अभिज्ञान कुंडू (80 रन) और वैभव सूर्यवंशी (72 रन) ने फिफ्टी लगाई।

कई आईपीएस अधिकारियों का तबादला, हुई नई तैनाती

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने शनिवार को भारतीय पुलिस सेवा के कई अधिकारियों के तबादले और नई तैनाती का आदेश जारी किया है। अधिकारियों को विभिन्न कमिश्नरेट्स और विभागों में नई जिम्मेदारियों के साथ तैनात किया गया है। वर्तमान में संयुक्त पुलिस आयुक्त, यातायात, साइबराबाद में तैनात डॉ. गजराज भूपाल को पुलिस महानिरीक्षक, प्राविजनिंग और लॉजिस्टिक्स, तेलंगाना, हैदराबाद के रूप में तैनात किया गया है। इसके साथ ही उन्हें पुलिस महानिरीक्षक, खेल और कल्याण, तेलंगाना, हैदराबाद का अतिरिक्त चार्ज भी दिया गया है। अभिषेक मोहंती उप पुलिस महानिरीक्षक, तेलंगाना नारकोटिक्स विरोधी ब्यूरो, हैदराबाद से उप पुलिस महानिरीक्षक, सतर्कता और प्रवर्तन, हैदराबाद के रूप में स्थानांतरित किए गए। इसी क्रम में आर. भास्करण, पुलिस अधीक्षक, केंद्रीय जांच इकाई, खुफिया विभाग से पुलिस उप महानिरीक्षक, केंद्रीय जांच इकाई, खुफिया विभाग, हैदराबाद के रूप में स्थानांतरण किया गया है। जी. चंद्रना दीप्ति पुलिस अधीक्षक/उप पुलिस महानिरीक्षक, रेलवे, सिकंदराबाद से अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (प्रशासन) और यातायात, फ्यूटर सिटी कमिश्नरेट में तैनात किया है। टी. अन्नपूर्णा पुलिस अधीक्षक, सतर्कता और प्रवर्तन, हैदराबाद से पुलिस उपायुक्त, प्रशासन, साइबराबाद के रूप में तैनात किया गया है। बी.के. राहुल हेगड़े, पुलिस उपायुक्त, यातायात, हैदराबाद नगर से पुलिस उपायुक्त, यातायात-तीन (चारमीनार, राजेंद्रनगर और शामशाबाद कानून और आदेश क्षेत्र) हैदराबाद नगर में स्थानांतरित किया गया है। के. अपूर्वा राव, पुलिस उपायुक्त, सुरक्षा बल, हैदराबाद नगर से पुलिस अधीक्षक, खुफिया विभाग, हैदराबाद के रूप में, बी. बालास्वामी, पुलिस उपायुक्त, पूर्व क्षेत्र, हैदराबाद नगर से पुलिस अधीक्षक, सतर्कता और प्रवर्तन के रूप में, आर. वेंकटेश्वरलू, पुलिस उपायुक्त, यातायात-तीन, हैदराबाद नगर से पुलिस अधीक्षक, अपराध जांच निदेशालय, तेलंगाना, हैदराबाद में तैनात किया गया है। एस. चैतन्य कुमार, पुलिस उपायुक्त, दक्षिण-पूर्व क्षेत्र, हैदराबाद नगर से पुलिस उपायुक्त, अपराध/डीडी, हैदराबाद नगर, अविनाश कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (संचालन), बी. कोत्तागुडेम से पुलिस उपायुक्त, यातायात-एक (खैराताबाद और सिकंदराबाद कानून और आदेश क्षेत्र), हैदराबाद नगर, काजल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक/सहायक पुलिस अधीक्षक, प्रथम श्रेणी, उत्तनूर, आदिलाबाद से पुलिस उपायुक्त, यातायात-दो (गोलकोंडा और जुबली हिल्स कानून और आदेश क्षेत्र), हैदराबाद नगर में तैनात किया गया है। इसी तरह एस. शेषद्रिनी रेड्डी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (प्रशासन), जगितियाल से पुलिस उपायुक्त, यातायात-दो (कुकटपल्ली और कुतुबुल्लापुर कानून और आदेश क्षेत्र), साइबराबाद कमिश्नरेट, कंकणाला राहुल रेड्डी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक/सहायक पुलिस अधीक्षक, प्रथम श्रेणी, भुवनगिरी से पुलिस उपायुक्त, यातायात-एक (मल्काजगिरी कानून और आदेश क्षेत्र), मल्काजगिरी कमिश्नरेट में तैनात किया गया है। शिवम उपाध्याय,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (संचालन), मुलुगु मुख्यालय से पुलिस उपायुक्त, यातायात, फ्यूटर सिटी शहर कमिश्नरेट, वी. श्रीनिवासुलु, पुलिस उपायुक्त, यातायात-दो (एलबी नगर-महेश्वरम), मल्काजगिरी से उप पुलिस आयुक्त, यातायात-दो (एलबी नगर और उप्पल कानून और आदेश क्षेत्र), मल्काजगिरी कमिश्नरेट, जे. रंजन रत्न कुमार, पुलिस उपायुक्त, यातायात, मेडचल, साइबराबाद से उप पुलिस आयुक्त, यातायात-एक (सेरिलिंगमपल्ली कानून और आदेश क्षेत्र), साइबराबाद कमिश्नरेट में तैनात किया गया है। इन्हें साइबराबाद यातायात विभाग के प्रशासनिक कार्यों का प्रभार भी सौंपा गया है। के. श्याम सुंदर, पुलिस उपायुक्त, केंद्रीय आरक्षक बल, मल्काजगिरी से पुलिस उपायुक्त, केंद्रीय आरक्षक बल मुख्यालय, हैदराबाद नगर, पी. अशोक, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, उत्तरी क्षेत्र, हैदराबाद नगर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सतर्कता और प्रवर्तन, ए. बालाकोटी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सतर्कता और प्रवर्तन को पुलिस महानिदेशक, तेलंगाना, हैदराबाद कार्यालय में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है।

रेवंत रेड्डी के फैसलों की केटीआर ने की कड़ी आलोचना

कहा, कांग्रेस शासन में दिख रहा है तुगलक का दौर

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के मनमाने और अतार्किक फैसलों की कड़ी आलोचना करते हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि लोगों ने तुगलक के शासन के बारे में अब तक केवल इतिहास की किताबों में पढ़ा था, लेकिन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में वे इसे प्रत्यक्ष रूप से देख रहे हैं। शनिवार को यहां मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए केटी रामाराव ने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उनके प्रशासन के तौर-तरीकों को देखकर तेलंगाना के लोग तुगलक के शासन और उसकी कार्यशैली को समझने लगे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार सत्ता में आने के बाद जनता के वास्तविक मुद्दों को नजरअंदाज कर रही है।

केटीआर ने कहा कि कांग्रेस ने छह गारंटी और 420 आश्वासनों का वादा कर सत्ता हासिल की थी, लेकिन सत्ता में आने के बाद इन गारंटियों को लागू करने के बजाय सरकार केवल नाम, प्रतीक और परंपराओं को बदलने में जुटी हुई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि इससे जनता को कोई वास्तविक लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि

पहले कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना राज्य के नाम में बदलाव किया। इसके बाद तेलंगाना थल्ली प्रतिमा से बतुकम्मा की प्रतिमा हटाई गई। साथ ही राज्य के प्रतीक चिन्ह से काकतीय मेहराब और चारमीनार जैसे ऐतिहासिक प्रतीकों को भी हटा दिया गया।

केटी रामाराव ने कहा कि इन फैसलों के अलावा मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अब तक जनता के हित में कोई भी ठोस और लाभकारी कदम नहीं उठाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब तुगलक के फैसलों की याद दिलाता है।

बीआरएस की पिछली सरकार को याद करते हुए केटीआर ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने दूरदर्शी सोच के साथ विकेंद्रीकरण की नीति अपनाई थी। लोगों की सुविधा के लिए नए गांव, मंडल, राजस्व मंडल और जिले बनाए गए। राज्य के जिलों की संख्या 10 से बढ़ाकर 33 की गई।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद में भी वार्डों और जोनों की संख्या बढ़ाई गई थी और उसी अनुरूप विकास कार्यों के लिए धनराशि आवंटित की गई थी। ऐतिहासिक रूप से हैदराबाद और सिकंदराबाद जुड़वां शहरों के रूप में विकसित हुए हैं और ये दोनों तेलंगाना की पहचान हैं। केटीआर ने कहा कि रेवंत रेड्डी के तुगलक जैसे फैसलों के कारण सिकंदराबाद अपनी ऐतिहासिक पहचान खोने की कगार पर पहुंच गया है। उन्होंने दावा किया कि सिकंदराबाद के सभी वर्गों के लोग सरकार के इस फैसले के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जनता ने कांग्रेस सरकार को छह गारंटियों को लागू करने के लिए चुना था, लेकिन सरकार इस दिशा में पूरी तरह विफल रही है। इसके बजाय लोगों और शहरों की पहचान मिटाने की कोशिश की जा रही है। केटीआर ने व्यंग्य करते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों में हैदराबाद में न तो एक ईंट रखी गई और न ही एक सड़क बनाई गई, लेकिन मुख्यमंत्री अब भविष्य का शहर बनाने के दावे कर रहे हैं।

नलगोंडा को सुपर स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा : कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने शनिवार को कहा कि नलगोंडा को सुपर स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा और इसके लिए हैदराबाद के समकक्ष बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जाएगा। नलगोंडा नगर निगम में 18.70 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं के शिलान्यास के बाद आयोजित कार्यक्रम में मंत्री ने बताया कि पिछले दो वर्षों में शहर के विकास पर लगभग 2,000 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं और आवश्यकता पड़ने पर सरकार और 2,000 करोड़ रुपये जुटाने को भी तैयार है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नलगोंडा को नगर निगम का दर्जा मिलने से केंद्र सरकार से सीधे फंड प्राप्त होंगे और शहरी परियोजनाओं का क्रियान्वयन तेज़ होगा। मंत्री ने बताया कि अमृत-2 योजना के तहत 216 करोड़ की लागत से भूमिगत जलनिकासी और एसटीपी का निर्माण किया जा रहा है। 56.75 करोड़ से पेयजल आपूर्ति मज़बूत की जा रही है, जिसमें 12 नए पानी टैंकों का निर्माण शामिल है। आंतरिक सड़कों और नालियों पर 53 करोड़ तथा बाढ़ नहरों, श्मशान घाटों और सड़कों पर 109 करोड़ खर्च किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि 545 करोड़ की बायपास सड़क, पनागल्लू चाय सोमेश्वर मंदिर से एसएलबीसी कॉलोनी तक सड़क व नाली कार्य, तथा एसएलबीसी मेडिकल कॉलेज-अडंकी सड़क परियोजना प्रगति पर है। शहर के लिए स्वीकृत पांच बिजली उपकेंद्रों में से चार पर कार्य शुरू हो चुका है। स्वास्थ्य, शिक्षा और रोज़गार के क्षेत्र में नर्सिंग कॉलेज, क्रिटिकल केयर सेंटर, यंग इंडिया आवासीय विद्यालय, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय का विस्तार, फूड स्ट्रीट्स, पार्क और डिजिटल कक्षाएं विकसित की जा रही हैं। मंत्री ने जनता से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य नलगोंडा को एक आदर्श स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करना है। इस अवसर पर जिला कलेक्टर बी. चंद्रशेखर, अतिरिक्त कलेक्टर जे. श्रीनिवास, वरिष्ठ अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सम्मक्का-सरलम्मा जातरा के लिए महोत्सव समिति का गठन

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुलुगु ज़िले के एस.एस. ताडवाल मंडल अंतर्गत मेडारम गांव में आयोजित होने वाली ऐतिहासिक श्री सम्मक्का-सरलम्मा जातरा के सुचारु और शांतिपूर्ण आयोजन के लिए धार्मिक न्यास विभाग ने एक महोत्सव समिति का गठन किया है। यह समिति तेलंगाना चैरिटेबल एंड हिंदू धार्मिक संस्थान एवं एंडोमेंट्स अधिनियम, 1987 के प्रावधानों के तहत एंडोमेंट्स विभाग के आयुक्त द्वारा गठित की गई है। समिति में स्थानीय क्षेत्र की महिला प्रतिनिधियों सहित कुल 14 सदस्यों को शामिल किया गया है, जबकि सिद्दाबोइना जग्गाराव को पदेन (एक्स-ऑफिशियो) सदस्य के रूप में नामित किया गया है। आधिकारिक आदेशों के अनुसार, यह महोत्सव समिति 28 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक कार्य करेगी। इस अवधि के दौरान समिति जातरा से जुड़े सभी प्रबंधों की निगरानी करेगी, संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाए रखेगी तथा कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका ध्यान रखेगी।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा राजेंद्र कुमार अग्रवाल सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेवा विट्ठलदास अग्रवाल बड़े गांव वाले, अशोक लाखोटिया, विनोद टिकमानी, मोहनलाल मित्तल किशन दास डागा अशोक कुमार सरायवाला सेसैया प्रमोद कुमार सरायवाला दीपक कुमार सरायवाला पीसी जैन विजय कुमार थंबी रामनिवास पंडित वेंकटेश रेड्डी विजय कुमार अग्रवाल एडवोकेट माया अग्रवाल माया उमेश, मंजू अग्रवाल, विजया संध्या रानी अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, दुर्गा देवी एवं अन्य

श्री आईजी बाल संस्कार केन्द्र का स्थापना दिवस आज

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एल.बी.नगर बन्डलागुड़ा स्थित श्री आईमाताजी मंदिर प्रांगण में श्री आईजी बाल संस्कार केन्द्र का 17वां स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम रविवार 18 जनवरी मध्यान 2 बजे से 6 बजे तक भव्यरुप से आयोजित किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में संचालक देवाराम काग ने बताया कि हर वर्ष की भांति श्री आईजी बाल संस्कार केन्द्र समाज बन्धुओं के सानिध्य में आयोजित किया जाएगा। मध्यान 2 बजे से 17 कुण्डीय यज्ञ, गरीब विद्यार्थियों को पढाई सामग्री भेंटकर, सांस्कृतिक एवं योगा कार्यक्रम, मातृ-पितृ पूजा-अर्चना एवं आरती के पश्चात पधारे समाज बन्धुओं व कार्यकर्ताओं के लिए शाम 6 बजे से भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी।

समाज बन्धुओं से निवेदन है की कार्यक्रम में कुर्ता पायजामा या धोती व साफा एवं महिलाएं राजस्थानी वेष-भूषा या बाल संस्कार की साड़ी पहनकर सपरिवार समयपर पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मोहनलाल सोलंकी, बाबुलाल परिहार, जीवाराम हाम्बड़, लिकमाराम मुलेवा, देवाराम काग व सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

श्री राधा कृष्णा मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कुमावत समाज आमंत्रित

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री कुमावत समाज ट्रस्ट मुलैकड़े चेन्नई समाज के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में भाग लेने हेतु निमंत्रण देने समाज के पुखराज मानणिया, माणकचंद नागौरा, चंपालाल मावर, मदनलाल दुबलदिया का कुमावत समाज तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष तिलायचा सोनाराम व कुमावत समाज किसरा के अध्यक्ष पप्पुलाल बाकरेचा द्वारा सम्मान किया गया। पधारे अतिथि ने महोत्सव की जानकारी देते हुए तेलंगाना प्रांत में रहने वाले सभी कुमावत समाज बंधुओं को आमंत्रित किया। इस अवसर पर सदस्य धर्माराम डेया, सोहनलाल मानणिया, रूपाराम मालीवाड़, जगदीश रोहिवाल, पारस पटेल, जयप्रकाश चांदोरा, महेन्द्र दुबलदिया एवं समाज बन्धु उपस्थित थे।

धर्मगुरु दीवान साहब का जन्मदिन आज

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीरवी समाज आईपंत के धर्मगुरु दीवान श्री माधवसिंहजी का 84वां जन्मदिन 18 जनवरी को गुरुवर के भक्तों के सानिध्य में विशेष पुजा-अर्चनाकर आयोजित किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में जगदीश काग ने बताया कि धर्मगुरु दीवान श्री माधवसिंहजी का जन्मदिन तेलंगाना की पावनधरा पर भक्तों द्वारा पूजा-अर्चना व गौशाला में दान-पुण्यकर मनाया जाएगा। तेलंगाना की पावन धरा पर बसे प्रवासी गुरुवर के शिष्य एवं भक्तों से निवेदन है धर्मगुरु दीवान साहब के जन्मदिवस के अवसर पर प्रात: काल मे पुजा-अर्चना एवं तस्वीर पर माल्यापर्ण, श्रीफल भेंट करते हुए दान-पुण्यकर जन्मदिवस धूम-धाम से मनाये।

मलकाजगिरि कमिश्नरेट में चेन स्नैचिंग की तीन वारदातें

अलग-अलग इलाकों में महिलाओं से सोने की चेन छीनी

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरि कमिश्नरेट के अंतर्गत आने वाले तीन पुलिस थाना क्षेत्रों में चोरों ने सिलसिलेवार चेन छीनने की घटनाओं को अंजाम दिया। अलग-अलग इलाकों में महिलाओं को निशाना बनाकर सोने की चेन छीनकर बदमाश फरार हो गए। पहली घटना हयातनगर थाना क्षेत्र के अंजंद्री नगर में हुई, जहां विजया नाम की महिला से 3.3 तोला सोने की चेन छीनी गई। बताया गया कि महिला सड़क पर पैदल जा रही थी, तभी बाइक सवार बदमाशों ने झपट्टा मारकर उसकी चेन छीन ली और मौके से फरार हो गए।

दूसरी घटना नागोल थाना क्षेत्र की ब्लाइंड कॉलोनी में सामने आई। यहां मनम्मा नाम की महिला से बदमाशों ने 2.5 तोला सोने की चेन छीन ली और फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया। तीसरी घटना चैतन्यपुरी थाना क्षेत्र के आरके पुरम में हुई, जहां आदिलक्ष्मी नाम की महिला से 1.5 तोला सोने की चेन छीनी गई। इस घटना में भी आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद तेजी से मौके से भाग निकले। लगातार चेन छीनने की घटनाओं के बाद पुलिस हरकत में आ गई है। पुलिस ने मामलों में शामिल संदिग्धों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के लिए विशेष टीमें गठित की हैं। पुलिस ने बताया कि आसपास लगे क्लोज सर्किट कैमरों की फुटेज एकत्र कर ली गई है और उसके आधार पर चेन स्नैचरों की पहचान व तलाश की जा रही है। पुलिस का दावा है कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

वेमुलावाड़ा श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़

75,000 से अधिक भक्तों ने दर्शन किए, कोडमोक्कू के लिए लंबी कतारें

राजन्ना-सिरसिल्ला, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वेमुलावाड़ा स्थित श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर में पिछले कुछ दिनों से भारी भीड़ देखी जा रही है। मुख्य मंदिर में जीर्णोद्धार कार्य चल रहे हैं, इसलिए भगवान के दर्शन, कोडमोक्कू और अन्य अनुष्ठान पास के भीमेश्वरम स्वामी मंदिर में आयोजित किए जा रहे हैं। अकेले शुक्रवार को ही 75,000 से अधिक श्रद्धालु मंदिर में दर्शन करने पहुंचे। द्विवार्षिक आदिवासी मेले सम्मक्का-सरक्का जतारा की शुरूआत और संक्रांति की छुट्टियों के कारण श्रद्धालुओं की संख्या में भारी उछाल आया है।

सातवीं पुण्यतिथि

: स्वर्गवास : 18.01.2019
स्व.श्री मोहनलालजी बर्फा (सीरवी)
: सुपुत्र : स्व.श्री तुलसारामजी बर्फा
मरुधर मे कुशालपुरा बेरा नवादिया
इतना स्नेह दिया आपने, जिसे नहीं हम सकते भूल।
है अर्पित पावन चरणों में, अपनी श्रद्धा के दो फूल।।
: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : स्व.हिरीबाई (माता), स्व.दुर्गाराम-तीजाबाई, भंवरलाल-बीदकीबाई (भाई-भाभी), लीलादेवी (धर्मपत्नी), गोविन्द (पुत्र), निकिता (पुत्री), राजु, कानाराम, रमेश, चेनाराम (भतीज) एवं समस्त बर्फा परिवार
: फर्म :
न्यू माताजी ज्वैलर्स, राधिका मैन रोड़, कापरा 8555012669
P.Solankey

यूपी वॉरियर्स की लगातार दूसरी जीत
मुंबई इंडियंस को 22 रनों से हराया

मुंबई, 17 जनवरी (एजेंसियां)। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की मदद से यूपी वॉरियर्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 22 रनों से हराया। लगातार तीन मैच हारने के बाद यूपी की यह लगातार दूसरी जीत है। उसने इससे पहले भी मुंबई को ही मात दी थी। यूपी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 187 रन बनाए। जवाब में मुंबई इंडियंस की टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 165 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस को शुरुआती झटके लगे। हीली मैथ्यूज को सोफी एक्लेस्टोन ने आउट किया। मैथ्यूज 13 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 13 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद क्रांति गौड़ ने सजीवन संजना को पवेलियन भेजा जो छह गेंदों पर एक चौका और एक छक्के की मदद से 10 रन बनाकर आउट हुईं। फिर नताली सिवर ब्रंट भी 15 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। इसके बाद दीप्ति ने निकोला कैरी को अपना शिकार बनाया। उसके बाद क्लो ट्रायन ने हरमनप्रीत कौर को पवेलियन भेजा। कैरी छह और हरमनप्रीत 18 रन बनाकर आउट हुईं।

लैनिंग-लिचफील्ड की शानदार साझेदारी

यूपी वॉरियर्स को पहले ही ओवर में शुरुआती झटका लगा। निकोला कैरी ने किरण नवगिरे को बोल्ड कर आउट किया। किरण खाता खोले बिना पवेलियन लौटीं। शुरुआती झटका लगने के बाद कप्तान मेग लैनिंग ने फीबी लिचफील्ड के साथ मिलकर यूपी वॉरियर्स की पारी को संभाला। दोनों के बीच शतकीय साझेदारी हुई। लैनिंग और लिचफील्ड ने दूसरे विकेट के लिए 119 रन जोड़े और टीम को मजबूत स्थिति पर पहुंचाया। इस दौरान लैनिंग ने अर्धशतक भी पूरा किया। अमनजोत कौर ने लिचफील्ड को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। लिचफील्ड 37 गेंदों पर सात चौकों और तीन छक्कों की मदद से 61 रन बनाकर आउट हुईं। लिचफील्ड के आउट होने के कुछ देर बाद लैनिंग भी पवेलियन लौट गईं। उन्होंने 45 गेंदों पर 11 चौकों और दो छक्कों की मदद से 70 रन बनाए।

श्रेयस अय्यर की 25 महीने बाद टी-20 में वापसी
न्यूजीलैंड के खिलाफ तिलक वर्मा की जगह खेलेंगे

श्रेयस अय्यर (IN) तिलक वर्मा (OUT)

मुंबई, 17 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर की 25 महीने बाद टी-20 टीम में वापसी हुई है। उन्हें चोटिल तिलक वर्मा की जगह मौका दिया गया है। बीसीसीआई ने न्यूजीलैंड के भारत दौरे के लिए रिप्लेसमेंट खिलाड़ियों की घोषणा की।

31 साल के श्रेयस अय्यर के अलावा रवि बिश्नोई को भी टीम में शामिल किया गया है। उन्हें चोट के कारण बाहर हुए वाशिंगटन सुंदर की जगह टीम में जगह मिली है। टी-20 वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया को न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है। इस सीरीज का पहला मुकाबला 21 जनवरी को नागपुर में खेला जाएगा।

शुरुआती 3 मैच ही खेलेंगे अय्यर

श्रेयस अय्यर को पहले 3 मैचों के लिए ही टी-20 टीम में शामिल किया गया है। श्रेयस पिछले साल 25 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में चोटिल हो गए थे। उन्होंने 11 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे से ही इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की है।

अय्यर ने 2023 में आखिरी टी-20 खेला था

श्रेयस अय्यर ने पिछला टी-20 मैच दिसंबर 2023 में बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। उन्होंने 37 बॉल पर 53 रनों की पारी खेली थी। भारत ने इस मैच को 6 विकेट से जीता था।

अय्यर ने टी-20 इंटरनेशनल करियर में 51 मैच खेले हैं। इन मैचों में अय्यर ने 8 अर्धशतकों के सहारे 1104 रन बनाए हैं।

आईपीएल 2025 में श्रेयस अय्यर ने शानदार फॉर्म दिखाते हुए 175.07 के स्ट्राइक रेट से 604 रन बनाए थे और अपनी कप्तानी में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाया था।

सुंदर को पहले वनडे में चोट लगी थी

वाशिंगटन सुंदर की जगह रवि बिश्नोई टीम में शामिल किए गए हैं। उन्होंने आखिरी टी-20 मैच जनवरी 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। वे अब तक 42 टी-20 मैचों में 61 विकेट ले चुके हैं।

बीसीसीआई के मुताबिक वॉशिंगटन सुंदर चोट के कारण टी-20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। 11 जनवरी को वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में पहले वनडे के दौरान गेंदबाजी करते समय उन्हें निचली पसलियों के पास दर्द की शिकायत हुई थी।

इसके बाद कराए गए स्कैन और विशेषज्ञ से परामर्श के बाद उनके साइड स्ट्रेन की पुष्टि हुई है। उन्हें कुछ दिनों के आराम की सलाह दी गई है, जिसके बाद वह आगे के इलाज के लिए बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिपोर्ट करेंगे।

भारत की अपडेटेड टी-20 टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (पहले तीन टी-20 के लिए), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल (उपकप्तान), रिंकू सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, ईशान किशन (विकेटकीपर) और रवि बिश्नोई।

इंदौर आए गिल 3 लाख का वाटर प्यूरीफायर साथ लाए
यहां गंदे पानी से अब तक 24 मौतें; बीसीसीआई ने शेफ भी भेजा

इंदौर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला खेलने के लिए टीम इंडिया इंदौर पहुंच चुकी है। कप्तान शुभमन गिल अपने साथ करीब तीन लाख रुपए की एक विशेष वॉटर प्यूरीफिकेशन मशीन लेकर इंदौर आए हैं।

हमारे सहयोगी अखबार के मुताबिक, होटल से जुड़े सूत्रों ने बताया कि यह मशीन आरओ और पैक्ड बोतलबंद पानी को भी दोबारा पूरी तरह शुद्ध करने में सक्षम है। शुभमन गिल ने इस मशीन को अपने कमरे में ही रखवाया है। होटल स्टाफ को भी इसके इस्तेमाल और तकनीक से जुड़ी विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है।

हालांकि, यह साफ नहीं हो पाया है कि गिल ने यह कदम इंदौर में हाल ही में दूषित पानी पीने से हुई मौतों को देखते हुए एहतियात के तौर पर उठाया है या इसके पीछे कोई और वजह है। इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी के कारण अब तक 24 लोगों की मौत हो चुकी है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला 18 जनवरी को इंदौर में खेला जाएगा। फिलहाल दोनों टीमों ने एक-एक मैच जीत लिया है और सीरीज 1-1 की बराबरी पर है।

टीम के साथ बीसीसीआई ने शेफ भी भेजे हैं

खिलाड़ियों की फिटनेस और डाइट को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई ने टीम के साथ स्पेशल शेफ भी भेजे हैं। शेफ हर खिलाड़ी की जरूरत के अनुसार भोजन तैयार कर रहा है। भारतीय टीम ने आराम किया, जबकि न्यूजीलैंड की टीम ने प्रैक्टिस की। शनिवार को टीम इंडिया भी अभ्यास करेगी।

विराट की डाइट में हरी ग्रिल्ड सब्जियां, स्प्राउट्स और सूप

विराट कोहली की डाइट में उबला और स्टीम्ड खाना शामिल रहता है। उनके नाश्ते में स्प्राउट, नींबू के साथ ग्रीन टी और खाने में हरी ग्रील्ड सब्जियां, दाल, रायता और सूप शामिल होता है।

रोहित शर्मा की डाइट में बादाम, स्प्राउट, ओट्स, फ्रूट, पनीर, सब्जी, दाल और चावल शामिल रहता है। इसके साथ ही अन्य खिलाड़ी भोजन में चिकन, मछली, अंडे, ब्राउन राइस, दालें, नट्स के साथ हाइड्रेट रहने के लिए नारियल पानी और ग्रीन टी लेते हैं।

एमपीसीए को फीस के रूप में ही मिलेंगे डेढ़ करोड़ रुपए

होलकर स्टेडियम में वनडे इंटरनेशनल मैच की मेजबानी के लिए एमपीसीए को बीसीसीआई करीब 1.5 करोड़ फीस देता है। इसके अलावा टिकट बिक्री, कॉर्पोरेट बॉक्स, स्पॉन्सरशिप, स्टेडियम में ब्रांडिंग और विज्ञापन से भी आय होती है। यही फंड बाद में संभागीय क्रिकेट की गतिविधियों, ग्राउंड मेंटेनेंस, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण आदि पर खर्च किया जाता है।

24 मौत, 16 मरीजों का अस्पताल में इलाज चल रहा है

इंदौर के भागीरथपुरा दूषित पानी कांड में अब तक 24 लोगों की मौत हो चुकी है। आईसीयू में एडमिट 6 मरीजों में से 1 को वार्ड में रेफर किया गया है, जबकि तीन मरीज लंबे समय से वेंटिलेटर पर ही हैं। वार्ड में 11 मरीज एडमिट हैं। इनके सहित अभी 16 मरीजों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। डायरिया के तीन मरीज आए, जिन्हें अस्पताल रेफर करने की जरूरत नहीं पड़ी।

छोटी सी उम्र में श्रेयंका पाटिल का बड़ा धमाका
डब्ल्यूपीएल की हिस्ट्री बुक में दर्ज हुआ ये शानदार रिकॉर्ड

खेल डेस्क, 17 जनवरी (एजेंसियां)। आरसीबी ने काफी भरोसे के साथ श्रेयंका पाटिल को इस बार रिटेन किया था, ऑफ स्पिनर ने अपनी टीम के भरोसे को बरकरार रखा और गुजरात जायंट्स के खिलाफ 5 विकेट हॉल लेकर इतिहास रच दिया। वो ये करिश्मा करने वाली टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे कम उम्र की क्रिकेटर बन गई हैं।

वुमेंस प्रीमियर लीग 2026 के 9वें मैच में आरसीबी ने गुजरात जायंट्स को 32 रन से मात दी और मौजूदा सीजन में लगातार तीसरी जीत हासिल की। इस टीम को जीत के लिए 182 रन डिफेंड करना जिसके लिए बेहतरीन बॉलिंग की जरूरत थी, ऐसे में बैंगलोर टीम के लिए ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल मैच विनर साबित हुई।

डब्ल्यूपीएल में श्रेयंका पाटिल का रिकॉर्ड

श्रेयंका पाटिल ने 3.5 ओवर्स में 6 की इकॉनमी रेट से 23 रन देकर गुजरात जायंट्स के 5 प्लेयर्स को पवेलियन का रास्ता दिखा। इस तरह वो वुमेंस प्रीमियर लीग के इतिहास में 5 विकेट हॉल लेने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं। श्रेयंका ने ये करिश्मा 23 साल और 169 दिन की उम्र में किया।

इन 5 बैटरस को भेजा पवेलियन

श्रेयंका ने सबसे पहले बेथ मूनी को एलबीडब्ल्यू आउट किया, इसके बाद कनिका अहूजा को भी इसी तरह पवेलियन वापस भेजा. उन्हें तीसरा विकेट तब हासिल हुआ जब कशवी गौतम आरसीबी की फील्डर ग्रेस हैरिस के हाथों कैच आउट हो गईं। फिर श्रेयंका ने अपनी गेंद पर तनुजा कंवर को कप्तान स्मृति मंधाना के हाथों कैच आउट करा दिया। उन्हें आखिरी विकेट रेणुका सिंह के तौर पर मिला, रेणुका की शॉट को अरुंधति रेड्डी ने लपक लिया और इस तरह गुजरात जायंट्स की पारी खत्म हो गई।

जडेजा के शतक से जीता सौराष्ट्र:चौथी बार विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में, पंजाब को 9 विकेट से हराया

बेंगलुरु, 17 जनवरी (एजेंसियां)। सौराष्ट्र ने चौथी बार विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली है। टीम ने दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में पंजाब को 9 विकेट से हराया। हरविक देसाई की कप्तानी वाली टीम ने 292 रनों का टारगेट 39.3 ओवर में एक विकेट पर हासिल कर लिया।

पंजाब ने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मैदान पर टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए 50 ओवर में सभी विकेट खोकर 291 रन बनाए। सौराष्ट्र की ओर से विश्वराज जडेजा ने 127 बॉल पर नाबाद 165 रन की पारी खेली। उनकी पारी में 18 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। प्रेरक मांकड़ ने नाबाद 52 और कप्तान हरविक देसाई ने 64 रन बनाए।

खिताबी मुकाबले में सौराष्ट्र का सामना पिछले साल की रनरअप विदर्भ की टीम से होगा। यह मैच 18 जनवरी को दोपहर 1:30 बजे से बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मैदान पर खेला जाएगा।

रन चेज में ओपनर्स ने 172 रन की साझेदारी की

292 रन का टारगेट चेज करने उतरी सौराष्ट्र ने मजबूत शुरुआत की। कप्तान हरविक देसाई और विश्वराज जडेजा की जोड़ी ने 138 बॉल पर 172 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी को गुरनूर बरार ने तोड़ा। उन्होंने हरविक को नमन धीर के हाथों कैच कराया।

विश्वराज जडेजा ने तीसरा शतक लगाया

सौराष्ट्र के ओपनर विश्वराज जडेजा ने इस सीजन में तीसरा शतक लगाया है। उन्होंने गुजरात के खिलाफ 112 और दिल्ली के खिलाफ 115 रनों की पारियां खेली थीं। वे मौजूदा सीजन के टॉप स्कोरर की लिस्ट में छठे नंबर पर आ गए हैं। उनके नाम 9 मैचों में 532 रन हैं।

अनमोलप्रीत सिंह का शतक, प्रभसिमरन की फिफ्टी

टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब की शुरुआत खास नहीं रही। टीम ने 60 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवा दिया था। यहां हरनूर सिंह 33 रन के निजी स्कोर पर रनआउट हो गए। टीम की ओर से कप्तान प्रभसिमरन सिंह ने 87 रन बनाए।

कप्तान प्रभसिमरन के अलावा, अनमोलप्रीत सिंह ने 100 रन बनाए। हरनूर ने 33 और रमनदीप सिंह ने 42 रन बनाए।

लक्ष्य सेन का सफर क्वार्टर फाइनल में समाप्त
चीनी ताइपे के खिलाड़ी से मिली हार; भारतीय चुनौती खत्म

नई दिल्ली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के लक्ष्य सेन को क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के लिन चुन यी के खिलाफ तीन गेम तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। पुरुष एकल वर्ग के मुकाबले में लक्ष्य को विश्व के 12वें नंबर के खिलाड़ी चुन यी से 21-17, 13-21, 18- 21 से हार मिली।

रोमांचक रहा मैचलक्ष्य और चीनी ताइपे के खिलाड़ी के बीच मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। लक्ष्य ने पहला गेम जीतकर लक्ष्य पर दबाव बढ़ाया, लेकिन चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने वापसी करते हुए दूसरा गेम अपने नाम किया। तीसरे और निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर रही है और लंबी रैलियां देखने मिली। लेकिन अंततः चीनी ताइपे का खिलाड़ी ये गेम अपने नाम करने के साथ ही मैच जीतने में सफल रहा।

किस तरह पिछड़े लक्ष्य

लक्ष्य ने जोरदार शुरुआत करते हुए लिन को तेज रैलियों में उलझाया। शुरुआती दौर में स्कोर 4-4 से 7-7 तक बराबर रहा जिसके बाद लक्ष्य ब्रेक में आगे निकल गए। दो शानदार विनर ने लक्ष्य को 13-10 पर पहुंचा दिया और लिन की गलतियों की वजह से लगातार दबाव बनाकर उन्होंने इसे 16-11 तक बढ़ा लिया। 54 शॉट की एक रैली लिन के बाहर शॉट फेंकने के साथ खत्म हुई जिससे लक्ष्य को जल्द ही पांच गेम प्वाइंट मिले और उन्होंने तीसरे मौके पर पहला गेम जीत लिया।

दूसरे गेम में परिस्थितियों ने शटल पर नियंत्रण करना मुश्किल बना दिया और लक्ष्य को अपनी लेंथ के साथ संघर्ष करना पड़ा जिससे ब्रेक में वह 11-5 से पीछे थे। लक्ष्य इस गेम में बार-बार बेसलाइन से चूक गए जिससे लिन स्कोर 1-1 से बराबर करने में कामयाब रहे।

निर्णायक गेम में लक्ष्य ने 4-0 की बढ़त बना ली। लिन ने दो जंप स्मैश के साथ अपना खाता खोला और 8-6 से आगे हो गए। लक्ष्य ने फिर से लय हासिल कर ली और ब्रेक के बाद लिन 12-12 की बराबरी पर थे। लेकिन लगातार तीन गलतियों के कारण लक्ष्य 15-12 से आगे हो गए। लक्ष्य रैली के दौरान पिछड़ गए और उनके कमजोर रिटर्न से लिन मैच जीतने में सफल रहे।

पाकिस्तान अंडर 19 वर्ल्ड कप में पहला ही मैच हारा
छोटा स्कोर भी नहीं हुआ चेज़

हरारे, 17 जनवरी (एजेंसियां)। अंडर 19 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को करारा झटका लगा है। पाकिस्तानी टीम अपना पहला ही मैच हार गई। इंग्लैंड ने हरारे में खेले गए मैच में सिर्फ 210 रन बनाए और पाकिस्तानी टीम इतना छोटा लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पाई। पाकिस्तान की टीम 173 रनों पर ढेर हो गई और उसे 37 रनों से करारी शिकस्त मिली। पाकिस्तान की हार की वजह उसके बल्लेबाज रहे, जिन्होंने इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने सरेंडर ही कर दिया। खासतौर पर टॉप ऑर्डर के बल्लेबाजों ने काफी ज्यादा निराश किया। समीर मिन्हास, मोहम्मद शयान, उस्मान खान, अहमद हुसैन किसी ने विकेट पर टिकने की जहमत नहीं उठाई।

पाकिस्तान का टॉप ऑर्डर फेल

पाकिस्तान के बेस्ट बल्लेबाज समीर मिन्हास चौथे ही ओवर में आउट हो गए. दाएं हाथ का विस्फोटक बल्लेबाज महज 10 रन ही बना सका। मोहम्मद शयान ने 7 रन बनाए. उस्मान खान ने 6 रनों का योगदान दिया। अहमद हुसैन ने 12 रन बनाए. कप्तान फरहान यूसुफ ने 65 रनों की बेहतरीन पारी खेली लेकिन उनकी ये अर्धशतकीय इनिंग अंत में पानी में गई. इंग्लैंड के तेज गेंदबाज एलेक्स ग्रीन, जेम्स मिंटो, रैल्फी एल्बर्ट ने 2-2 विकेट हासिल किए.

इंग्लैंड की जीत के हीरो कैलेब फाल्कोनर

इंग्लैंड की बैटिंग भी हरारे की पिच पर संघर्ष कर रही थी लेकिन पांचवें नंबर पर बैटिंग करने उतरे कैलेब फाल्कोनर ने पाकिस्तानी गेंदबाजों का डटकर सामना किया. इस खिलाड़ी ने 73 गेंदों में ताबड़तोड़ 66 रन बनाए. उनके बल्ले से 3 चौके और 2 छक्के निकले. उनके अलावा ओपनर बेन डॉकिंस ने 33 रनों की पारी खेली.

पाकिस्तान को जीतने होंगे दोनों मैच

पाकिस्तान को अब अपने ग्रुप के बचे हुए दोनों मैच जीतने होंगे। पाकिस्तान का अगला मुकाबला स्कॉटलैंड के खिलाफ 19 जनवरी को खेलना है वहीं अपना आखिरी लीग मैच ये टीम 22 जनवरी को जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलेगी।

बाबर की स्लो-बैटिंग के कारण स्मिथ ने सिंगल नहीं लिया
अगली बॉल पर बोल्ड, फिफ्टी चूके पाकिस्तानी बैटर ने बाउंड्री पर बैट मारा

सिडनी, 17 जनवरी (एजेंसियां)। बिग बैश लीग में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम को इंटरनेशनल बेज्जती झेलनी पड़ी। वे सिडनी सिक्सर्स की ओर से स्टीव स्मिथ के साथ ओपनिंग कर रहे थे। बाबर की स्लो बैटिंग देखकर कप्तान स्मिथ ने 11वें ओवर की आखिरी बॉल पर सिंगल लेने से इंकार कर दिया।

अगली बॉल पर बाबर बोल्ड हो गए। वे महज 3 रन से फिफ्टी चूक गए। इससे नाराज बाबर ने मैदान से बाहर जाते हुए बाउंड्री लाइन पर बैट पटक दिया। इस मुकाबले को सिडनी सिक्सर्स ने 5 विकेट से जीता। स्टीव स्मिथ ने 42 बॉल पर 100 रन की पारी खेली। जबकि बाबर ने 38 बॉल पर 47 रन बनाए। सिडनी थंडर की ओर से 11वां ओवर क्रिस ग्रीन ने फेंका। ओवर की आखिरी गेंद का सामना बाबर आजम ने किया। उन्होंने लॉन्ग ऑन में शॉर्ट खेला। यहां दोनों बैटर्स के पास एक रन लेने का मौका था। लेकिन, नॉन स्ट्राइकर एंड पर खड़े कप्तान स्टीव ने मना कर दिया।

स्टीव ने 12वें ओवर में रियान हेडले की बॉल पर लगातार 4 छक्के और एक चौके के सहारे 32 रन बना डाले। अगली बार जब बाबर आजम 13वें ओवर की पहली बॉल पर स्ट्राइक पर आए। तो उन्हें नाथन मैकएंड्रू ने बोल्ड कर दिया। इस तरह बाबर 3 रन से फिफ्टी चूक गए। पाकिस्तान के बैटर की इंटरनेशनल बेज्जती का पहला मामला नहीं है। 12 जनवरी को मोहम्मद रिजवान को मेलबर्न रेनेगेड्स के कप्तान विल सदरलैंड ने स्लो बैटिंग के कारण मैदान से वापस बुला लिया था। तब रिजवान बीबीएल में रिटायर्ड आउट होने वाले पहले विदेशी प्लेयर भी बने। हालांकि, उनकी टीम सिडनी थंडर के खिलाफ 4 विकेट से हार गई थी।

कैंपस में भेदभाव से निपटने के लिए 'रोहित वेमुला अधिनियम' लाएगी सरकार : भट्टी

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि तेलंगाना राज्य में रोहित वेमुला अधिनियम को यथाशीघ्र लागू किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने शनिवार को प्रजा भवन में जस्टिस फॉर रोहित वेमुला कैंपेन कमेटी के सदस्यों से मुलाकात की।

उन्होंने याद दिलाया कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को पत्र लिखकर राज्य में रोहित वेमुला अधिनियम लागू करने का आग्रह किया था।

उन्होंने समिति को बताया कि जन सरकार मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से चर्चा के बाद रोहित वेमुला अधिनियम लाने की दिशा में काम करेगी। अभियान समिति के सदस्यों ने उपमुख्यमंत्री को कर्नाटक में समिति द्वारा तैयार किए गए रोहित वेमुला अधिनियम के मसौदे की एक प्रति सौंपी। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने कई मांगें रखीं। उन्होंने रोहित वेमुला मामले में पारदर्शी जांच और रोहित के लिए न्याय की मांग की। उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि रोहित वेमुला की मृत्यु के बाद विश्वविद्यालय में जिन 50 छात्रों और दो शिक्षकों के खिलाफ गैर-जमानती मामले दर्ज किए गए थे, उन्हें राहत दी जाए। समिति ने आगे आग्रह किया कि कर्नाटक की तर्ज पर तेलंगाना में भी रोहित वेमुला अधिनियम लागू किया जाए।

बीआरएस की 'सिकंदराबाद बचाओ' रैली पर रोक

नेताओं की गिरफ्तारी से शहर में तनाव

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद नगर निगम की स्थापना की मांग को लेकर आयोजित भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की 'सिकंदराबाद बचाओ' रैली को शनिवार को पुलिस ने रोक दिया। रैली में शामिल होने जा रहे बीआरएस के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया, जबकि पार्टी नेताओं को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन की ओर जाने से भी रोक दिया गया। इस कार्रवाई के बाद स्टेशन और आसपास के इलाकों में तनावपूर्ण माहौल बन गया।

घटनाक्रम के दौरान विधानसभा में विपक्ष के नेता वी मधुसूदन चारी को भी पुलिस ने रोक लिया। मधुसूदन चारी ने पुलिस को बताया कि उन्हें इलाज के लिए एनआईएमएस अस्पताल जाना है, इसके बावजूद उन्हें अनुमति नहीं दी गई। बीआरएस नेताओं के विरोध और सवाल उठाने के बाद काफी देर से उन्हें एक अलग वाहन में, पुलिस सुरक्षा के बीच अस्पताल जाने की इजाजत दी गई। इस दौरान उन्होंने कहा, यह तानाशाही है। क्या इलाज के लिए अस्पताल जाना भी अपराध हो गया है?

बीआरएस ने आरोप लगाया कि पुलिस ने न केवल नेताओं को रोका बल्कि पार्टी कार्यकर्ताओं को तेलंगाना भवन से बाहर निकलने से भी मना कर दिया। इसके विरोध में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

इस बीच, सनतनगर विधायक और पूर्व मंत्री टी श्रीनिवास यादव ने रैली को बाधित किए जाने पर कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने बताया कि पुलिस ने पहले सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से एमजी रोड स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा तक शांतिपूर्ण रैली की अनुमति दी थी और मार्ग का निरीक्षण भी किया गया था। हालांकि, शुक्रवार रात करीब 10.40 बजे अचानक अनुमति रद्द करने का संदेश भेज दिया गया।

यह रैली लश्कर साधना समिति के तत्वावधान में आयोजित की जा रही थी और इसका उद्देश्य सिकंदराबाद के लिए एक अलग नगर निगम की स्थापना की मांग करना था। श्रीनिवास यादव ने कहा कि अगर अनुमति पहले ही रद्द कर दी जाती तो वे अदालत का रुख करते। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार सिकंदराबाद के इतिहास और उसकी पहचान से छेड़छाड़ करने की कोशिश कर रही है।

सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन और आसपास के इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। अल्फा कैफे समेत कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लाठियों से लैस पुलिसकर्मियों ने इलाके में यातायात बाधित न होने देने का दावा किया, लेकिन रैली में शामिल होने पहुंचे बीआरएस समर्थकों को पुलिस वाहनों में जबरदस्ती बैठाकर थानों की ओर ले जाया गया।

पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने भी इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि कांग्रेस सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की बात करती है, लेकिन शांतिपूर्ण रैली को रोककर और निवारक गिरफ्तारियां करके घोर पाखंड कर रही है। उन्होंने सभी हिरासत में लिए गए लोगों को तुरंत रिहा करने की मांग की। बीआरएस नेताओं ने साफ किया कि रैली को रोकने से सिकंदराबाद नगर निगम की मांग दबने वाली नहीं है और वे कानूनी रास्ता अपनाकर आगे भी आंदोलन जारी रखेंगे।

हैदराबाद हॉट एयर बैलून महोत्सव में आपातकालीन लैंडिंग

तीन यात्रियों को लेकर गुब्बारा सुरक्षित उतरा

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को हॉट एयर बैलून महोत्सव के दौरान गोलकोंडा गोल्फ क्लब से उड़ान भरते समय एक गुब्बारे में तकनीकी खराबी आने के कारण आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। गुब्बारे में तीन यात्री सवार थे। यह हादसा इब्राहिम बाग झील के पास हुआ, लेकिन किसी को चोट नहीं आई। सूत्रों के मुताबिक, हवा में उड़ान भरते समय गुब्बारे में तकनीकी खराबी के कारण हवा का दबाव धीरे-धीरे कम होने लगा। पायलट ने तुरंत स्थिति का आंकलन किया और गुब्बारे को झील के पास कीचड़ भरे क्षेत्र में सुरक्षित उतारा। सभी यात्री सुरक्षित हैं और उन्हें कोई चोट नहीं आई।

राज्य सरकार संक्रांति समारोह के हिस्से के रूप में 18 जनवरी तक हॉट एयर बैलून महोत्सव का आयोजन कर रही है। इस महोत्सव में यूरोपीय देशों से आए 15 अंतरराष्ट्रीय मानक के गुब्बारे शामिल हैं। गोलकोंडा गोल्फ क्लब से लगभग 10 किलोमीटर तक की लंबी उड़ान के अलावा, शनिवार और रविवार की शाम को सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में भी गुब्बारे उड़ाने की सुविधा उपलब्ध है। महोत्सव की सभी उड़ानों के लिए पंजीकरण पहले ही पूर्ण रूप से भर चुका है।

पुरानापुल दरवाजे पर हुई तोड़फोड़ के बाद पुलिस ने अतिरिक्त बल किया तैनात

एक हिरासत में, 10 लोग घायल, कई क्षेत्रों में हिंसा फैलने से रोकी गई

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार रात पुराने शहर के पुरानापुल दरवाजे पर हुई तोड़फोड़ की घटनाओं के बाद पुलिस ने क्षेत्र में अतिरिक्त बल तैनात कर सुरक्षा कड़ी कर दी।

वरिष्ठ अधिकारी बंजारा हिल्स स्थित एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र से स्थिति पर नजर रख रहे हैं, जबकि रैपिड एक्शन फोर्स, सिटी आर्म्ड रिजर्व और नागरिक पुलिस पुरानापुल दरवाजे और आसपास निगरानी बनाए हुए हैं। पुलिस ने पुरानापुल दरवाजा परिसर में घुसकर पट्ट फाड़ने और प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी मूर्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। इसके अलावा, टास्क फोर्स और विशेष दलों ने मंगलहाट, धूलपेट, पुरानापुल और आसपास के इलाकों से कई लोगों को पत्थरबाजी और पुलिस तथा निजी वाहनों को नुकसान पहुंचाने के संबंध में हिरासत में लिया और पूछताछ की। इस हिंसा में चार पुलिसकर्मी समेत कम से कम दस लोग घायल हुए।

करीब 300 लोगों की भीड़ ने विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस पर हमला किया, चिल्ला और दरगाहों को नुकसान पहुंचाया, निजी वाहनों पर हमला किया और सड़क उपयोगकर्ताओं को पीटा। हिंसा मंगलहाट और कुलसुमपुरा थाना क्षेत्रों तक फैल गई, लेकिन अतिरिक्त डीसीपी इकबाल सिद्दीकी और अतिरिक्त आयुक्त (ट्रैफिक) जोएल डेविस के नेतृत्व वाली टास्क फोर्स टीमों की त्वरित कार्रवाई ने स्थिति को बिगड़ने से रोका। कामाटिपुरा, कुलसुमपुरा और मंगलहाट पुलिस थाना क्षेत्रों में इस घटना के संबंध में पांच मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने साजिश की आशंका को खारिज करते हुए कहा कि मंदिर में अपवित्रता की खबर मिलते ही आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। सोशल मीडिया पर संदेश फैलने के कारण भीड़ तेजी से बढ़ गई।

ऐसी घटनाओं पर लगाम लगाए सरकार

कानून-व्यवस्था आम आदमी की सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा : ओवैसी

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को कांग्रेस सरकार और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने की अपील की कि 'पुरानापुल में हुई गड़बड़ी' जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं शहर की शांति और कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती हैं। ओवैसी ने कहा कि पिछले तीन-चार वर्षों से राज्य में इस तरह की घटनाएं बार-बार सामने आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकांश घटनाएं रात के समय घटित होती हैं और पुलिस का खुफिया तंत्र कमजोर साबित हो रहा है। पुलिस को यह तक पता नहीं होता कि जमीन पर क्या हो रहा है।

उन्होंने बताया कि बुधवार को शरारती तत्वों ने पुरानापुल दरवाजे पर लगे एक फ्लेक्सी और पॉप की मूर्ति को नुकसान पहुंचाया, जिससे स्थानीय समुदाय में आक्रोश फैल गया। ओवैसी ने कहा कि सरकार को ऐसी घटनाओं का गंभीरता से अध्ययन करना चाहिए और समय रहते ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि माहौल बिगड़ने से रोका जा सके। ओवैसी ने सवाल उठाया कि जब सरकार 'फ्यूचर सिटी' के निर्माण और प्रचार की बात कर रही है, तो फिर इस तरह की घटनाएं क्यों हो रही हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस दोषियों को पकड़ने में असमर्थ नजर आ रही है और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह आम आदमी की सुरक्षा और शांति से जुड़ा हुआ विषय है। ओवैसी ने सरकार और पुलिस प्रशासन से अपील की कि वे जिम्मेदारी के साथ काम करें और ऐसी घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करें।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से युवक गंभीर

100 मीटर तक घसीटता ले गया वाहन, चालक फरार

हैदराबाद, 17 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सैदाबाद इलाके में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें तेज रफ्तार कार ने 30 वर्षीय युवक को टक्कर मार दी और करीब 100 मीटर तक घसीटते हुए ले गई। इस हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घायल युवक की पहचान सुनील कुमार के रूप में हुई है। वह चंपापेट रोड से जा रहे थे, तभी एक तेज गति से आ रही कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार चालक ने वाहन नहीं रोका और सुनील को सड़क पर घसीटते हुए आगे बढ़ता चला गया।

हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। घटना को देखकर आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। चश्मदीदों ने तुरंत घायल युवक की मदद की और उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर बताई है। सूचना मिलने पर सैदाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार कार चालक तथा वाहन की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि आरोपी चालक को जल्द से जल्द पकड़ा जा सके।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.